राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 15 सितंबर 2025 वर्ष-8,अंक-206 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

सुप्रीम कोर्ट ने सभी अदालतों से कहा, सरकारी लापरवाही को अनदेखा नहीं करें

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सभी अदालतों को नोटिस देकर कहा कि सरकारी लापरवाही को अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मुकदमों को फाइल करने में अत्यधिक देरी को माफ नहीं करना चाहिए। ऐसा करना अक्षमता को बढ़ावा देना है। जस्टिस जे. बी. पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने एक याचिका की सुनवाई के दौरान ये टिप्पणी की है। शीर्ष अदालत ने कहा कि हाई कोर्ट को सरकार की लापरवाही को अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। अगर सरकार देरी से कोई केस फिर खोलना चाहती है, तब कोर्ट को इसकी इजाजत नहीं देनी चाहिए। इससे एक प्राइवेट व्यक्ति पर हमेशा तलवार लटकी रहेगी। कर्नाटक हाई कोर्ट ने राज्य के हाउसिंग बोर्ड को 11 साल की देरी के बाद जमीन विवाद का केस फिर से खोलने की इजाजत दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले को न्याय के साथ मजाक बताया। सुप्रीम कोर्ट ने सभी हाई कोर्ट को चेतावनी दी है कि वे सरकार की तरफ से होने वाली अत्यधिक देरी को माफ न करें। सुप्रीम कोर्ट ने इस दलील को खारिज किया, जिसमें कहा गया कि जनहित के कारण देर की नजरअंदाज किया जा सकता है। बेंच ने कहा कि मामला लोगों से जुड़ावा का है, सिर्फ इसलिए देरी को माफ नहीं किया जा सकता।

भले ही गुजरात हिंदी भाषी राज्य नहीं है, फिर भी गुजरात ने हिंदी को अपनाया

5वें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के दौरान बोले शाह

गांधीनगर। गुजरात की राजधानी गांधीनगर में 5वें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के दौरान, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हिंदी दिवस के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन एक नया दृष्टिकोण, ऊर्जा और प्रेरणा लेकर आता है। उन्होंने देशभर से आए राजभाषा और भारतीय भाषाओं के विद्वानों का स्वागत किया। पहले यह सम्मेलन हमेशा दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित होता था, लेकिन पिछले पाँच सालों से इस सम्मेलन को देश के अलग-अलग हिस्सों में आयोजित किया जा रहा है। इस बदलाव से राजभाषा और अन्य भारतीय भाषाओं के बीच आपसी संवाद और आदान-प्रदान को बढ़ावा मिला है। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि भले ही गुजरात एक हिंदी भाषी राज्य नहीं है, फिर भी यहाँ हिंदी को हमेशा से अपनाया गया है। उन्होंने दयानंद सरस्वती, महात्मा गांधी और सरदार वल्लभभाई पटेल जैसी महान हस्तियों का उल्लेख किया, जिन्होंने हिंदी के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गृह मंत्रालय ने सारथी नाम की एक अनुवाद प्रणाली विकसित की है। इस प्रणाली की मदद से हिंदी से भारत की सभी भाषाओं में आसानी से अनुवाद किया जा सकता है। शाह ने घोषणा की कि अब कोई भी सरकार अपनी भाषा में गृह मंत्रालय को पत्र लिख सकती है और मंत्रालय उसी भाषा में जवाब देगा। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने भी इस मौके पर सभी का स्वागत किया। उन्होंने डिजिटल हिंदी शब्दकोश सिंधु का उल्लेख किया, जिसमें 7 लाख से अधिक शब्द शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह राजभाषा विभाग द्वारा अमित शाह के मार्गदर्शन में किया गया एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

कांग्रेस पर पीएम मोदी का बड़ा हमला.....

घुसपैठियों की रक्षक, राष्ट्रविरोधी ताकतों को संरक्षण देती

गुवाहाटी।

असम दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को दरांग में कहा कि जब भारत सरकार ने भूपेन हजारिका को भारत रत्न दिया था, तब कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा था कि मोदी, नाचने-गाने वालों को भारत रत्न दे रहा है। मैं भगवान शिव का भक्त हूं, सारा जहर निगल लेता हूं, मुझे कितनी भी गालियां दें। लेकिन बेशर्मी के साथ जब किसी और का अपमान होता है, तब मुझसे बिल्कुल भी रहा नहीं जाता है।

जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, मेरे लिए मेरी जनता ही भगवान है। मेरे भगवान के पास जाकर मेरी आत्मा की आवाज वहां नहीं निकलेगी, तब कहां निकलेगी, यही मेरे मालिक हैं, पूजनीय हैं, 140 करोड़ देशवासी मेरा रिमोट कंट्रोल हैं। इसके पहले रविवार को उन्होंने दरांग मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, जीएनएम स्कूल और बीएससी नर्सिंग कॉलेज का उद्घाटन और शिलान्यास किया। जिसकी लागत 6300 करोड़ है।

पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस घुसपैठियों और राष्ट्रविरोधी ताकतों को संरक्षण देती है। कांग्रेस भारतीय सेना का समर्थन करने के बजाय पाकिस्तान द्वारा पाले गए आतंकवादियों का समर्थन करती है।

पीएम मोदी ने कहा, भाजपा का उद्देश्य देश को घुसपैठियों से बचाना और उसकी अखंडता को बहाल करना है। मैं उन राजनेताओं को चुनौती देता हूं, जो घुसपैठियों का बचाव करते हैं कि वे आगे आएं और इस मुद्दे का सामना करें। देश के अंदर घुसपैठियों को पनाह देने वालों को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी, देश उन्हें माफ़ नहीं करेगा। पीएम मोदी ने असम की जनता को सलाह देकर कहा कि पाकिस्तान का झूठ, कांग्रेस का एजेंडा बन जाता है। आपको कांग्रेस से बचकर रहना है। कांग्रेस घुसपैठियों की हिमायती है। कांग्रेस ने हमारे आस्था के स्थानों पर, गरीबों-आदिवासियों की जमीन पर डाका डाला है। इस दौरान पीएम मोदी ने सीएम हिमंता की तारीफ कर कहा कि उनके नेतृत्व में असम में अवैध कब्जों को हटाया जा रहा है। घुसपैठियों से जमीन मुक्त कराई जा रही है। आज वहां जमीन वापस ली है। वहां किसानों के लिए परियोजना चल रही है। युवा कृषि सैनिक बनकर खेती कर रहे हैं। पिछली कांग्रेस सरकारों के दौरान किसानों की जमीन और पूजा स्थलों पर अतिक्रमण किए गए थे। भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार बनने के बाद से, हमने उन गलतियों को सुधारना और अवैध दावों को हटाना शुरू कर दिया है। असम में, घुसपैठियों से लाखों एकड़ जमीन वापस ली गई है।

कांग्रेस अपने वोट बैंक के लिए देशहित की अनदेखी करती

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस अपने वोट बैंक के लिए देशहित की अनदेखी करती है और आतंकवादियों का समर्थन करती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में थी, तब देश आतंकवाद से पीड़ित था। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस आज भी भारत की सेना के बजाय आतंकवादियों का समर्थन करती है और पाकिस्तान के झूठ को अपना एजेंडा बनाती है। पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने घुसपैठ को बढ़ावा दिया और अब वह चाहती है कि घुसपैठिए भारत में बस जाएं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लिए वोट बैंक सबसे महत्वपूर्ण है, देश का हित नहीं। प्रधानमंत्री मोदी ने ब्रह्मपुत्र नदी पर पुलों के निर्माण का उदाहरण देकर कांग्रेस के शासनकाल की तुलना अपनी सरकार से की।

पीएम मोदी आज बिहार को देंगे 36,000 करोड़ की सौगात, राष्ट्रीय मखाना बोर्ड का करेंगे उद्घाटन

-कोलकाता में सशस्त्र बलों के संयुक्त कमांडरों के सम्मेलन का करेंगे उद्घाटन

पटना/कोलकाता।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल सोमवार को एक साथ दो अहम कार्यक्रमों का उद्घाटन करेंगे। एक तरफ जहां पीएम मोदी सुबह कोलकाता में सशस्त्र बलों के संयुक्त कमांडरों के सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे, वहीं दोपहर बाद बिहार के पूर्णिया पहुंचकर 36,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार की सुबह भारतीय सेना के पूर्वी कमान मुख्यालय विजय दुर्ग (फोर्ट विलियम) में तीन दिवसीय संयुक्त कमांडरों के सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। यह सम्मेलन 15 से 17 सितंबर तक चलेगा। इसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह सहित सेना के शीर्ष अधिकारी शामिल होंगे।

प्रधानमंत्री मोदी इस सम्मेलन में हिस्सा लेने के बाद दोपहर कोलकाता से बिहार के पूर्णिया के लिए रवाना होंगे। यहां वे 36,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे और एक जनसभा को संबोधित करेंगे। इस दौरान पीएम मोदी पूर्णिया एयरपोर्ट के नवनिर्मित टर्मिनल का उद्घाटन करेंगे। यह प्रोजेक्ट लंबे समय से लंबित था और इसके पूरा होने से सीमांचल क्षेत्र की हवाई कनेक्टिविटी को बड़ी मजबूती मिलेगी।

राष्ट्रीय मखाना बोर्ड का उद्घाटन

बिहार को एक और बड़ी सौगात देते हुए पीएम मोदी राष्ट्रीय मखाना बोर्ड का उद्घाटन करेंगे। इसकी घोषणा इस साल के शुरु में केंद्रीय बजट में की गई थी। प्रधानमंत्री ने खुद मखाना को सुपरफूड करार दिया है। भारत के कुल मखाना उत्पादन का करीब 90 फीसद हिस्सा बिहार में ही होता है। पीएम मोदी के दौरे को देखते हुए पूर्णिया में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। शहर में नेशनल और स्टेट हाईवे पर वाहनों के परिचालन को मध्यरात्रि से 24 घंटे तक प्रतिबंधित रखा गया है।

भारतीय इतिहास का सबसे बड़ा डिफेंस सौदा करने जा रहा रक्षा मंत्रालय

114 राफेल फाइटर जेट के लिए 22 अरब डॉलर की डील

वायुसेना ने भेजा प्रस्ताव केंद्र के पास पहुंचा

नई दिल्ली । भारत फ्रांस के साथ बहुत जल्द 114 राफेल फाइटर जेट के लिए अभूतपूर्व डील कर सकता है। इस डील का मकसद भारतीय वायुसेना के घटते लड़ाकू स्कार्डर्न की कमी को पूरा करना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक राफेल लड़ाकू विमान बनाने वाली फ्रांस की डसॉल्ट एविएशन ने डील की अनुमानित लागत करीब 22 अरब डॉलर आंकी है। डील को मेक इन इंडिया के तहत किया जाएगा, जिसमें 60 प्रतिशत से ज्यादा स्वदेशी उत्पादन शामिल है। अगर इस मेगा डील को रक्षा मंत्रालय से आखिरी मुहर लगती है, तब ये भारतीय इतिहास का सबसे बड़ा डिफेंस सौदा होगा। लेकिन इसके साथ ही राफेल फाइटर जेट दुनिया का सबसे महंगा लड़ाकू विमान बन जाएगा।

वायुसेना ने राफेल खरीदने का प्रस्ताव रक्षा मंत्रालय को भेजा है और अगर सौदा तय होता है, तब प्रति यूनिट राफेल फाइटर जेट की अनुमानित कीमत करीब 193 मिलियन डॉलर होगी। सौदे में सिर्फ विमानों की कीमत ही शामिल नहीं है, बल्कि प्रोडक्शन प्लांट बनाना, राफेल में लगने वाली मिसाइलें, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर, ट्रेनिंग प्रोग्राम, मेंटेनेंस इंफ्रास्ट्रक्चर और लंबे समय के लिए लॉजिस्टिक्स सपोर्ट भी शामिल रहेगा है। इसके बाद अगर यह सौदा अंतिम रूप लेता है, तब यह न सिर्फ भारतीय इतिहास का सबसे बड़ा रक्षा सौदा होगा।

राफेल फाइटर जेट की कीमत को लेकर भारत में गंभीर सवाल उठने लगे हैं। भारत ने जब पहली बार राफेल फाइटर जेट खरीदा था, तब भी इसकी कीमत को लेकर कई महीनों तक बवाल होता रहा था। राफेल फाइटर जेट की जब इस कैटोगिरी में आने वाले दुनिया के बाकी एडवांस लड़ाकू विमानों से तुलना की जाती है, तब राफेल काफी ज्यादा महंगा साबित होता है। लेकिन रक्षा जानकारों का मानना है कि मेक इन इंडिया के तहत प्रोडक्शन, लंबे समय तक सपोर्ट पैकेज और डसॉल्ट की अत्याधुनिक एवियोनिक्स सिस्टम कीमत को सही ठहराती है।

बिहार के ताजा सर्वे में नीतीश के लिए संकट.....लेकिन राजद और कांग्रेस को लेकर संशय

पटना।

बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा भले ही अभी होना बाकी हो, लेकिन प्रदेश का राजनीतिक माहौल गर्मा गया है। विभिन्न सर्वे एजेंसियां लगातार मतदाताओं का मूड जानने की कोशिश में जुटी हैं। इसी क्रम में एक ताजा सर्वे कई चौंकाने वाले नतीजे सामने आए है। 3 से 10 सितंबर के बीच हुए सर्वे में कुल 5635 सैंपल शामिल किए गए। यह सर्वे इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इसके ठीक पहले राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा बिहार के 22 से अधिक जिलों में संपन्न हुई थी, इसमें पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव भी उनके साथ शामिल रहे। सर्वे में शामिल सैंपल के सामाजिक और भौगोलिक आधार पर पुरुषों की भागीदारी 52 प्रतिशत और महिलाओं की 48 प्रतिशत रही। जातिगत आधार पर 20 प्रतिशत अनुसूचित जाति, 2 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति, 44 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग, 16 प्रतिशत सवर्ण हिंदू और 18 प्रतिशत मुस्लिम मतदाता शामिल रहे। वहीं, भौगोलिक रूप से 30 प्रतिशत शहरी और 70 प्रतिशत ग्रामीण मतदाताओं से बातचीत की गई। सबसे अहम सवाल यह था कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार को लेकर जनता का रुझान कैसा है। आंकड़े बताते हैं कि बिहार में सत्ता विरोधी लहर तेज दिखाई दे रही है। 48 प्रतिशत मतदाताओं ने कहा कि वे मौजूदा सरकार से नाराज हैं, जबकि 27.1 प्रतिशत लोग अब भी नीतिश बाबू के साथ हैं। लगभग 20.6 प्रतिशत मतदाता तटस्थ रहे और 4.3 प्रतिशत ने कोई स्पष्ट राय नहीं दी। शहरी और ग्रामीण दोनों ही क्षेत्रों में 48 प्रतिशत लोगों ने सरकार के खिलाफ राय दी, जबकि समर्थन में शहरी क्षेत्र से 31 प्रतिशत और ग्रामीण इलाकों से 25 प्रतिशत लोग सामने आए। तटस्थ रहने वालों की संख्या शहरी क्षेत्र में 17 प्रतिशत और ग्रामीण इलाके में 22 प्रतिशत रही। पुरुष और महिलाएं, दोनों ही वर्गों में 48 प्रतिशत लोगों ने एंटी-इंकंबेंसी की भावना जाहिर की। वहीं, 29 प्रतिशत पुरुष और 25 प्रतिशत महिलाएं नीतश सरकार के पक्ष में खड़ी नज़र आईं। राजनैतिक विशेषज्ञों का मानना है कि यह सर्वे नीतीश की राजनीतिक स्थिति को चुनौती देता है। लंबे समय से बिहार की राजनीति का केंद्र रहे नीतीश अब जनता की नजरों में कमजोर पड़ते दिख रहे हैं। खासकर युवा, महिलाएं और ग्रामीण मतदाता बदलाव की तलाश में दिख रहे हैं। हालांकि सर्वे यह स्पष्ट नहीं करता कि कांग्रेस और राजद को सीधा लाभ मिलेगा या नहीं, लेकिन सत्ता विरोधी रुझान यह संकेत दे रहा है कि बिहार की राजनीति में इस बार मुकाबला दिलचस्प होने वाला है।

बीजेपी एक विचार-आधारित पार्टी है, जिसका लक्ष्य भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना

विशाखापत्तनम में जनसभा को जेपी नडडा ने किया संबोधित

विशाखापत्तनम।

आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम जिले में जनसभा को संबोधित करते हुए, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर बात की। उन्होंने आंध्र प्रदेश में नई एनडीए सरकार के गठन पर खुशी जताकर पिछली वाईएसआर कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए।

राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री नड्डा ने कहा कि बीजेपी एक विचार-आधारित पार्टी है, जिसका लक्ष्य भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि पार्टी हमेशा अपने वादों को पूरा करती है। अपने इस दावे के समर्थन में, उन्होंने कई ऐतिहासिक फैसलों का ज़िक्र किया। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने 1952 में ही एक देश में दो निशान, दो विधान और दो प्रधान नहीं चलेगा, का नारा दिया था और 2019 में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को समाप्त करके बीजेपी की मोदी सरकार ने अपने इस वादे को पूरा किया।

वहीं नड्डा ने बताया कि 1987 में किए गए राम मंदिर निर्माण के वादे को 2024 में अयोध्या में एक भव्य मंदिर की स्थापना के साथ पूरा किया गया। इसके अलावा उन्होंने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए), तीन तलाक को खत्म करने वाले कानून और वक्फ संशोधन विधेयक में किए गए बदलावों का भी उल्लेख किया। साथ ही केंद्रीय मंत्री नड्डा ने जीएसटी में प्रस्तावित नए बदलावों के बारे में भी जानकारी दी।

सुबह जगाने से रात को सोने तक की सभी वस्तुओं पर दिखेगा बदलाव का असर

ट्रेड एडं इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के ज्वाइंट कॉन्क्लेव में बोली वित्त मंत्री

चेन्नई ।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि मोदी सरकार ने 12 प्रतिशत टैक्स स्लैब वाली 99 प्रतिशत वस्तुओं पर कर को घटाकर 5 प्रतिशत किया है। इससे लोगों पर कर का बोझ कम होगा। ट्रेड एडं इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के ज्वाइंट कॉन्क्लेव में लोगों को संबोधित कर वित्त मंत्री ने कहा, केंद्र सरकार ने जीएसटी सुधार के तहत टैक्स स्लैब की संख्या को चार (5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत) से घटाकर दो (5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत) कर दिया गया है। अब सुबह जगाने से रात को सोने तक की सभी वस्तुओं पर दिखेगा कर बदलाव का असर दिखाई देगा। जो कि आम लोगों के लिए राहत भरा होगा।

वित्त मंत्री ने कहा, जब लोगों को लगा कि केंद्र सरकार ज्यादा टैक्स लगा रही है, तब प्रधानमंत्री मोदी ने टैक्स के बोझ को घटाने के लिए कदम उठाए। जीएसटी में कटौती का हमारे 140 करोड़ नागरिकों पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा। प्रधानमंत्री मोदी दिवाली से पहले देश को यह छूट देना चाहते थे, लेकिन हमें नवरात्रि से पहले ही इसकी घोषणा कर बेहद खुशी महसूस कर रहे है। यह सभी भारतीयों की जीत है। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार ने 18 प्रतिशत टैक्स स्लैब वाली 90 प्रतिशत वस्तुओं पर कर घटाकर 5 प्रतिशत या शून्य किया है।

इसके अतिरिक्त, वित्त मंत्री ने बताया कि 2017 में केवल 65 लाख लोग की जीएसटी का भुगतान कर रहे थे, लेकिन आज यह संख्या बढ़कर 1.5 करोड़ पर पहुंच गई है। साथ ही जीएसटी कलेक्शन बढ़कर 22.08 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया है, जो कि 2018 में 7.18 लाख करोड़ रुपए था। जीएसटी में कटौती का श्रेय राज्यों के साथ साझा करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि राज्य के मंत्री जीएसटी परिषद की शुरुआत से ही इसका हिस्सा रहे हैं, और यह निर्णय सामूहिक रूप से हुआ है। इस सफलता में राज्य सरकारों की भी भूमिका है। जीएसटी परिषद ने 350 से ज्यादा वस्तुओं पर कर कम किया है और कर ढांचे को केवल दो स्लैब तक सीमित कर दिया है। नए जीएसटी सुधार 22 सितंबर से लागू होगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पतन से प्रगति तक: पीएम मोदी कैसे गढ़ रहे हैं नया शहरी भारत?

(लेखक- हरदीप सिंह पुरी)

रोम एक दिन में नहीं बना था, वैसे ही नया शहरी भारत भी एक दिन में नहीं बनेगा। लेकिन जब हम अपने शहरों से और अधिक की अपेक्षा करते हैं, तो हमें यह भी देखना चाहिए कि हम पहले ही कितनी दूरी तय कर चुके हैं? आजादी के दशकों बाद तक, भारत के शहर एक उपेक्षित विचार थे। नेहरू की सोवियत शैली की केंद्रीकृत सोच ने हमें शास्त्री भवन और उद्योग भवन जैसे कंक्रीट के विशाल भवन दिए, जो 1990 के दशक तक ही ढहने लगे थे और सेवा के बजाय नौकरशाही के स्मारक बनकर रह गए।

2010 के दशक तक दिल्ली की हालत बहुत खराब थी। सड़कों पर गड्ढे थे, सरकारी इमारतें पुरानी, बदरंग और टपकती छतों वाली थीं और एनसीआर की बाहरी सड़कों पर हमेशा जाम लगा रहता था। एक्सप्रेसवे बहुत कम थे, मेट्रो कुछ ही शहरों तक सीमित थी और बुनियादी ढांचा तेजी से टूट-फूट का शिकार हो रहा था। दुनिया का नेतृत्व करने का सपना देखने वाले देश की राजधानी उपेक्षा और बदहाल स्थिति का प्रतीक बन चुकी थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हालात को बदल दिया। उन्होंने शहरों को बोझ नहीं माना, बल्कि उन्हें विकास के इंजन और राष्ट्रीय गर्व का प्रतीक बनाया। यह बदलाव आज हर जगह दिखाई देता है। सेंट्रल विस्टा के पुनर्निर्माण ने कर्तव्य पथ को जनता की जगह बना दिया, नई संसद को भविष्य के अनुरूप संस्थान में बदल दिया और कर्तव्य भवन को सुचारु प्रशासनिक केंद्र बना दिया। जहां पहले जर्जर हालत थी, वहां अब महत्वाकांक्षा और आत्मविश्वास दिखता है।

इस बदलाव का पैमाना आंकड़ों से समझा जा सकता है। 2004 से 2014 के बीच शहरी क्षेत्र में केंद्र सरकार का कुल निवेश लगभग ₹1.57 लाख करोड़ था। 2014 के बाद से यह 16 गुना बढ़कर लगभग ₹28.5 लाख करोड़ हो गया है। 2025-26 के बजट में ही आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय को ₹96,777 करोड़ दिए गए, जिसमें एक-तिहाई हिस्सा मेट्रो के लिए और एक-चौथाई आवास के लिए रखा गया। इतना बड़ा वित्तीय निवेश स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ और इससे अभूतपूर्व रूप से शहरी ढांचे का स्वरूप बदल रहा है।

भारत की व्यापक आर्थिक और डिजिटल प्रगति ने इस रफ्तार को और तेज कर दिया है। आज हम लगभग 4.2 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं, जहां डिजिटल व्यवस्था रोजमर्रा की जिंदगी को चला रही है। यूपीआई ने अभी हाल ही में एक महीने में 20 अरब लेन-देन का आंकड़ा पार किया और हर महीने ₹24 लाख करोड़ से ज्यादा के लेन-देन संभाल रहा है। अब 90 करोड़ से अधिक भारतीय इंटरनेट से जुड़े हुए हैं और 56 करोड़ जनधन खाते जैम त्रिमूर्ति (जनधन, आधार, मोबाइल) का आधार हैं, जिसके ज़रिये सब्सिडी सीधे और पारदर्शी रूप से दी जाती है। यह पैमाना, औपचारिकता और फिनटेक अपनाने का मॉडल पूरी तरह भारतीय है और इसका असर सबसे गहरा शहरी क्षेत्रों पर दिखाई देता है।

मेट्रो क्रांति जमीन पर हुए बदलाव को सबसे अच्छी तरह दिखाती है। 2014 में भारत में सिर्फ़ 5 शहरों में लगभग 248 किलोमीटर मेट्रो लाइन चल रही थी। आज यह बढ़कर 23 से अधिक शहरों में 1,000 किलोमीटर से ज्यादा हो गई है, जो हर दिन एक करोड़ से अधिक यात्रियों को ढोती है। पुणे, नागपुर, सूरत और आगरा जैसे शहरों में नए कॉरिडोर बन रहे हैं, जिससे सफ़र तेज़, सुरक्षित और प्रदूषण-रहित हो रहा है। यह सिर्फ़ लोहे और कंक्रीट का ढांचा नहीं है, बल्कि इसमें लोगों का समय बचना, हवा का साफ़ होना और नागरिकों को करोड़ों घंटे की अतिरिक्त उत्पादकता मिलना शामिल है।

शहरी कनेक्टिविटी की तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। एनसीआर के जाम से भरे इलाकों को नई बनी यूईआर-II (दिल्ली की तीसरी रिंग रोड) से राहत मिल रही है, जो एनएच-44, एनएच-9 और द्वारका एक्सप्रेसवे को जोड़कर पुराने जाम के बिंदुओं को आसान बना रही है। भारत की पहली क्षेत्रीय तेज़ यातायात प्रणाली—दिल्ली-मेरठ आरआरटीएस (नमो भारत)—पहले ही बड़े हिस्से पर चल रही है और पूरा संचालन जल्द ही शुरू होने वाला है, जिससे पूरा सफ़र एक घंटे से कम समय में तय होगा। ये तेज़ और एकीकृत परिवहन प्रणालियां नए भारत के लिए एक नई महानगरीय सोच को आकार दे रही हैं।

एक्सप्रेसवे अब शहरों के बीच की आवाजाही का नया चेहरा बन रहे हैं। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, बेंगलुरु-मैसूरु एक्सप्रेसवे, दिल्ली- मेरठ एक्सेस-नियंत्रित कॉरिडोर और मुंबई कोस्टल रोड ने दूरी घटा दी है और बड़े वाहनों को शहर की गलियों से बाहर निकालकर हवा को साफ़ किया है। मुंबई में देश का सबसे लंबा समुद्री पुल अटल सेतु अब टापू जैसे शहर को मुख्य भूमि से सीधे जोड़ता है। मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल, भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना, तेज़ी से आगे बढ़ रही है और पश्चिम भारत में विकास का नया केंद्र बनने जा रही है।

समावेशन भी हमेशा प्राथमिकता में रहा है। पीएम स्वनिधि योजना ने 68 लाख से ज़्यादा रेहड़ी-पटरी वालों को बिना गारंटी वाला कर्ज़ और डिजिटल सुविधा दी है, जिससे छोटे उद्यमियों को रोज़गार फिर से खड़ा करने और औपचारिक अर्थव्यवस्था से जुड़ने का मौका मिला है। पीएम आवास योजना (शहरी) के तहत 120 लाख से अधिक मकानों की मंज़ूरी दी गई, जिनमें से लगभग 94 लाख पूरे हो चुके हैं। लाखों परिवार, जो पहले झुग्गियों में रहते थे, अब सुरक्षित पक्के घरों में रह रहे हैं। ये केवल आंकड़े नहीं, बल्कि बदली हुई ज़िंदगियां और नयी उम्मीदें हैं।

ऊर्जा सुधार ने शहरी जीवन को और सुविधाजनक बनाया है। जहां पहले रसोई महंगे और अनिश्चित गैस सिलेंडर बुकिंग पर निर्भर थी, अब पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) आम होती जा रही है, जो अधिक सुरक्षित, साफ़ और सुविधाजनक है। सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन 2014 में सिर्फ़ 57 क्षेत्रों तक सीमित था, जो अब बढ़कर 300 से अधिक हो गया है। घरेलू पीएनजी कनेक्शन 25 लाख से बढ़कर 1.5 करोड़ से ऊपर पहुंच गए हैं, जबकि हज़ारों सीएनजी स्टेशन सार्वजनिक परिवहन को और स्वच्छ बना रहे हैं। अब लाखों शहरी घरों में नल घुमाकर ईंधन मिलना हकीकत बन चुका है।

भारत ने अब दुनिया की मेज़बानी करने का आत्मविश्वास हासिल कर लिया है। भारत मंडपम ने सफलतापूर्वक जी 20 नेताओं का शिखर सम्मेलन आयोजित किया। यशोभूमि अब दुनिया के सबसे बड़े सम्मेलन परिसरों में शामिल है, जहां एक साथ हज़ारों प्रतिनिधियों का स्वागत किया जा सकता है। इंडिया एनर्जी वीक ने बेंगलुरु, गोवा और नई दिल्ली में दुनिया की ऊर्जा कंपनियों और विशेषज्ञों को आकर्षित किया, जिससे यह साबित हुआ कि हमारे शहर बड़े पैमाने पर और बेहतरीन ढंग से दुनिया की मेज़बानी कर सकते हैं। यह सब तब अकल्पनीय था जब हमारे नागरिक ढांचे की पहचान टूटे-फूटे हॉल और खस्ताहाल स्टेडियम हुआ करते थे।

परिवहन का आधुनिकीकरण बड़े पैमाने और तेज़ी से हो रहा है। 2014 में जहां सिर्फ़ 74 हवाईअड्डे चालू थे, आज वह संख्या बढ़कर लगभग 160 हो गई है। यह संभव हुआ है उड़ान योजना और लगातार निवेश की वजह से। वंदे भारत ट्रेनें अब 140 से अधिक रूटों पर चल रही हैं, जिससे अलग-अलग क्षेत्रों में यात्रा का समय काफी घटा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 1,300 से अधिक रेलवे स्टेशनों का नवीनीकरण किया जा रहा है, जिनमें से सौ से ज़्यादा का उद्घाटन हो चुका है। दिल्ली में विस्तारित टर्मिनल-1 ने आईजीआई हवाईअड्डे की क्षमता 10 करोड़ यात्रियों से अधिक कर दी है, जिससे हमारी राजधानी दुनिया के बड़े हवाई केंद्रों की सूची में शामिल हो गई है।

समझदारी भरी कर नीति ने उपभोक्ताओं और विकास दोनों को सहारा दिया है। हाल ही में हुई जीएसटी सुधार के तहत ज़्यादातर वस्तुओं और सेवाओं को 5त्न और 18त्न की दरों में रखा गया है। ऊंचे टैक्स सिर्फ़ कुछ नशे और विलासिता की चीज़ों पर ही लगाए गए हैं। रोज़मर्रा की ज़रूरी चीज़ों से लेकर कई घरेलू सामानों पर टैक्स घटा है, छोटे कार और दोपहिया वाहन अब कम जीएसटी पर मिलते हैं। कई दवाइयां और मेडिकल उपकरण भी सस्ते हो गए हैं। शहरी परिवारों के लिए इसका मतलब हैकि महीने के खर्च कम होना, खपत बढ़ना और निवेश व रोज़गार का सकारात्मक चक्र चलना।

मैंने लंबे समय तक एक राजनयिक के रूप में विदेशों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है और वहां मैंने देखा कि कैसे शहर किसी देश का चेहरा बन जाते हैं? वियना की रिंगस्ट्रासे, न्यूयॉर्क की ऊंची इमारतें या पेरिस की चौड़ी सड़कें- ये सब राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा का प्रतीक थीं। तब मुझे साफ़ समझ आया कि दुनिया की नज़रें सबसे पहले किसी देश के शहरों पर जाती हैं। यही विश्वास मेरे शहरी कार्य मंत्रालय के काम का आधार बना कि दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, अहमदाबाद और हमारे दूसरे शहर एक उभरते भारत का आत्मविश्वास, आधुनिकता और आकांक्षाएं दिखाएं। जैसे मेरे राजनयिक करियर ने मुझे सिखाया कि भारत की छवि दुनिया में कैसे प्रस्तुत करनी है, वैसे ही मंत्री के रूप में मेरा काम रहा है कि हमारे शहर उस छवि के लायक बनें।

यह है बदलाव की यात्रा- आज़ादी के बाद की उपेक्षा से मोदी युग के आधुनिकीकरण तक। शास्त्री भवन की जर्जरता से कर्तव्य भवन की महत्वाकांक्षा तक। गड्ढों वाली सड़कों से एक्सप्रेसवे और हाई-स्पीड कॉरिडोर तक। धुएं से भरे रसोईघरों से पाइप्ड नेचुरल गैस तक। झुग्गियों से लाखों पक्के घरों तक। टूटे-फूटे हॉल से विश्वस्तरीय सम्मेलन केंद्रों तक। संकोच करती राजधानी से आत्मविश्वासी वैश्विक मेज़बान तक।

पाटलिपुत्र और नालंदा जैसे भारत के प्राचीन शहर कभी शहरी सभ्यता की उच्चता के प्रतीक थे। आज, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारतीय शहर फिर उसी राह पर हैं, आधुनिक लेकिन मानवीय, महत्वाकांक्षी होते हुए भी समावेशी, वैश्विक दृष्टिकोण वाले होते हुए भी जड़ों और मूल्यों से जुड़े हुए। नया शहरी भारत एक दिन में नहीं बन रहा है, बल्कि यह हर दिन बन रहा है- ईंट दर ईंट, ट्रेन दर ट्रेन, घर दर घर। और यह पहले से ही करोड़ों लोगों की ज़िंदगी बदल रहा है।

(लेखक केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हैं।)

संपादकीय

मिडल ऐज ग्रुप दुःखी व तनाव

दशकों मान्यता रही है कि समाज का मिडल ऐज ग्रुप दुःखी व तनाव में और युवा व बुजुर्ग प्रसन्न रहते हैं। लेकिन हालिया प्रकाशित एक अध्ययन ने बताया कि दुःख की शुरुआत अब युवा अवस्था में हो रही है। अमेरिका, ब्रिटेन, एशिया, अफ्रीका समेत मध्यपूर्व के 44 देशों में यह ट्रेंड देखा गया है। जिसमें भविष्य की अनिश्चितता व कार्य परिस्थितियों का दबाव तो है मगर बड़ा कारक सोशल मीडिया बताया जा रहा है। दरअसल, लगातार सोशल मीडिया से जुड़े रहने और यथार्थ से दूर रहने के कारण युवा जीवन की वास्तविक स्थितियों का मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं। आभासी मीडिया उन्हें बड़े-बड़े सपने तो दिखाता है, लेकिन जीवन की कठोर सच्चाई से अवगत नहीं कराता है। यही वजह है कि जहां पहले मिड ऐज ग्रुप यानी 40 से 50 आयु वर्ग दुखी माना जाता था, उसके स्थान पर दुःख की शुरुआत अब युवा उम्र से ही होने लगी है। हालिया, ग्लोबल माइंड प्रोजेक्ट के आंकड़ों में, अफ्रीका, यूरोप, लैटिन अमेरिका, एशिया, अमेरिका व मिडल ईस्ट के 44 देशों का अध्ययन बताता है कि बुजुर्गों की तुलना में युवाओं का मानसिक स्वास्थ्य ज्यादा खराब है। वेब आधारित इस सर्वे में पर्याप्त डेटा जुटाया गया था। जो बताता है कि यह ट्रेंड केवल विकसित देशों में ही नहीं है, बल्कि वैश्विक स्तर पर है। आंकड़े बताते हैं कि हर नई पीढ़ी अब पहली के मुकाबले ज्यादा तनाव में है। वहीं दूसरी तरफ अमेरिका व ब्रिटेन में किए गए एक अन्य सर्वे में कम पढ़े-लिखे युवा कर्मियों में अवसाद ज्यादा पाया गया है। पहले मान्यता रही है कि नौकरीपेशा लोगों में नौकरी मिलने के बाद तनाव कम होता है,लेकिन आज हकीकत ठीक इसके विपरीत है। ब्रिटेन के एक सर्वे में कहा गया है कि साल 2016 के बाद चालीस से कम उम्र के युवाओं में चिंता व अवसाद पहले के मुकाबले ज्यादा हो गया है। वैसे यह भी हकीकत है कि जिन देशों में रोजगार की स्थिति बेहतर है,वहां मानसिक सेहत में सुधार हुआ है।दरअसल, तमाम अध्ययन बता रहे हैं कि सोशल मीडिया में लगातार सक्रियता युवाओं को वास्तविक सामाजिक जीवन से दूर कर रही है। वे कृत्रिम जीवन में जी रहे हैं। जब हम समाज व मित्रों के बीच सक्रिय रहते हैं तो बातचीत से तनाव मुक्त रह सकते हैं। देर रात तक सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने से युवाओं का नींद का चक्र बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है। आभासी मित्रता के बजाय आमने-सामने की बातचीत सेहत के लिये ज्यादा लाभकारी होती है। यह जीवन की हकीकत है कि हमारे जीवन में योगदान देने वालों के प्रति यदि हम कृतज्ञता का भाव रखते हैं तो हमारा जीवन- व्यवहार सहज हो जाता है। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि हम जिन चीजों के प्रति कृतज्ञ हैं, उनके बारे में लिखने से हमारा नजरिया बदलता है। हमारा मानसिक स्वास्थ्य इस बात पर निर्भर करता है कि हमारी दिनचर्या कितनी अनुशासित व संतुलित है। रात को जल्दी सो जाने और सूर्योदय के साथ उठने से हम दिनभर प्रफुल्लित रह सकते हैं। विडंबना यह भी कि सोशल मीडिया पर आधुनिक जीवन की जो चमक-दमक दिखायी जाती है,युवा उसको पाने की आकांक्षा करने लगते हैं। लेकिन जीवन का यथार्थ कठोर है। निस्संदेह, वैज्ञानिक उन्नति व तकनीकी विकास से पूरी दुनिया में रोजगार के अवसरों का संकुचन हुआ है। श्रम आधारित उद्योगों के बजाय कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाले उद्योगों के बढ़ने से यह स्थिति पैदा हुई है। साथ ही नौकरियों में अस्थिरता व असुरक्षा के चलते भविष्य को लेकर जो अनिश्चितता पैदा होती है, उससे युवाओं में तनाव की वृद्धि होती है।

देश के विकास में इंजीनियरों की अहम भूमिका है

(लेखक - संजय गोस्वामी)

(इंजीनियर्स डे 15 सितंबर 25 पर विशेष)

भारत में इंजीनियर्स डे हर साल 15 सितंबर को मनाया जाता है इसे अभियंता दिवस भी कहते हैं. इस दिन देश में जगह-जगह कार्यक्रमों को आयोजन किया जाता है. यह दिन भारत रत्न से सम्मानित महान अभियंता सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती पर समर्पित है. भारत हर साल 15 सितंबर को राष्ट्रीय इंजीनियर्स डे मनाता है. यह दिन भारत रत्न से सम्मानित महान अभियंता सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती पर समर्पित है. उन्होंने सिंचाई, बांध, बुनियादी ढांचे और आर्थिक योजनाओं में अद्भुत योगदान दिया. यही वजह है कि यह दिन भारत के साथ-साथ श्रीलंका और तंजानिया में भी मनाया जाता है. इस दिन देश में जगह-जगह कार्यक्रमों को आयोजन किया जाता हैसर एम विश्वेश्वरैया का जन्म- 15 सितंबर 1861 को कर्नाटक में हुआ था और वह बाढ़ प्रबंधन और सिंचाई तकनीक के विशेषज्ञ माने जाते थे. उन्होंने पुणे के कॉलेज ऑफ साइंस से सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा किया. भारत सरकार ने उन्हें 1955 में भारत रत्न और ब्रिटिश सरकार ने **Knighthood Award** से सम्मानित किया. उनकी जयंती को 1967 से राष्ट्रीय इंजीनियर्स डे के रूप में मनाना शुरू किया गया.भारत में इंजीनियर्स दिवस की शुरुआत 1968 में हुई थी, जब भारत सरकार ने सर एम. विश्वेश्वरैया के उल्लेखनीय जीवन और उपलब्धियों के स्मरणोत्सव के लिए 15 सितंबर को एक दिन के रूप में घोषित किया था। 15 सितंबर 1861 को कर्नाटक के मुद्देनहल्ली में जन्मे सर विश्वेश्वरैया को भारतीय इंजीनियरिंग के जनक के रूप में दुनिया भर में पहचान मिली। उनके नवाचारों—जैसे पेटेंट प्राप्त स्वचालित फ्लडगेट और कृष्णराज सागर बांध का डिज़ाइन—ने भारत के बुनियादी ढाँचे और जल प्रबंधन प्रणालियों को बदल दिया। 1912 से 1918 तक मैसूर के दीवान के रूप में कार्य करते हुए, उन्होंने लोक निर्माण, शिक्षा और औद्योगीकरण में योगदान दिया। यह वार्षिक उत्सव न केवल उनकी विरासत का सम्मान करता है, बल्कि देश के विकास में इंजीनियरिंग पेशे के महत्वपूर्ण महत्व को भी उजागर करता है।अपनी प्रारंभिक पढ़ाई चिक्काबल्लापुर में करने के बाद वे बैंगलोर चले गए। 1881 में बैंगलोर से बी.ए. की पढ़ाई पूरी की और इसके बाद पुणे के कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से सिविल इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की। पढ़ाई के बाद वे बॉम्बे प्रेसीडेंसी के पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट **(PWD)** से जुड़े। मशहूर है ट्रेन का दिलचस्प किस्सा उनके जीवन से जुड़ा एक प्रसंग बेहद मशहूर है। एक बार ट्रेन से सफर के दौरान अंग्रेज यात्री एक भारतीय का मजाक उड़ा रहे थे। तभी उस भारतीय ने अचानक ट्रेन की चेन खींच दी। सभी नाराज हो गए, लेकिन उसने कहा कि पटरियों में गड़बड़ी है। जांच हुई तो सचमुच कुछ दूरी पर पटरी टूटी हुई मिली। यह शख्स और कोई नहीं बल्कि सर एम. विश्वेश्वरैया ही थे। इंजीनियर्स दिवस 2025 का मुख्य विषय राष्ट्रीय इंजीनियरिंग निकायों द्वारा इस दिवस के करीब घोषित किया जाएगा। परंपरागत रूप से, हर साल की थीम इंजीनियरिंग क्षेत्र की वर्तमान चुनौतियों और आकांक्षाओं को संबोधित करती है—उदाहरण के लिए, एक सतत भविष्य के लिए इंजीनियरिंग या एक बेहतर भारत के लिए इंजीनियर। 2025 की थीम इंजीनियरिंग में स्थिरता, डिजिटल नवाचार और युवा नेतृत्व पर केंद्रित होने की उम्मीद है, जो इंजीनियरों और छात्रों को भारत के तकनीकी विकास और सामाजिक परिवर्तन की अगली लहर का नेतृत्व करने के लिए प्रोत्साहित करेगी। सर एम. विश्वेश्वरैया की प्रतिमाओं और स्मारकों पर श्रद्धांजलि समारोह और पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी इंजीनियरिंग कॉलेजों और व्यावसायिक संस्थानों द्वारा आयोजित सेमिनार, व्याख्यान और वेबिनार सर विश्वेश्वरैया के योगदान पर केंद्रित स्कूल और कॉलेज स्तर की निबंध, प्रश्नोत्तरी और पोस्टर प्रतियोगिताएँ से शिक्षा, तकनीकी नवाचार और नैतिक इंजीनियरिंग को बढ़ावा देने वाले सरकारी और गैर-लाभकारी अभियान को बढ़ावा मिलता है . विश्वेश्वरैया इंजीनियरिंग कॉलेज, नागपुर उन्ही के नाम पर एक अच्छा एनआईटी कॉलेज है इंजीनियर्स डे है के दिन डिजिटल पोस्टर शेयरिंग के साथ सोशल मीडिया जागरूकता इंजीनियरिंग की सामाजिक भूमिका पर विचार करते हुए लेख, विशेष फीचर और भाषणों का प्रकाशन प्रेरक उद्धरण और नारे लगाए जाते हैं एम. विश्वेश्वरैया ने कहा था याद रखें, आपका काम सिर्फ़ रेलवे क्रॉसिंग की सफाई करना हो सकता है, लेकिन यह आपका कर्तव्य है कि आप इसे इतना साफ़ रखें कि दुनिया का कोई भी दूसरा क्रॉसिंग आपके क्रॉसिंग जितना साफ़ न रहे। उन्होंने यह भी कहा कि इंजीनियर राष्ट्र के सपनों के निर्माता होते हैं। सच्ची सेवा देने के लिए, आपको कुछ ऐसा जोड़ना होगा जिसे पैसे से खरीदा या मापा न जा सके—ईमानदारी और निष्ठा। बड़े सपने देखें। कड़ी मेहनत करें। भविष्य का निर्माण करें। सर एम. विश्वेश्वरैया की विरासत प्रगति और नवाचार का खाका तैयार किया । इंजीनियर्स दिवस हमें याद दिलाता है कि दूरदर्शिता और कर्म से दुनिया बदल सकती है। इंजीनियर्स डे हमें यह याद दिलाता है कि एक इंजीनियर केवल मशीनों और प्रोजेक्ट्स का निर्माता ही नहीं, बल्कि देश की प्रगति का आधार भी है. आज के समय में चाहे टेक्नोलॉजी, इंफ्रास्ट्रक्चर, पर्यावरण या स्पेस रिसर्च हो, हर क्षेत्र में इंजीनियरों की अहम भूमिका है। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

जहाँ शांति है वही सुख

चिंतन मनन

यदि हमारे पास दुनिया का पूरा वैभव और सुख-साधन उपलब्ध है परंतु शांति नहीं है तो हम भी आम आदमी की तरह ही हैं। संसार में मनुष्यों द्वारा जितने भी कार्य अथवा उद्यम किए जा रहे हैं सबका एक ही उद्देश्य है शांति। सबसे पहले तो हमें ये जान लेना चाहिए कि शांति क्या है? शांति का केवल अर्थ यह नहीं कि केवल मुख से चुप रहें अपितु मन का चुप रहना ही सच्ची सुख-शांति का आधार है। कहते हैं कि जहाँ शांति है वहाँ सुख है। अर्थात सुख का शांति से गहरा नाता है। लड़ाई, दुख और लालच को भंग करने के लिए शांति सशक्त औजार है। कई लोग कहते हैं कि बिना इसके शांति नहीं हो सकती। इसके साथ ही भौतिक सुख-साधनों तथा अन्य संसाधनों से शांति होगी यह कहना भी गलत है। यदि इससे ही शांति हो जाती तो हम मंदिर आदि के चक्कर नहीं लगाते। धन-दौलत और संपदा से संसाधन खरीदे जा सकते हैं परंतु शांति नहीं। हम यही सोचते रह जाते हैं कि यह कर लूँगा तो शांति मिल जाएगी। आवश्यकताओं को पूरा करते-करते पूरा समय निकल जाता है और न तो शांति मिलती है और न ही खुशी। खुशहाल पारिवारिक जीवन के लिए जरूरी है कि पहले शांति रहे। जहाँ शांति है वहाँ विकास है। जहाँ विकास है वहाँ सुख है। इसलिए अमूल्य शांति के लिए सबसे पहले हमें अपने आप को देखना होगा। अपने बारे में जानना होगा। मैं कौन हूं, कहाँ से आया हूं और हमारे अंदर कौन-कौन सी शक्तियाँ हैं जो हम अपने अंदर ही प्राप्त कर सकते हैं। शांति का सागर परमात्मा है। हम आत्माएँ परमात्मा की संतान हैं। जब हमारे अंदर शांति आएगी तो हमारा विकास होगा। जब विकास होगा तो वहाँ सुख का साम्राज्य होगा। यह प्रक्रिया बिल्कुल सरल और सहज है जिसके जरिए हम यह जान और पहचान सकते हैं। वर्तमान समय अशांति और दुख के भयानक दौर से गुजर रहा है। ऐसे में जरूरत है कि हम अपने धर्म और शाश्वत सत्य को स्वीकारते हुए शांति के सागर परमात्मा से अपने तार जोड़ें। ताकि हमारे भीतर शांति का खजाना मिले। इससे हमारे अंदर शांति तो आएगी ही साथ ही हम दूसरों को भी शांति प्रदान कर सकेंगे।

भारत की डिजिटल क्रांति: परिवर्तन का एक दशक और भावी योजना

(लेखक-राव इंद्रजीत सिंह)

पिछले एक दशक में भारत में एक ऐसी डिजिटल क्रांति आई है जो असाधारण है। जो प्रक्रिया लक्षित प्रौद्योगिकीय अंतःक्षेपों की एक श्रृंखला के रूप में शुरू हुई थी वह अब एक व्यापक परिवर्तन के रूप में विकसित हो चुकी है, जो भारतीय जीवन के लगभग हर पहलू जैसे अर्थव्यवस्था, शासन, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, वाणिज्य, और देश के कोने-कोने में बसे किसानों और छोटे उद्यमियों के जीवन को भी प्रभावित कर रही है।

यह यात्रा आकस्मिक नहीं थी। इसे भारत सरकार द्वारा ठोस नीति निर्धारण, अंतरमंत्रालयी सहयोग, और समावेशी विकास के प्रति प्रतिबद्धता के माध्यम से सावधानीपूर्वक प्रबंधित किया गया है। जब संबद्ध मंत्रालयों जैसे इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), वित्त मंत्रालय (एमओएफ), कृषि मंत्रालय, और अन्य मंत्रालयों ने बड़े पैमाने में ज़मीनी स्तर पर परियोजनाओं को पूरा किया, तो दूसरी ओर नीति आयोग ने अभिसरण को बढ़ावा देकर, विचारों को नेतृत्व देकर, और स्केलेबल, नागरिक-प्रमुखता वाले नवाचारों की ओर प्रणाली को प्रेरित कर नीति इंजन का काम किया है।

जन धन-आधार-मोबाइल (जेएएम) ट्रिनिटी की शुरुआत के साथ इसमें एक महत्वपूर्ण मोड़ आया है। लगभग 55 करोड़ बैंक खातों के खोलने के साथ-साथ, करोड़ों लोगों को, जो पहले वित्तीय प्रणाली की पहुंच से बाहर थे, उन्हें अकस्मात बैंकिंग व्यवस्था और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण तक पहुंच प्राप्त हुई है। ओडिशा के एक छोटे से गांव में पहली बार बिना बिचौलिए की सहायता से एक सिंगल मदर को कल्याणकारी लाभ सीधे उनके खाते में प्राप्त करने में सक्षम बनाया गया। उनकी कहानी भारत भर के करोड़ों लोगों की कहानी बन गई है। यह वृहद वित्तीय समावेशन आंदोलन वित्त मंत्रालय के समर्थन और आधार तथा मोबाइल पैठ की सक्षम सहायता से अगला कदमः एक वित्तीय-प्रौद्योगिकी विस्फोट का आधार बना।

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम द्वारा भारतीय रिज़र्व बैंक के मार्गदर्शन में विकसित एकीकृत भुगतान इंटरफ़ेस (यूपीआई) ने भारतीयों के लेन-देन के तरीके में क्रांति ला दी है। किसी मित्र को पैसे भेजने के एक अनूठे तरीके के रूप में शुरू किया गया यह तरीका शीघ्र ही छोटे व्यवसायों, सब्ज़ी विक्रेताओं और गिग वर्कर्स की जीवनरेखा बन गया। आज, भारत में प्रति माह 17 बिलियन से अधिक यूपीआई के माध्यम से लेनदेन होते हैं, और यहाँ तक कि सड़क किनारे के विक्रेता वाले भी एक साधारण क्यूआर कोड के ज़रिए डिजिटल भुगतान स्वीकार कर रहे हैं।

इसी दौरान, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत भारत के डिजिटल अवसंरचना के मुख्य तंत्र को धीरे-धीरे और निरंतरता से तैयार किया जा रहा है। भारतनेट जैसी परियोजनाओं ने दो लाख से अधिक ग्राम पंचायतों तक ब्रॉडबैंड पहुँचाया है, जबकि इंडिया स्टैक ने कागज़-रहित, उपस्थिति-रहित और नकदी-रहित सेवाओं का ढाँचा तैयार किया। डिजी-लॉकर ने छात्रों को अपने प्रमाणपत्र डिजिटल रूप में रखने, और ई-हस्ताक्षर ने महत्वपूर्ण दस्तावेज़ों के लिए दूरस्थ प्रमाणीकरण प्रदान किया। डिजी-यात्रा एक अग्रणी पहल है जो चेहरे के पहचान की तकनीक का उपयोग करके निर्बाध, कागज़-रहित और संपर्क-रहित हवाई यात्रा को संभव बनाती है। यह त्वरित चेक-इन, बेहतर यात्री अनुभव और बेहतर हवाई अड्डे की क्षमता में सुधार सुनिश्चित करती है, साथ ही विकेंद्रीकृत पहचान प्रबंधन के माध्यम से डेटा गोपनीयता की सुरक्षा भी करती है। यह भारतीय विमानन के भविष्य की तैयारी और यात्री-अनुकूल बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। ये मात्र ऐप ही नहीं हैं - ये एक डिजिटल गणराज्य की आधारशिला हैं।

डिजिटल गवर्नेंस ने भी गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जेम) के शुभारंभ के साथ बड़ी उछाल लगाई है। सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता और दक्षता लाने के लिए डिज़ाइन किए गए, जेम ने 1.6 लाख से अधिक सरकारी क्रेताओं को 22 लाख से अधिक विक्रेताओं से जोड़ा है - जिसमें महिला उद्यमियों और एमएसएमई की बढ़ती संख्या शामिल है। राजस्थान के एक छोटे हस्तशिल्प विक्रेता के लिए, इसका अभिप्राय सरकारी संविदाओं तक पहुंच प्रदान करना था जो पहले अकल्पनीय था।

कृषि क्षेत्र, जिसे प्रायः परिवर्तन के प्रतिरोधी के रूप में देखा जाता है, ने भी डिजिटल साधनों को अपनाना शुरु कर दिया है। पीएम-किसान जैसे प्लेटफॉर्म ने यह सुनिश्चित किया कि आय सहायता किसानों तक सीधे पहुँचे। ई-नैम ने राज्यों की कृषि मंडियों को जोड़ा, जिससे किसानों को अपनी उपज के बेहतर दाम मिल सके। डिजिटल मृदा स्वास्थ्य कार्ड ने उन्हें यह समझने में मदद की कि उन्हें कौन सी फसलें उगानी चाहिए और अपनी भूमि में कौन से पोषक तत्वों का प्रयोग करना चाहिए। झारखंड के ग्रामीण-क्षेत्रों में, स्थानीय उद्यमियों द्वारा संचालित सीएससी (कॉमन सर्विस सेंटर) उनके लिए एक प्रकार से डिजिटल जीवन रेखा बन गए, जो टेली-मेडिसिन से लेकर बैंकिंग और कौशल विकास कार्यक्रमों तक, हर चीज की पेशकश करते हैं।

महामारी भारत के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढाँचे के लिए एक कठिन परीक्षा थी जिसमें हम बखूबी सफल हुए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नाटो देश रुस से तेल खरीदना बंद कर दें तो जंग जल्द हो सकती है खत्म

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस के खिलाफ कड़े कदम उठाने की कही बात

वाशिंगटन।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने शनिवार को रूस के खिलाफ कड़े कदम उठाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि वह रूस पर सख्त बैन लगाने को तैयार कर रहे हैं, लेकिन इसके लिए एक शर्त भी रखी है। ट्रंप चाहते हैं कि नाटो के सभी देश रूस से तेल खरीदना बंद कर दें। साथ ही सभी नाटो देश रूस पर अपने स्तर से बैन लगाएं। ट्रंप ने यह बात ट्रुथ सोशल पर कही।

उन्होंने इसे नाटो देशों और दुनिया के लिए एक पत्र बताया। ट्रंप ने सुझाव दिया कि नाटो देश चीन पर 50 से 100 फीसदी तक टैरिफ लगाएं। इससे रूस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग को खत्म करने में मदद मिलेगी। ट्रंप ने आगे कहा कि चीन का रूस पर काफी प्रभाव है। अगर नाटो ऐसा करता है, तो यह जंग जल्द खत्म हो सकती है। ट्रंप ने नाटो देशों द्वारा रूस से तेल खरीदने को ÷हैरान करने वाला÷ बताया। उनका कहना है कि इससे नाटो की मोलभाव करने की ताकत कमजोर होती है।

यूरोपीय कमीशन जल्द ही रूस के खिलाफ 19वें दौर के प्रतिबंधों की घोषणा करने वाला है, लेकिन हंगरी और स्लोवाकिया जैसे कुछ देश अभी भी रूस से तेल खरीद रहे हैं। फ्रांस और जर्मनी चाहते हैं कि कमीशन रूस की तेल कंपनियों और उन तीसरे देशों पर सख्ती करे, जो रूस के तेल व्यापार में मदद कर रहे हैं। ट्रंप ने हाल ही में रूस के यूक्रेन पर सबसे बड़े हवाई हमले के बाद बैन की धमकी दी थी, लेकिन अभी तक उन्होंने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। इससे यूक्रेन भी नाराज है। बता दें ट्रंप ने पिछले महीने अलास्का में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा कि वह रूस पर बैन लगाने को तैयार हैं, बशर्ते नाटो देश भी साथ दें। ट्रंप ने यह भी कहा कि अगर नाटो उनके सुझावों को मानता है, तो यूक्रेन-रूस जंग जल्द खत्म हो सकती है। उन्होंने नाटो को चेतावनी दी कि अगर ऐसा नहीं हुआ, तो वह उनका समय बर्बाद नहीं करेंगे।

कारोबारी को बिक्री के बाद छूट पर नहीं करनी होगी आईटीसी वापसी

सीबीआईसी ने लिया बड़ा फैसला, जारी किया नया सर्कुलर

नई दिल्ली।

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने कारोबारियों के लिए बड़ा फैसला किया है। अब अगर सप्लायर बिक्री के बाद छूट के लिए फाइनेंशियल या कमर्शियल क्रेडिट नोट जारी करते हैं, तो खरीदार को इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) वापस करने की जरूरत नहीं। यह छूट भले ही कम कीमत पर भुगतान के साथ दी जाए। सीबीआईसी ने एक सर्कुलर जारी कर इसकी जानकारी दी थी।

सीबीआईसी ने कहा कि फाइनेंशियल या कमर्शियल क्रेडिट नोट से सप्लाई की मूल टैक्सेबल वैल्यू पर कोई असर नहीं पड़ता यानी सप्लायर की मूल जीएसटी देनदारी में कोई बदलाव नहीं होगा।

सर्कुलर में साफ लिखा है कि ऐसी छूट के मामले में खरीदार को अपने इनपुट टैक्स क्रेडिट में कोई कटौती नहीं करनी होगी। इसका मतलब है कि कारोबारी अब बिना किसी चिंता के छूट का फायदा ले सकेंगे।

सर्कुलर में यह भी साफ किया कि मैन्युफैक्चरर द्वारा डीलरों को दी जाने वाली बिक्री के बाद की छूट को सर्विसेज के लिए भुगतान नहीं माना जाएगा। अगर डीलर किसी खास प्रमोशनल गतिविधि जैसे विज्ञापन या को-ब्रांडिंग के लिए समझौते के तहत काम करता है, तो उस सर्विस पर जीएसटी लागू होगा। यह नियम कारोबारियों को अपनी डीलरशिप और प्रमोशनल रणनीतियों को बेहतर ढंग से समझने में मददगार साबित होगा।

केपीएमजी इंडिया के पार्टनर और अप्रत्यक्ष कर के राष्ट्रीय प्रमुख ने इसे एक स्वागत योग्य कदम बताया है। उन्होंने कहा कि यह सर्कुलर मैन्युफैक्चरर और डीलरों के बीच छूट से जुड़े लेनदेन पर पारदर्शिता लाएगा। इससे कारोबारियों को अपने सौदों को अमल में लाने में आसानी होगी और पुराने विवादों में कमी आएगी। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ मामलों में, जहां डीलर अंतिम ग्राहकों को विशेष लाभ देने के लिए समझौते करते हैं, वहां कारोबारियों को अपने कॉन्ट्रैक्ट्स और टैक्स स्थिति की दोबारा जांच करनी होगी।

ईवॉय के टैक्स पार्टनर ने कहा कि इस स्पष्टता से जीएसटी नियमों को लागू करना आसान होगा। उन्होंने बताया कि ट्रेड डिस्काउंट और प्रमोशनल सर्विसेज के बीच सरकार का रुख विवादों को कम करेगा। इससे कारोबारी अब ज्यादा भरोसे के साथ अपने कॉन्ट्रैक्ट्स बना सकेंगे।

जीएसटी दरें कम होने से आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूती और रोजगार के अवसर पैदा होंगे

नई दिल्ली।

ऑटोमोबाइल, खाद्य प्रसंस्करण, परिधान, लॉजिस्टिक्स और हस्तशिल्प पर जीएसटी दरें कम होने से आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूती मिलेगी और स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा। विशेष रूप से महिलाओं, ग्रामीण उद्यमियों और अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों के लिए रोजगार के ज्यादा से ज्यादा अवसर पैदा होंगे। यह जानकारी सरकार की ओर से दी गई है। वहीं दोपहिया वाहनों, कारों, बसों और ट्रैक्टरों पर कम जीएसटी से मांग बढ़ेगी, जिससे टायर, बैटरी, कांच, प्लास्टिक और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में एमएसएमई को लाभ होगा।

किफायती साइकिलें गिग वर्कर्स, किसानों और ग्रामीण व्यापारियों के लिए और सस्ती कारें छोटे शहरों में एमएसएमई और डीलरशिप के लिए मददगार साबित होती हैं। ट्रैक्टरों (1800 सीसी से कम) पर जीएसटी घटाकर 5 फीसदी करने से भारत की वैश्विक ट्रैक्टर निर्माण में अग्रणी स्थिति मजबूत होगी और सहायक एमएसएमई को सहायता मिलेगी। वाणिज्यिक मालवाहक वाहनों पर जीएसटी 28 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी कर दिया गया है, जिससे माल ढुलाई, रसद लागत, मुद्रास्फीति का दबाव कम हुआ है और एमएसएमई ट्रक मालिकों को लाभ होगा। 10+ सीटों वाली बसों पर जीएसटी 28 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी कर दिया गया है, जिससे बेड़े संचालकों, स्कूलों की लागत कम हुई है और मजदूरों के लिए किराया वहनीयता में सुधार आएगा। वहीं खाद्य पदार्थों पर जीएसटी 12 और 18 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी या शून्य कर दिया गया है, जिससे खाद्य प्रसंस्करण, लघु-स्तरीय प्रसंस्करणकर्ताओं, क्षेत्रीय ब्रांडों, डेयरी सहकारी समितियों, पैकेजिंग और कोल्ड स्टोरेज से जुड़े एमएसएमई को लाभ होगा। इसके अलावा, चॉकलेट, केक और कन्फेक्शनरी पर जीएसटी कम होने से छोटे मिठाई निर्माताओं की बिक्री बढ़ेगी। दूध और पनीर पर जीएसटी शून्य होने, मक्खन और घी पर 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी करने से डेयरी क्षेत्र को लाभ होगा। दूध के डिब्बों पर जीएसटी 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी कर दिया गया है।

सबसे ज्यादा कारें बेचकर मारुति सुजुकी फिर बनी नंबर-1

नई दिल्ली । बीते अगस्त महीने में सबसे ज्यादा कारें बेचकर मारुति सुजुकी फिर बनी नंबर-1 बन गई है। मारुति सुजुकी ने भारतीय कार बाजार में अगस्त 2025 में कंपनी ने कुल 1,27,905 यूनिट्स की बिक्री की और सबसे ज्यादा गाड़ियां बेचने वाली कंपनी बन गई। सालाना आधार पर इसकी बिक्री में 0.62 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। दूसरे नंबर पर महिंद्रा रही, जिसने 43,632 यूनिट्स बेचे और 7.55 प्रतिशत की सालाना बढ़त हासिल की। तीसरे पायदान पर रही हुंडई को झटका लगा और उसकी बिक्री 2.79 प्रतिशत गिरकर 42,226 यूनिट्स पर आ गई। वहीं, टाटा मोटर्स चौथे नंबर पर रही और उसने 38,286 यूनिट्स बेचीं, जो 3.96 प्रतिशत की गिरावट रही। टोयोटा ने 24,954 यूनिट्स के साथ पांचवां स्थान हासिल किया और 5.82 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। इसके बाद किआ रही, जिसकी बिक्री 18,212 यूनिट्स रही और इसमें 5.66 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। स्कोडा फॉक्सवैगन ने 8,111 यूनिट्स बेचीं और 29.16प्रतिशत की भारी बढ़त हासिल की। एमजी ने इस बार 38.86 प्रतिशत की जोरदार सालाना वृद्धि के साथ 5,717 यूनिट्स की बिक्री की। वहीं, होंडा 18.59प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,041 यूनिट्स तक सिमट गई। रेनॉल्ट की बिक्री भी 14.39 प्रतिशत घटकर 2,593 यूनिट्स रह गई। लक्ज़री कार बाजार में मर्सिडीज ने 1,305 यूनिट्स बेचीं और मामूली 1.66प्रतिशत की गिरावट दर्ज की। बीएमडब्ल्यू ने 25.05प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 1,273 यूनिट्स की बिक्री की। वहीं, बीवायडी की बिक्री 98.24 प्रतिशत उछलकर 450 यूनिट्स पहुंच गई। कुल मिलाकर, मारुति सुजुकी ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि भारतीय ग्राहकों की पहली पसंद वही है।

नेपाल में अंतरिम सरकार गठन के बाद हालात सुधरे, व्यापारिक गतिविधियां भी शुरु

नई दिल्ली।

अंतरिम सरकार गठन के बाद भारत-नेपाल सीमा पर हालात सामान्य होने लगे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शनिवार को रुपईडीहा बॉर्डर से यात्री वाहन, कार, बाइक, पैदल और मालवाहक ट्रक गुजरते नजर आए। बड़ी संख्या में कारोबारी ट्रक नेपाल में दाखिल हुए, जिससे व्यापारिक गतिविधियां भी शुरु हो गई हैं। हालांकि, आम नागरिकों की आवाजाही अब भी सीमित है।इन सबके बीच, सीमा चौकियों पर सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हैं और नागरिकों व वाहनों की निगरानी कर रही हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक हालात पहले की तुलना में शांत हैं और आने वाले दिनों में सामान्य जनजीवन बहाल होने की उम्मीद है। दरअसल, नेपाल में हाल ही में हुए बड़े पैमाने पर जेन-जी विरोध-प्रदर्शनों ने पूरे देश में हाहाकार मचा दिया था। प्रदर्शन की शुरुआत सरकार द्वारा कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर बैन लगाने से हुई थी, लेकिन यह आंदोलन भ्रष्टाचार, राजनीतिक भाई-भतीजावाद, आर्थिक असमानता और युवाओं में बेरोजगारी को लेकर बड़ी लहर में बदल गया। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म डिस्कॉर्ड जैसे माध्यमों ने इस नेतृत्वविहीन आंदोलन को संगठित करने में अहम भूमिका निभाई। देखते-ही-देखते हजारों युवा सड़कों पर उतर आए। आंदोलन हिंसक झड़पों में बदल गया, जिसमें कई लोगों की जान भी गई और सरकारी भवनों, राजनीतिक दलों के दफ्तरों समेत बड़े पैमाने पर संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया। देशभर में बढ़ते जन दबाव और हिंसा की घटनाओं के बीच पीएम केपी शर्मा ओली को इस्तीफा देना पड़ा। इसके बाद नेपाल की राजनीति में अहम बदलाव हुए और पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को अंतरिम सरकार का प्रमुख बनाया गया। सरकार बदलने और नई व्यवस्था बनने के बाद अब भारत-नेपाल सीमा पर हालात स्थिर होते नजर आ रहे हैं।

ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड देगी अपने शेयरधारकों को डिविडेंड

मुंबई । ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड ने अपने शेयरधारकों को गुड न्यूज दी है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 2.50 रुपये प्रति शेयर का फाइनल डिविडेंड देने की घोषणा की है। यह डिविडेंड 1 रुपये के फेस वैल्यू पर 250 फीसदी का भुगतान है। अगर किसी निवेशक के पास कंपनी के 1,000 शेयर हैं, तब उस निवेशक को 2,500 रुपये का डिविडेंड मिलेगा। कंपनी ने 29 अगस्त को इसकी जानकारी दी। कंपनी ने बताया कि डिविडेंड का भुगतान उन शेयरधारकों को होगा, जिनके नाम 15 सितंबर 2025 (सोमवार) को कारोबार खत्म होने तक रजिस्टर ऑफ मेंबर्स या बेनिफिशियल ओनर्स की लिस्ट में शामिल है। यह तारीख रिकॉर्ड डेट के रूप में तय की गई है। ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स ने बीते पांच सालों में लगातार 2.50 रुपये प्रति शेयर का फाइनल डिविडेंड दिया है। पिछले साल 2024 में डिविडेंड की एक्स-डेट 13 सितंबर थी, और बुक क्लोजर 17 सितंबर से 27 सितंबर तक रहा। साल 2023 में एक्स-डेट 18 सितंबर थी, और बुक क्लोजर 19 सितंबर से 29 सितंबर तक था। 2022 में एक्स-डेट 12 सितंबर और बुक क्लोजर 14 से 27 सितंबर तक रहा।

जीएसटी में हुए बदलाव को भुनाने की तैयारी में बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियों.....22 सितंबर से शुरु हो रही सेल

मुंबई । फ्लिपकार्ट और अमेजन सहित तमाम बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियों ने त्यौहारों का दौर शुरू होने से पहले बदली वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था का फायदा उठाने की तैयारी पूरी कर ली है। दरें बदलने से साल 2025 के त्यौहारी बिक्री 27 फीसदी बढ़कर 1.20 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। ई-कॉमर्स कंपनियों को त्यौहारों में जमकर खरीदारी होने की उम्मीद है। इसीलिए उन्होंने अपने प्लेटफॉर्म अपडेट कर लिए हैं और हजारों विक्रेताओं को 22 सितंबर से लागू होने वाले नए कर कोड के बारे में प्रशिक्षित किया है। एक प्रमुख ई-कॉमर्स कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'बैकएंड सॉल्यूशन तैयार करने, विक्रेताओं को बदले जीएसटी कोड की जानकारी देने और नई कर व्यवस्था के हिसाब से ढलने में प्रौद्योगिकी ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हमारे विक्रेताओं के लिए नियमों का पालन करना और सुगमता के साथ कारोबार करना बहुत आसान हो गया है। त्यौहारी सीजन नजदीक आने के कारण हमें जबरदस्त मांग और खपत में तेज इजाफे की उम्मीद है।' जीएसटी व्यवस्था में आए बदलाव से त्यौहारों में बिक्री और तेज होने की उम्मीद है क्योंकि जब खरीदारी चरम पर होगी, तब कर में बचत का फायदा उपभोक्ताओं को दिया जाएगा। इससे बिक्री में 15-20 फीसदी इजाफा अलग से होने की संभावना है। नई जीएसटी व्यवस्था में कई दरें हटाकर केवल 5 और 18 फीसदी दरों के स्लैब लागू हैं। उद्योग के अधिकारियों ने कहा कि जीएसटी दर में जो अंतर आया है, उससे खरीदार कुल मिलाकर 10 फीसदी तक बचत कर सकते हैं। त्यौहारी बिक्री के दौरान यह आंकड़ा करीब 1 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। टीवी, एसी और घरेलू उपकरण जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण एवं कंज्यूमर ड्यूरेबल्स पर खास तौर पर बचत होगी। करों में सुधार बहुत अहम समय पर किया गया है और त्यौहारों से ठीक पहले इसके लागू होने से ई-कॉमर्स कंपनियों की बिक्री की रफ्तार काफी बढ़ सकती है। कुछ ई-कॉमर्स कंपनियों ने 22 सितंबर से पहले ही सेल शुरू कर दी हैं ताकि मौजूदा माल को खपाया जा सके।

होंडा इलेवेट पर 1.80 लाख रुपये तक का मिल रहा फायदा

नई दिल्ली ।

होंडा कार्स इंडिया की मिड-साइज एसयूवी इलेवेट पर डिस्काउंट के चलते 1.80 लाख रुपये तक का फायदा मिल रहा है। इसमें टैक्स में कटौती से 58,400 रुपये और कंपनी ऑफर से 1.22 लाख रुपये का अतिरिक्त लाभ शामिल है। होंडा इलेवेट की एक्स-शोरूम कीमत 11.91 लाख रुपये से शुरू होती है। इस एसयूवी का मुकाबला मारुति ग्रांड विटारा, हयूदै क्रेटा और किआ सेलटॉस से है। इलेवेट में 1.5-लीटर वीटेक पेट्रोल इंजन है, जो 121पीएस पावर और 145एनएम टॉर्क जनरेट करता है। इसे 6-स्पीड मैनुअल और सीवीटी ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के साथ पेश किया गया है। नए जीएसटी 2.0 के तहत छोटी पेट्रोल, सीएनजी और डीजल कारों पर टैक्स घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। वहीं, लग्जरी और एसयूवी कारों पर टैक्स पहले 50प्रतिशत था, जिसे घटाकर 40प्रतिशत कर दिया गया है। इसका फायदा होंडा इलेवेट जैसी मिड-साइज एसयूवीएस के खरीदारों को सीधे तौर पर मिलेगा। एसयूवी में 360 डिग्री कैमरा, अडास फीचर्स, 6 एयरबैग, वायरलेस चार्जिंग, 10.25-इंच इंफोटेनमेंट सिस्टम और होंडा सेनसिंग स्यूट जैसी आधुनिक टेक्नोलॉजी दी गई है। इसके टॉप ज़ेडएक्स वेरिएंट में प्रीमियम लेदर अपहोल्स्ट्री और सनरूफ जैसी सुविधाएं भी मिलती हैं।

इस सप्ताह 5 कंपनियों के आईपीओ खुलेंगे, निवेशकों को दांव लगाने का मिलेगा मौका

नई दिल्ली।

प्राइमरी मार्केट में इस हफ्ते पाच कंपनियों के आईपीओ ओपन हो रहे हैं। इसमें तीन कंपनियों के आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। वहीं दो कंपनियों के आईपीओ मेनबोर्ड के हैं। टेक डिफेंस लैब आईपीओ का साइज 38.99 करोड़ रुपए है। यह आईपीओ सोमवार को खुल रहा है। निवेशकों के पास 17 सितंबर तक दांव लगाने का मौका है। टेक डिफेंस लैब आईपीओ का प्राइस बैंड 183 रुपए से 190 रुपए प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने 600 शेयरों का एक लॉट बनाया है। किसी भी रिटेल निवेशक को कम से कम दो लॉट पर एक साथ दांव लगाने होंगे। टेकडी साइबरसिक्योरिटी लिमिटेड एनएसई का आईपीओ ग्रे मार्केट में कंपनी में 160 रुपए के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। जो कि निवेशकों के नजरिए से अच्छा है।

सम्पत एल्युमिनियम आईपीओ 17 सितंबर से 19 सितंबर तक खुला रहेगा। कंपनी ने आईपीओ के लिए 114 रुपए से 120 रुपए प्रति शेयर प्राइस बैंड तय किया है। सम्पत एल्युमिनियम आईपीओ का लॉट साइज 1200 शेयरों का है, लेकिन एक रिटेल निवेशक को कम से कम 2,88,000 रुपए का इंवेस्टमेंट करना होगा। इस एसएमई सेगमेंट के आईपीओ का जीएमपी 18 रुपए है।

जेडी केबल्स आईपीओ 18 सितंबर को खुलेगा। निवेशकों के पास 22 सितंबर तक दांव लगाने का मौका है। एसएमई सेगमेंट के आईपीओ का लॉट साइज 800 शेयरों का है। एक रिटेल निवेशक को कम से कम 1600 शेयरों पर दांव लगाना होगा। बता दें इस आईपीओ का जीएमपी आज 25 रुपए प्रति शेयर है।

यूरो प्रतीक सेल्स आईपीओ यह एक मेनबोर्ड आईपीओ है। कंपनी के आईपीओ का साइज 451.31 करोड़ रुपए का है। यूरो प्रतीक सेल्स आईपीओ रिटेल निवेशकों के लिए 16 सितंबर को खोला जाएगा। निवेशकों के पास 18 सितंबर तक दांव लगाने का मौका होगा। मेनबोर्ड आईपीओ का प्राइस बैंड 235 रुपए से 247 रुपए प्रति शेयर है। आईपीओ का लॉट साइज 60 शेयरों का है, जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14,820 रुपए का दांव लगाना होगा। वीएमएस टीएमटी आईपीओ यह भी एक मेनबोर्ड आईपीओ है। कंपनी का आईपीओ 17 सितंबर को ओपन होगा। निवेशकों के पास 19 सितंबर तक का मौका होगा। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 94 रुपए से 99 रुपए प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने 150 शेयरों का एक लॉट बनाया है, जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14850 रुपए का दांव लगाना होगा। इस आईपीओ का जीएमपी 18 रुपए प्रति शेयर है।

अडाणी पावर बिहार में लगाएगी नया बिजली संयंत्र, 3 अरब डॉलर का करेगी निवेश

यह संयंत्र भगलपुर के पिरपैंती में बनेगा, 2400 मेगावाट का होगा संयंत्र

पटना।

अडाणी पावर ने बिहार में एक नया बिजली संयंत्र लगाने की घोषणा की है। यह संयंत्र 2400 मेगावाट का होगा और इसमें करीब 26,482 करोड़ रुपए यानी 3 अरब डॉलर का निवेश किया जाएगा। यह संयंत्र भगलपुर जिले के पिरपैंती में बनेगा। कंपनी ने बिहार स्टेट पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड (बीएसपीजीसीएल) के साथ 25 साल के लिए बिजली आपूर्ति का समझौता किया है।

अडाणी पावर को यह प्रोजेक्ट अगस्त में मिला था। कंपनी ने नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड और साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के लिए सबसे कम 6.075 रुपए प्रति यूनिट की दर पर बिजली देने का वादा किया। इस संयंत्र में तीन यूनिट होंगी, और प्रत्येक यूनिट 800 मेगावाट की होगी। इसे डिजाइन, बिल्ड, फाइनेंस, ओन और ऑपरेट मॉडल के तहत बनाया जाएगा। कंपनी का लक्ष्य 60 महीनों में इस संयंत्र को शुरू करने का है।

इस संयंत्र के लिए कोयले की आपूर्ति भारत सरकार की शक्ति नीति के तहत की जाएगी। निर्माण के दौरान 10,000 से 12,000 लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रुप से रोजगार दिया जाएगा। संयंत्र शुरू होने के बाद करीब 3,000 लोगों को नियमित नौकरी मिलेगी। अडाणी पावर जो गौतम अडाणी के नेतृत्व वाले अडाणी ग्रुप का हिस्सा है, भारत की सबसे बड़ी प्राइवेट

थर्मल पावर कंपनी है। इसकी कुल स्थापित थर्मल पावर क्षमता 18,110 मेगावाट है। बीते शुक्रवार को कंपनी के शेयर 3.88 फीसदी की गिरावट के साथ 648.65 रुपए पर बंद हुआ था। कंपनी का मार्केट कैप 2,50,180.34 करोड़ रुपए है। कंपनी के शेयरों ने दो साल, तीन साल और पांच साल में क्रमशः 67.98 फीसदी, 63.10 और 1634.36 फीसदी का रिटर्न दिया है।

अगस्त में मारुति सुजुकी इर्टिगा ने बाजी मारी

नई दिल्ली।

अगस्त 2025 में भारतीय बाजार में कार बिक्री के आंकड़े जारी हुए हैं। अगस्त महीने में बिक्री के मामले में मारुति सुजुकी इर्टिगा ने बाजी मारी। एमपीवी सेगमेंट की इस कार ने 18,365 यूनिट्स की बिक्री के साथ देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार बनकर सबको पीछे छोड़ दिया। दूसरे नंबर पर मारुति सुजुकी डिजायर रही, जिसकी बिक्री 55 प्रतिशत बढ़कर 16,509 यूनिट्स रही। तीसरे पर हयूदै क्रेटा रही, हालांकि इसकी बिक्री 5 प्रतिशत घटकर 15,924 यूनिट्स रही। चौथे पर वेगनआर रही, जिसकी बिक्री 14,552 यूनिट्स रही। टॉप-5 में टाटा नेक्सान भी शामिल रही, जिसने 14,004 यूनिट्स बेचीं। वहीं, मारुति ब्रेझा की बिक्री 29 प्रतिशत गिरकर 13,620 यूनिट्स रही। इसके अलावा बलेनो (12,549 यूनिट्स), फ्रोंक्स (12,422 यूनिट्स) और स्वीफट (12,385 यूनिट्स) ने टॉप-10 में जगह बनाई। दसवें नंबर पर मारुति इको रही, जिसकी बिक्री 10,785 यूनिट्स रही। महिंद्रा स्कार्पियो 9,840 यूनिट्स के साथ 12वें स्थान पर रही, जबकि टोयोटा इनोवा 9,304 यूनिट्स के साथ 13वें स्थान पर। किआ सोनेट, महिंद्रा बोलेरो और हयूदै वेन्यू ने भी अच्छी बिक्री दर्ज की। 25वें नंबर पर टोयोटा ग्लांझा रही, जिसकी 5,102 यूनिट्स बिकीं।

पॉपुलर सेडान विरटस की कीमतों आएगी कमी

नई दिल्ली । अपनी पॉपुलर सेडान विरटस पर नए जीएसटी नियम लागू होने के बाद फॉक्सवैगन इंडिया ने बड़ी राहत की घोषणा की है। फॉक्सवैगन इंडिया ने बताया कि 22 सितंबर से कार की कीमत पर टैक्स में 66,900 रुपये तक की कमी आएगी। इसका मतलब है कि अब यह लग्जरी सेडान और भी किफायती दाम पर मिलेगी। विरटस की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 10.54 लाख रुपये है। फॉक्सवैगन विरटस दो इंजन विकल्पों में आती है 1.0 एल टीएसआई (999सीसी, 3 सिलेंडर) और 1.5एल टीएसआई ईवो (1498सीसी, 4 सिलेंडर)। इसमें 6-स्पीड मैनुअल, 6-स्पीड ऑटोमैटिक और 7-स्पीड डीएसजी ट्रांसमिशन का विकल्प दिया गया है। फीचर्स की बात करें तो कार में 10.1-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस एंड्रॉयड ऑटो और एपल कारप्ले, वायरलेस चार्जिंग, वेंटिलेटेड लेदर सीट्स, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल और क्रूज कंट्रोल जैसे फीचर्स मिलते हैं। सेफ्टी के लिए इसमें 6 एयरबैग्स, ईएससी, एलईडी हेडलैंप्स और रिवर्स कैमरा दिया गया है। नए जीएसटी 2.0 में छोटी और लग्जरी कारों पर टैक्स दरों में बदलाव हुआ है। पहले जहां लग्जरी कारों पर 50प्रतिशत टैक्स देना पड़ता था, वहीं अब इसे घटाकर 40 प्रतिशत कर दिया गया है। इससे ग्राहकों को खरीदारी में सीधा फायदा मिलेगा। विरटस को जीटी लाइन, हाईलाइन, टॉपलाइन, स्पोर्ट और क्रोम वैरिएंट में खरीदा जा सकता है। यह 6 एक्सटीरियर कलर ऑप्शंस में उपलब्ध है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एशिया कप में आज होगा यूएई और ओमान का मुकाबला

दुबई (एजेंसी)। एशिया कप में सोमवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की टीम का सामना ग्रुप ए मुकाबले में ओमान से होगा। इस मैच में यूएई की टीम का पलड़ा भारी है क्योंकि उसके अपने घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। वहीं ओमान की टीम पहली बार इस टूर्नामेंट में उतरेगी। दोनों ही टीमों अपने-अपने शुरुआती मुकाबले हारी हैं। ऐसे में अब इनका लक्ष्य इस मैच को जीतकर अपना खाता खोलना रहेगा। यूएई की टीम का प्रदर्शन अपने पहले मैच में अच्छा नहीं रहा और उसे भारतीय गेंदबाजों ने 57 रनों पर ही समेट दिया था। इसी प्रकार ओमान की टीम भी . पाकिस्तान के खिलाफ 161 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए केवल 67 रन ही बना पायी थी। .

यूएई के मुख्य कोच लालचंद राजपूत को उम्मीद है कि उनकी टीम ओमान के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करेगी। . उन्होंने कहा कि टीम को जीत दिलाने कप्तान मुहम्मद वसीम, अलीशान शराफू, राहुल चोपड़ा और आसिफ खान जैसे बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। इसके अलावा गेंदबाजों को भी प्रभावी प्रदर्शन करना होगा।

ओमान के शाह फैसल और आमिर कलीम ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच में अच्छी गेंदबाजी कर तीन-तीन विकेट लिए थे। टीम के खिलाड़ियों के पास ये अपने को साबित करने का बड़ा अवसर है। टीम के बेहतर प्रदर्शन की जिम्मेदरी भारतीय मूल के कप्तान जतिंदर सिंह पर रहेगी।

यूएई और ओमान दोनों ही एसोसिएट टीमें होने के कारण बराबर की टक्कर होगी। इसमें मेजबान यूएई के पास घरेलू हालातों से लाभ उठाने का अवसर है। वहीं ओमान की टीम अपनी फिटनेस और फील्डिंग के बल पर मुकाबले में हावी होना चाहेगी। दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं -

यूएई: मुहम्मद वसीम (कप्तान), अलीशान शराफू, अर्यांश शर्मा, आसिफ खान, ध्रुव पराशर, एथन डिसूजा, हैदर अली, हर्षित कौशिक, जुनैद सिद्दीकी, मतीउल्लाह खान, मुहम्मद फारूक, मुहम्मद जवादुल्लाह, मुहम्मद जोहैब, राहुल चोपड़ा, रोहिद खान, सिमरनजीत सिंह, सगीर खान.

ओमान: जतिंदर सिंह (कप्तान), आशीष ओडेदरा, आमिर कलीम, करण सोनावले, हसनैन शाह, मोहम्मद नदीम, विनायक शुक्ला, हम्माद मिर्जा, सुफियान महमूद, आर्यन बिष्ट, शकील अहमद, समय श्रीवास्तव, मोहम्मद इमरान.

श्रेयस की कप्तानी में 16 सितंबर से ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ मुकाबले में उतरेगी भारत ए टीम

लखनऊ (एजेंसी)। यहां के इकाना स्टेडियम में भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए टीमों के बीच इसी माह में दो चार दिवसीय क्रिकेट मुकाबले खेले जाएंगे। इसका पहला मुकाबला 16 सितंबर से शुरु होगा। इन मुकाबलों के लिए इकाना स्टेडियम तैयार है। इन मैचों में भारत ए की कप्तानी श्रेयस अय्यर के पास रहेगी। इन मैचों में शामिल खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर भारतीय टीम में जगह बनाने की दावेदारी पेश करेंगे। इसमें श्रेयस के अलावा मोहम्मद सिराज और के एल राहुल जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं।

भारत की ए टीम में अनुभवी और युवा खिलाड़ी शामिल हैं। दोनो ही टीमों में शामिल कई खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम में रहे हैं, जिससे इस सीरीज में शीर्ष स्तर का क्रिकेट देखने को मिलेगा। ऐसे में ये सीरीज क्रिकेट प्रशंसकों के लिए एक शानदार अनुभव होगी

यह सीरीज न केवल खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका है, बल्कि राष्ट्रीय चयनकर्ताओं के लिए भी एक अवसर है कि वे भविष्य की भारतीय टीम के लिए नए सितारों की खोज कर सकें। श्रेयस अय्यर के लिए यह मुकाबले राष्ट्रीय टीम में वापसी की राह बना सकते हैं पर इसके लिए उन्हें बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

भारत ए टीम

इस टीम के ऐलान के बाद ये भी रेखांकित किया गया है कि केएल राहुल और मोहम्मद सिराज को दूसरे बहु-दिवसीय मैच के लिए टीम में शामिल किया जाएगा और वे पहले बहु-दिवसीय मैच के बाद टीम में शामिल दो खिलाड़ियों की जगह लेंगे.

ऑस्ट्रेलिया ए टीम

जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनोली, जैक एडवर्ड्स, आरोन हार्डी, कैंपबेल केलावे, सैम कोंस्टास, नाथन मैकस्वीनी, टॉड मर्फी, फर्गस ओनील, ओलिवर पीक, जोश फिलिप, कोरी रोचिचियोली, लियाम स्कॉट

इस कारण एशिया कप के लिए दुबई नहीं गये हैं बीसीसीआई अधिकारी

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अधिकारारियों ने एशिया कप से दूरी बनायी हुई है। हालांकि बीसीसीआई ही इसकी इस बार मांग नहीं रही। माना जा रहा है कि बीसीसीआई अधिकारी दुबई जाकर जानता को ठेस नहीं पहुंचना चाहते हैं। पहले जहां इस मैच के लिए रोमांच रहता था पर अब ऐसा नहीं है, उसके पूरे टिकट तक नहीं बिके हैं। इसके अलावा मैच को टीवी या ऑनलाइन नहीं देखते की भी अपील हो रही है।

प्रशंसकों ने पहलगाम हमले में पाक के शामिल होने के कारण इस मैच के बहिष्कार की अपील की है। सोशल मीडिया पर भी यह ट्रेंड छाया हुआ है कि जब तक पाक की ओर से सीमा पर आतंकवाद को बढ़ावा दिया जा रहा है। तब तक उसके साथ खेलने का मतलब नहीं है। इसी दबाव को देखते हुए सचिव देवजीत सैकिया और अन्य अधिकारी दुबई नहीं गये हैं। वहीं माना जा रहा है कि केवल राजीव शुक्ला ही एसीसी प्रतिनिधि के तौर पर वहां मौजूद रहेंगे। ये भी बीसीसीआई का प्रतिनिधित्व नहीं माना जाएगा। इससे ये साफ है कि बोर्ड जनभावनाओं के खिलाफ कोई भी कदम नहीं उठाना चाहता है।

मेजबानी कर रहा है। आम तौर पर मेजबान बोर्ड के बड़े अधिकारी कहीं भी टूर्नामेंट खेला जा रहा हो उसमें उपस्थित रहते हैं। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण ही ये टूर्नामेंट यूएई में रखा है। इसके बाद भी बीसीसीआई अधिकारी वहां जाने से बच रहे हैं। इसका कारण देश भर में पाकिस्तान से खेलने का विरोध माना जा रहा है भारत में सोशल मीडिया पर इस मैच के बॉयकॉट की बातें चल रही हैं, इसके टिकटों की भी

हांगकांग पर बड़ी जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी श्रीलंका

दुबई (एजेंसी)। श्रीलंका की टीम सोमवार को यहां एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में हांगकांग के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी। श्रीलंका ने पहले ही मैच मे बांग्लादेश को हराया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं।

वहीं हांगकांग की टीम को अब तक हुए दोनो ही मैचों में हार का सामना करना पड़ा है हालांकि उसकी टीम का प्रदर्शन ठीक कहा जा सकता है। उस कठिन टीमों का सामना करना पड़ा है। अब उसके बल्लेबाजों को नुवान तुषारा और दुष्मंथा चमीरा जैसे तेज गेंदबाजों और रहस्यमयी स्पिनर वानिन्दु हसरंगा का मुकाबला करना होगा। डेथ ओवरों के विशेषज्ञ मथीशा पथिराना पहले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे और अब वह इस मैच में लय हासिल करना चाहेंगे। वहीं बल्लेबाजी की जिम्मेदारी पथुम निसांका, कुसल मेंडिस

और कामिल पर रहेंगी। वहीं हांगकांग में कुछ एक ही बल्लेबाज अच्छे हैं। उसके बल्लेबाज यासिम मुर्तज, जीशान अली और अंशुमान रथ किसी प्रकार श्रीलंकाई आक्रमण का सामना करते हैं ये देखना होगा।

बांग्लादेश से हार के बाद मुर्तज़ा ने कहा था कि हमें अच्छी बल्लेबाज करनी चाहिये थी जिसमें हम असफल रहे। ऐसे में अब वह श्रीलंका के खिलाफ बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। वहीं सलामी बल्लेबाज जीशान और अंशुमान पर पावरप्ले में अधिक से अधिक रन बटोरने की जिम्मेदारी रहेगी। कुल मिलाकर देखा जाये तो हांगकांग की राह बेहद कठिन है क्योंकि श्रीलंकाई टीम उससे हर मामले में काफी आगे है। ऐसे में अधिक अनुभवी इस टीम के खिलाफ उसके खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ करना चाहेंगे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

श्रीलंका: चरिथ असलांका (कप्तान), पथुम निसांका, कुसल मेंडिस, कुसल परेरा, नुवानीदु फर्नांडो, कामिंडु मेंडिस, कामिल मिशारा, दासुन शनाका, वानिन्दु हसरंगा, डुनिथ वेललागे, चमिका करुणारत्ने, महीश थीक्षाना, दुशमंथा चमीरा, बिनुरा फर्नांडो, नुवान तुषारा, मथीशा पथिराना.

हांगकांग: यासिम मुर्तजा (कप्तान), बाबर हयात, जीशान अली, निजाकत खान, नसरुल्ला राणा, मार्टिन कोएट्जी, अंशुमन रथ, कल्हण चल्लू, आयुष शुक्ला, ऐजाज खान, अतीक इकबाल, किंचित शाह, आदिल महमूद, हारून अरशद, अली हसन, शाहिद वासिफ, मोहम्मद गजनफर, मोहम्मद वहीद, अनस खान, एहसान खान.

पाक के पूर्व क्रिकेटर उमर गुल ने भारतीय बोर्ड की रोटेशन प्रणाली को सराहा

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर उमर गुल ने कहा है कि जिस प्रकार भारतीय बोर्ड अपने खिलाड़ियों की देखभाल कर रहा है। उसकी जितनी प्रशंसा की जाये वह कम है। गुल ने कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने तेज गेदबाज जसप्रीत बुमराह के मामले में कार्यभार प्रबंधन काफी अच्छे तरीके से किया है। वहीं कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट को भी इससे सीख लेनी चाहिये। उसे भी भारतीय बोर्ड की तरह ही रोटेशन नीति अपनानी चाहिये। पाकिस्तान के इस पूर्व तेज गेंदबाज कहा कि भारतीय बोर्ड ने रोटेशन नीति से बुमराह के करियर की क्षमता को अधिकतम स्तर तक लाने के प्रयास किये हैं। इसी कारण चोट के बाद वापसी के बाद भी बुमराह पहले की तरह ही तेज गेंदबाजी कर रहे हैं। वहीं गुल ने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट में स्थापित खिलाड़ियों में भी जगह को लेकर असुरक्षा की भावना है, जिसके कारण वे पूरी तरह से फिट नहीं होने पर भी मैच खेलते हैं। उन्होंने कहा, हमारी व्यवस्था में समस्या ये है कि जब हम खेलते थे, तो कोई भी सीनियर खिलाड़ी अपनी फिटनेस बताने में डरता था। अगर वह 70-80 फीसदी भी फिट होता तो वह कहता मैं खेलना चाहता हूं। ऐसा इसलिए भी क्योंकि अगर कोई दूसरा खिलाड़ी आता है और अच्छा प्रदर्शन करता है तो उसकी जगह चली जाती क्योंकि रोटेशन नीति हमारी बोर्ड की संस्कृति में नहीं है। हम केवल उस समय का प्रदर्शन देखते हैं।

अब भारतीय हॉकी टीम को विश्वकप में जीत दिलाना चाहते हैं अभिषेक

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष हॉकी टीम के फॉरवर्ड अभिषेक नैन ने हाल ही में एशिया कप हॉकी में शानदार प्रदर्शन कर भारतीय टीम की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने अगले साल नीदरलैंड तथा बेल्जियम में होने वाले विश्व कप के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। अब अभिषेक का कहना कि वह टीम को विश्व कप में जीत दिलाना चाहते हैं। उनका कहना है कि इस टीम में जीत दर्ज करने की पूरी क्षमताएं हैं। उन्होंने कहा, 'हमने 50 साल से विश्व कप नहीं जीता और मुझे लगता है कि यह टीम जीत सकती है क्योंकि हम शीर्ष टीमों को हरा चुके हैं। हमें बस निरंतरता पर काम करना होगा क्योंकि किसी मैच में तो हम बहुत अच्छा खेलते हैं तो किसी में खराब भी हो जाता है। उन्होंने कहा, 'हमें डीप डिफेंस और सर्कल के भीतर फिनिशिंग पर थोड़ा और काम करना होगा। अपने खेल की बात करूं तो मुझे अपने बेसिक्स को बेहतर करना होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय हॉकी के स्वर्णिम दौर को लौटाने के लिये इस टीम को जीत की आदत डालनी होगी। उन्होंने कहा, 'मैं चाहता हूं कि 1975 से पहले वाला हमारा स्वर्णिम दौर वापिस लौटे जब हमने ओलंपिक में इतने पदक जीते। मैं चाहता हूं कि हर बड़े टूर्नामेंट में हम देश के लिए पदक जीते। पदक जीतने की हमें आदत पड़ जानी चाहिए। हम उस दिशा में आगे बढ रहे हैं। दो ओलंपिक में कांस्य जीत चुके हैं लेकिन अब हमें पदक का रंग बदलना होगा। उन्होंने कहा, 'अब हमे विश्व कप की तैयारी के लिए लंबा समय मिल गया है। अपनी बात करूं तो मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ गया है जो आगामी टूर्नामेंटों और विश्व कप में काफी काम आएगा। अभिषेक ने कहा कि उन्हें बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा पुर्तगाल के महान फुटबॉलर रोनाल्डो से मिली है।

धोती-कुर्ते वाले लुक में नजर आये गांगुली

कोलकाता । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली एक नये लुक में नजर आये हैं। प्रिंस ऑफ कोलकाता के नाम से लोकप्रिय गांगुली अपने नाम के अनुसार शाही अंदाज वाले एथनिक लुक में नजर आने आये हैं, जिसके बाद से ही प्रशंसकों ने उनके लुक को सराहा है। इस ट्रेंडिंग फोटोशूट में गांगुली अपने बोर्डरूम ब्लेजर की जगह ही बारीक डिजाइन वाले धोती-कुर्ते पहने दिखे। इससे वह शोस्टॉपर नजर आ रहे थे। इससे सोशल मीडिया पर उनकी जमकर प्रशंसा की गयी है। एक प्रशंसक ने खुशी से कहा, गांगुली मैच और दिल दोनों ही बराबर जीत सकते हैं, जबकि दूसरे ने उन्हें बेहतरीन स्टाइल दादा बताया। वहीं एक बड़ा सवाल यह है कि क्या हो रहा है? त्योहारों का मौसम नजदीक आ रहा है, ऐसे में कई लोग अनुमान लगा रहे हैं कि यह शूट किसी ब्रांड अभियान का हिस्सा हो सकता है। एक बात तो तय है कि गांगुली अपने को नए अंदाज में दिखाना पसंद करते हैं। लॉर्ड्स में अपनी जर्सी लहराने से लेकर धोती पहनकर देसी अंदाज में दादा ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह फैशन से बाहर नहीं हो सकते। गौरतलब है कि गांगुली को भारत के सबसे प्रभावशाली क्रिकेट कप्तानों में से एक माना जाता है। साल 2000 से 2005 के बीच उनकी कप्तानी में भारतीय टीम एक नये रुप में नजर आयी। उनकी कप्तानी में टीम आक्रामक होकर उभरी। भारतीय टीम साल 2003 के आईसीसी विश्व कप के फाइनल में पहुंची और उसने विदेशों में बेहतरीन टेस्ट जीत हासिल की। साल 2008 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद गांगुली पहले बंगाल और उसके बाद क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष बने। इसके अलावा भी उन्होंने कई अहम जिम्मेदारियां निभाईं।

सात्विक-चिराग और लक्ष्य हांगकांग ओपन के फाइनल में हारे

हांगकांग (एजेंसी)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी तथा लक्ष्य सेन आज हांगकांग ओपन के फाइनल में हार गए और उन्हें उपविजेता रहकर संतोष करना पड़ा। भारतीय जोड़ी फाइनल में जीत के करीब पहुंच गयी थी, लेकिन यहां पुरुष युगल के खिताबी मुकाबले में चीन के लियांग वेइकेंग और वांग चांग से 62 मिनट में 21-19, 14-21, 17-21 से हार गए।

पुरुष एकल में भारत का खिताब का सपना टूट गया। लक्ष्य सेन को पुरुष एकल फाइनल में दूसरे वरीय चीन के ली शि फेंग से 21-15, 21-12 से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इस परिणाम के साथ, भारत ने दो रजत पदक के साथ टूर्नामेंट का समापन किया। शुरुआत से ही, भारतीय जोड़ी में एक उद्देश्यपूर्ण भावना थी। उन्होंने स्पष्ट सर्विस और रिटर्न किया, समझदारी से रैलियां बनाईं और गेम पॉइंट पर एक शांत हॉकआई चैलेंज की मदद से पहला गेम 21-19 से अपने नाम कर लिया।

यह इस बात का संकेत था कि उन्होंने

अपनी ताकत और स्थिर निर्णय को कितनी अच्छी तरह से संयोजित करना सीख लिया है। हालाँकि, चीनी जोड़ी ने दूसरे गेम में अपनी लय हासिल कर ली। लियांग के तीखे स्मैश और वांग के तेज इंटरसेप्शन ने भारतीयों को बार-बार बचाव करने पर मजबूर कर दिया। 21-14 का स्कोरलाइन न केवल दूसरी टीम के दबाव को दर्शाता है, बल्कि सात्विक-चिराग की लंबाई और रोटेशन की गुणवत्ता में भी थोड़ी गिरावट दर्शाता है। जैसा कि अक्सर उच्चतम स्तर पर होता है, निर्णायक गेम शुरुआती कुछ आदान-प्रदानों पर निर्भर था।

लियांग और वांग ने शुरुआत में ही हमला बोला और भारतीयों के संभलने से पहले ही स्कोर 6-0 कर दिया। हालांकि सात्विक और चिराग ने बीच में ही अपनी लय पकड़नी शुरू कर दी और साहसिक खेल और तेज पूर्वानुमान के साथ 10-18 से 17-20 पर पहुंच गए, लेकिन अंतर बहुत ज्यादा साबित हुआ। तीसरे मैच पॉइंट पर लियांग के क्लीन विनर ने एक घंटे से ज्यादा चले मुकाबले को पक्का कर दिया।

भारतीय टीम तीसरे गेम को थोड़े अफसोस के साथ, लेकिन साथ ही उत्साह के साथ भी देखेगी। वे कभी भी किसी से कमतर नहीं रहे, बस कुछ जगहों पर उनसे आगे निकल गए। उनका आक्रामक इरादा, खासकर सात्विक के फ्लैट स्मैश और चिराग का नेट पर नियंत्रण, हर शीर्ष जोड़ी को परेशान करता रहा। उन्हें निर्णायक मुकाबलों में शुरुआती झटकों का सामना करने के लिए स्थिरता की जरूरत है, यह एक ऐसा सबक है जो हाल के महीनों में एक से ज्यादा बार सामने आया है। थाईलैंड में जीत के बाद से भले ही वे खिताबों से दूर रहे हों, लेकिन इस अभियान ने यह स्पष्ट कर दिया कि वे विश्व युगल में शीर्ष पर क्यों हैं। अब जबकि सीजन सुपर 750 और सुपर 1000 स्पर्धाओं की ओर बढ़ रहा है, उनकी शुरुआत में थोड़ी कसावट और अंत में एक अटूट ध्यान बहुत बड़ा अंतर ला सकता है। जोड़ी अभी भी अपने कौशल और धैर्य के बीच संतुलन को निखार रही है, उसके लिए हांगकांग सही दिशा में एक और कदम था - भले ही आखिरी कदम अभी उठाना बाकी हो।

नागल की जीत के साथ ही भारत ने डेविस कप में स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराया

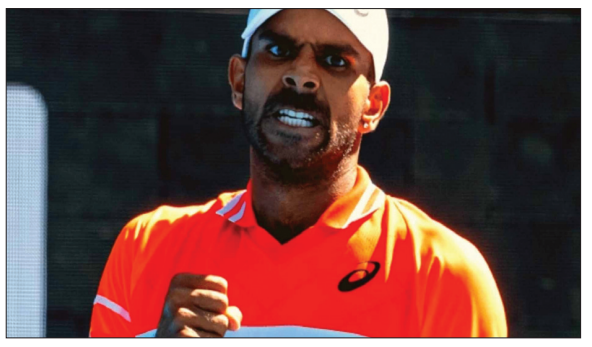

बिएल । भारतीय टीम के सुमिल नागल ने डेविस कप टेनिस के विश्व ग्रुप 1 के पहले दौर के मैच में स्विट्जरलैंड के हेनरी बर्नेट को एकल में 6-1, 6-3 से हरा दिया। इसी के साथ ही भारत को स्विस टीम पर 3-1 की जीत मिली है। भारतीय टीम अब विश्व ग्रुप के क्वालीफायर में पहुंच गयी है। वहीं स्विट्जरलैंड टीम ने भी विश्व ग्रुप 1 से प्ले-ऑफ में जगह बनायी है। भारतीय टीम ने इसी के साथ ही साल 2019 में डेविस कप प्रारूप में बदलाव के बाद से ही पहली बार विश्व ग्रुप 1 के अपने मुकाबलों में जीत दर्ज की है। भारतीय टीम की ओर से दक्षिणेश्वर सुरेश ने शुरुआती मैच में जेरोम किम को 7-6(5), 6-3 से हराकर अच्छी शुरुआत की। वहीं नागल ने दिन के दूसरे मैच में मार्क-एंड्रिया ह्यूस्लर को 8-3, 7-6(1) से हराकर शुरुआती एकल के बाद भारत को 2-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद मेजबान स्विस टीम ने पुरुष युगल मुकाबले में वापसी करते हुए जीत दर्ज की। जैकब पॉल और डोमिनिक स्ट्राइकर ने एन. श्रीराम बालाजी और ऋत्विक चौधरी बोलिपल्ली को संघर्षपूर्ण मुकाबले में हराया। एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए उन्होंने 6-7(3), 6-4, 7-5 से जीत हासिल की और इससे अब स्कोर 1-2 हो गया। भारतीय टेनिस खिलाड़ियों ने अच्छी शुरुआत की और टाई-ब्रेक के बाद पहला सेट अपने नाम किया। इसके बाद नागल ने एकल में बर्नेट को हराकर भारतीय टीम को जीत दिला दी।

भारतीय टीम अक्टूबर-नवंबर में वेस्टइंडीज और दक्षिण अफीका से टेस्ट सीरीज खेलेगी

मुम्बई(। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) 2027 चक्र को देखते हुए भारतीय टीम को अब अक्टूबर-नवंबर में वेस्टइंडीज और दक्षिण अफीका से होने वाली सीरीज में जीत दर्ज करनी होगी। ऐसे में टीम के लिए कुछ बातों को ध्यान में रखना जरुरी है। इसमें सबसे पहला तो ये है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह तरोताजा रहें। बुमराह वर्कलोड मैनेजमेंट के चलते इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के तीन ही मैच में हिस्सा ले पाए। बुमराह तीनों प्रारुपों में भारतीय टीम का अभिन्न अंक है। भारत को आगामी समय में एशिया कप और टी20 वर्ल्ड कप जैसे व्हॉइट बॉल टूर्नामेंट भी खेलने हैं। ऐसे में गिल-गंभीर बुमराह को टेस्ट क्रिकेट के लिए कैसे तरोताजा रखना है इस बात का ध्यान कप्तान और कोच को रखना होगा। इसके अलावा दूसरा ये है कि लिए नंबर तीन पर किये उतारा जाएगा। इस बात का भी ध्यान रखना होगा। इंग्लैंड दौरे पर साई सुदर्शन और करुण नायर को नंबर-3 पर खेलने का मौका मिला पर दोनो ही सफल नहीं रहे।

भारत की जैसमीन लम्बोरिया विश्व चैम्पियन बनी, नुपूर को रजत और पूजा को कांस्य

लिवरपूल (एजेंसी)। भारतीय मुक्केबाज जैसमीन लंबोरिया ने अपना नाम इतिहास में दर्ज करा लिया जब वह विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता पोलैंड की जूलिया जेरेमेटा को हराकर फीदरवेट वर्ग में चैम्पियन बन गई।

पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने वाली जैसमीन ने 57 किलोवर्ग के फाइनल में शनिवार को देर रात 4-1 (30-27, 29-28, 30-27, 28-29, 29-28) से जीत दर्ज की। नुपूर शेरोन (80 प्लस किलो) और पूजा रानी (80 किलो) को गैर ओलंपिक भारवर्ग में क्रमशः रजत और कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। इस जीत के साथ जैसमीन विश्व चैम्पियन बनने वाली भारत की नौवीं मुक्केबाज बन गई।

इससे पहले 6 बार की चैम्पियन एम सी मेरीकोम (2002, 2005, 2006, 2008, 2010 और 2018), दो बार की विजेता निकहत जरीन (2022 और 2023), सरिता देवी (2006), जेनी आरएल (2006), लेखा केसी (2006), नीतू गंघास (2023), लवलीना बोरगोहेन (2023) और स्वीटी बूरा (2023) यह खिताब जीत चुकी है।

तीसरी बार विश्व चैंपियनशिप में भाग ले रही 24 वर्षीय जैसमीन ने मुकाबले में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। शुरू में दोनों मुक्केबाज एक-दूसरे को परख रही थीं लेकिन रेफरी के उकसावे पर जेरेमेटा ने पहला वार किया। ओलंपिक फाइनल में लिन यू-टिंग से हारने वाली पोलैंड की यह मुक्केबाज तेज और सटीक थी और रक्षात्मक रणनीति का इस्तेमाल करते हुए तेजी से अंदर-बाहर हो रही थी। उन्होंने पहला राउंड 3-2 से जीत लिया। लेकिन दूसरे राउंड में भारतीय खिलाड़ी ने जोरदार वापसी की।

जैसमीन ने मुकाबले पर नियंत्रण बनाया तथा आक्रमण और रक्षण के बीच शानदार समन्वय स्थापित किया जिससे सभी जज उनके पक्ष में हो गए। जब अंतिम फैसला सुनाया गया, तो आमतौर पर शांत रहने वाली जैसमीन ने हल्की सी चीख मारी और फिर हाथ उठाकर अपनी निराश प्रतिद्वंद्वी को शालीनता से गले लगा लिया। पदक समारोह में, जब पूरे स्टेडियम में भारतीय राष्ट्रगान गूंज रहा था, तो उनकी आंखें चमक उठीं।

एक अन्य फाइनल में नुपुर को पोलैंड की तकनीकी रूप से कुशल अगाता काज्मार्स्का से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद उन्हें रजत पदक मिला। नूपुर अपने लंबे कद के बावजूद मुकाबले में खुद को हावी नहीं कर पाईं। उन्होंने शानदार शुरुआत की और मुक्कों की झड़ी लगा दी, लेकिन काज्मार्स्का ने लगातार आक्रामकता से जवाब दिया और ऐसे वार किए कि भारतीय खिलाड़ी निढाल हो गई। जैसे-जैसे मुकाबला आगे बढ़ा, नूपुर मुक्के मारने में हिचकिचाने लगीं, जबकि पोलैंड की खिलाड़ी लगातार आक्रमण करती रही।

निर्णायक क्षण अंतिम राउंड में आया जब अगाता ने एक ज़बरदस्त अपरकट लगाया जो मुकाबला 3-2 से उनके पक्ष में करने और उनके पहले विश्व ख़िताब को सुनिश्चित करने

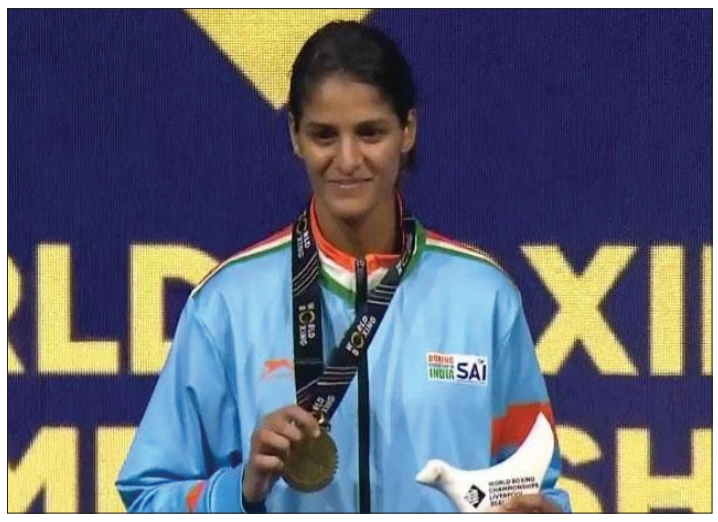

के लिए काफी था। इससे पहले सेमीफाइनल में पूजा को स्थानीय खिलाड़ी एमिली एस्क्रिथ के हाथों 1-4 के विभाजित फैसले से हारकर कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा था। पूजा ने राउंड के बाद अपने नपे-तुले खेल से बढ़त बना ली। लेकिन एस्क्रिथ ने तेजी से अपने खेल की रणनीति में बदलाव करते हुए 34 वर्षीय पूजा की लय को बेअसर कर दिया।

एएफसी महिला एशियाई कप आसान नहीं रहेगा : स्वीटी

जापान, वियतनाम और चीनी ताइपे से खेलना होगा

उदयपुर । भारतीय महिला फुटबॉल टीम की कप्तान स्वीटी देवी ने कहा है कि उनकी टीम का लक्ष्य अगले साल होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। स्वीटी के अनुसार एशियाई कप में मुकाबले आसान नहीं रहेंगे। उसे इसमें जापान, वियतनाम और चीनी ताइपे जैसी मजबूत टीमों के साथ ग्रुप सी में रखा गया है। ऐसे में टूर्नामेंट की अच्छी तैयारी के लिए उसे इससे पहले होने वाले दोस्ताना मैच में मेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। भारतीय टीम महिला एशियाई कप की शुरुआत में ग्रुप सी में 4 मार्च, 2026 को वियतनाम के खिलाफ शुरुआती मुकबाला खेलेगी। वहीं इसके बाद उसे 7 मार्च को जापान और 10 मार्च को चीनी ताइपे से खेलना होगाहोगा। स्वीटी ने कहा, यह टूर्नामेंट हमारे लिए आसान नहीं होगा पर हमारी पूरी तैयारी रहेगी। हम अगले साल मार्च तक कई मैत्री मैच खेलेंगे और उन मैचों में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। साथ ही कहा कि अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के किये जा रहे प्रयासों की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे महिला फुटबॉल का विकास होगा। इसी कड़ी में जिंक फुटबॉल अकादमी का प्रारंभ होना भी सकारात्मक कदम है। इस महीने क्वालिफायर में मेजबान थाईलैंड को 2-1 से हराकर स्वीटी की कप्तानी में भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने टूर्नामेंट के लिए एशियाई कप के क्वालिफाई किया था।

स्वीटी ने कहा, मैं बहुत खुशकिस्मत हूं कि मुझे भारतीय महिला फुटबॉल टीम की कप्तानी करने का अवसर मिला। मैं भारत के लिए अच्छा प्रदर्शन करती रहूंगी और अपने फीफा विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने के लिए प्रयास करुंगी। मुझे भरोसा है कि हमारी टीम में इस प्रकार की क्षमता है हालांकि इसके लिए हमें कठिन प्रयास करने होंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आश्विन कृष्णपक्ष की प्रतिपदा से अमावस्या तक पितरों का श्राद्ध करने की परंपरा है। पितृपक्ष अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने, उनका स्मरण करने और उनके प्रति श्रद्धा अभिव्यक्ति करने का महापर्व है। इस अवधि में पितृगण अपने परिजनों के समीप विविध रूपों में मंडराते हैं और अपने मोक्ष की कामना करते हैं। परिजनों से संतुष्ट होने पर पूर्वज आशीर्वाद देकर हमें अनिष्ट घटनाओं से बचाते हैं। जिस तिथि में माता-पिता का देहांत हुआ है, उस तिथि में श्राद्ध करना चाहिए। श्राद्ध से पितृगण प्रसन्न होते हैं और श्राद्ध करने वालों को सुख-समृद्धि, सफलता, आरोग्य और संतानरूपी फल देते हैं।

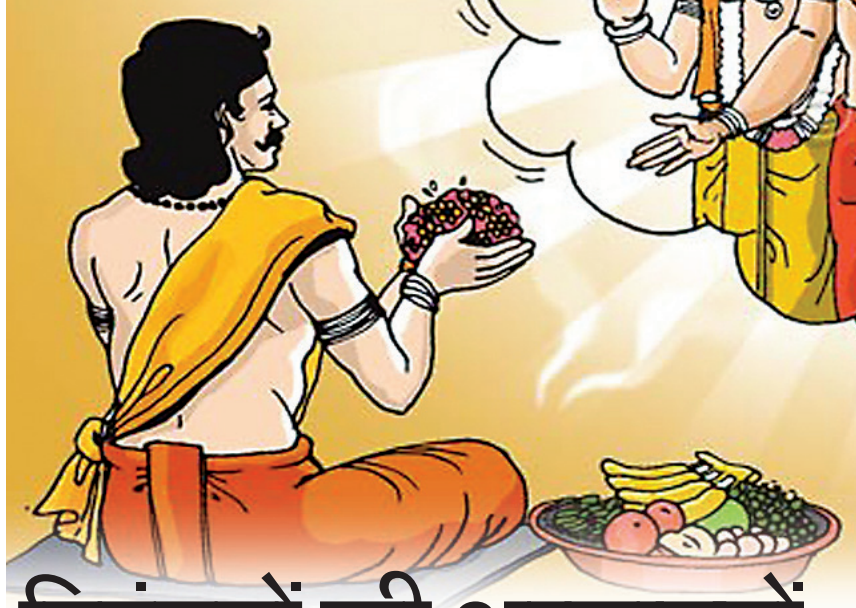

दिवंगतों की अच्छाइयों का स्मृति पर्व

पाश्चात्य संस्कृति का हिस्सा बन चुके हम आए दिन कोई न कोई 'डे' मनाते रहते है ।साल के दिनों की संख्या से ज्यादा तो तथाकथित 'डे' मनाए जाते हैं ,ना इसमें कोई बुराई है वे लोगों को जीते जी याद करते हैं तो हम परिजनों के गुजर जाने के बाद भी उन्हें याद करते हैं । उनकी याद में दिवस मनाते हैं भारतीय संस्कृति सबको साथ ले कर चलने वाली है । हम अगर श्राद्ध की बात करें तो इसमें न सिर्फ अपने पिता अपितु पितरों (हमारे दादा-परदादा) के प्रति भी धार्मिक क्रियाओं के माध्यम से सम्मान प्रकट किया जाता है, बल्कि उन्हें याद किया जाता है,उनका आभार माना जाता है । इन दिनों में सात्विकता, पशु-आहार ,दान का विशेष महत्व है । यहां मूलत: 'आत्मा अमर है' का विश्वास काम करता है कि वे जहां कहीं भी हैं हमें देख रहें होगें । भारतीय संस्कृति की एक विशेषता उल्लेखनीय है कि वह अपने संस्कार से व्यक्ति को विनयवान बनाती है । जहां इसमें 'धर्म-भीरुता' एक कमजोर पक्ष बनकर उभरा है जिससे कई कुरीतियों ने भी जन्म लिया । वहीं शिक्षा के प्रसार से कुछ नवीनता भी आई है । दान का स्वरुप बदल कर ब्राह्मण भोज के स्थान पर लोगों ने जरूरतमंदों और अनाथालयों में अन्न सेवा प्रारंभ कर दिया है । कुछ समर्थ लोग दोनों ही तरह के दान के हामी होते हैं तो आधुनिक विधि-विधान को महत्व न देकर श्राद्ध में छिपे मूल भाव को महत्व देते हुए अपने पूर्वजों को याद करने के विभिन्न तरीके अपनाते हैं । पितरों का आशीर्वाद बना रहे,पूर्वजों के प्रति आभार जताने का भाव मन में आ जाना, पूर्वजों के साथ घर में रहने वाले बुजुर्गों का भी आदर बना रहे यही सही मायने में श्राद्ध है जो कि आज के समय की मांग है । श्राद्ध पर्व की मूल अवधारणा श्रद्धा पर आधारित है । श्राद्ध पर्व के 16 दिनों के दौरान यदि हम अपने विलग हो चुके बुजुर्गों को याद कर उनकी अच्छाइयों को अपने और अपनी अगली पीढ़ी के जीवन में कार्यान्वित कर सकें तो इस भाव-प्रसंग की सार्थकता कुछ और बढ़ जाएगी ।

इन 5 स्थानों पर रखें श्राद्ध का आहार, जानिए क्या है पंचबलि कर्म

'श्राद्ध' शब्द 'श्रद्धा' से बना है यानी अपने पूर्वजों के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करना । श्राद्ध न करने वाले दलील देते हैं कि जो मर गया है उसके निमित्त कुछ करने का औचित्य नहीं है । यह ठीक नहीं है, क्योंकि संकल्प से किए गए कर्म जीव चाहे जिस योनि में हो, उस तक पहुंचता है तथा वह तृप्त होता है । यहां तक कि ब्रह्मा से लेकर घास तक तृप्त होते हैं । श्राद्ध करने का अधिकार सर्वप्रथम पुत्र को है तथा क्रमश : पुत्र, पौत्र, प्रपौत्र, दौहित्र, पत्नी, भाई, भतीजा, पिता, माता, पुत्रवधू, बहन, भानजा तथा सगौत्री कहे गए हैं । इनमें ज्यादा या सभी करें तो भी फल प्राप्ति सभी को होती है ।

श्राद्ध में ब्राह्मण भोजन तथा पंचबलि कर्म किया जाता है । पंचबलि में गाय, कुत्ता और कौवा के साथ 5 स्थानों पर भोजन रखा जाता है । वे हैं-

प्रथम गौ बलि- घर से पश्चिम दिशा में गाय को महुआ या पलाश के पत्तों पर गाय को भोजन कराया जाता है तथा गाय को 'गौभ्यो नम :' कहकर प्रणाम किया जाता है । गौ देशी होना चाहिए ।

द्वितीय श्वान बलि- पत्ते पर भोजन रखकर कुत्ते को भोजन कराया जाता है ।

तृतीय काक बलि- कौओं को छत पर या भूमि पर रखकर उनको बुलाया जाता है जिससे वे भोजन करें ।

चतुर्थ देवादि बलि- पत्तों पर देवताओं को बलि घर में दी जाती है । बाद में वह उठाकर घर से बाहर रख दी जाती है ।

पंचम पिपलिकादि बलि- चींटी, कीड़े-मकौड़ों आदि के लिए जहां उनके बिल हों, वहां चूरा कर भोजन डाला जाता है ।

श्राद्ध करने का आदर्श समय : मध्याह्न 1130 से 1230 तक है जिसे 'कुतप बेला' कहा जाता है । इसका बड़ा महत्व है ।

दीपावली से भी ज्यादा बड़ी है श्राद्ध पर्व की 8वीं तिथि

महालक्ष्मी पर्व यानी गजलक्ष्मी व्रत है । इस दिन को दीपावली से भी अधिक शुभ माना जाता है । पितृ पक्ष में आने वाले गजलक्ष्मी व्रत में अगर अपनी राशि अनुसार विधि-विधान से पूजन किया जाए तो महालक्ष्मी विशेष प्रसन्न होती हैं और जीवन में धन-समृद्धि आती है । आइए, जानें किस-किस राशि वाले जातक को किस प्रकार से पूजन करने से इष्टतम लाभ हो सकता है ।

मेष राशि : इस राशि के जातक अगर ऋण से त्रस्त हैं तो मिट्टी के हाथी के समक्ष 'ऋणहर्ता मंगल स्तोत्र' का पाठ करना चाहिए इससे ऋण उतरने लगता है ।

वृषभ राशि : इस राशि के जातकों के लिए गजलक्ष्मी व्रत से हर शुक्रवार को श्री विष्णु-लक्ष्मी का पूजन करने से धन व नाम मिलता है । इस प्रयोग को कम से कम एक साल तक करें यानी अगले गजलक्ष्मी व्रत तक करें चमत्कार स्वयं देखें ।

मिथुन राशि : चांदी का हाथी बनवाकर श्री लक्ष्मी के मंत्रों से पूरित कर गल्ले में रखें निश्चित ही धनलाभ होता है । धन का भंडार भरा रहता है तथा परिवार में व्यक्ति प्रसन्न और सुखी रहता है ।

कर्क राशि : रात को केले के पत्ते पर दूध-भात रख कर चंदमा और मिट्टी के हाथी को दिखाएं और मंदिर में पंडितजी को दान दें । इससे धन प्राप्ति के प्रबल योग बनते हैं ।

सिंह राशि : मिट्टी का हाथी बनवाकर उस पर चांदी या सोने का गहना चढ़ाएं और 'ॐ नमो नारायणाय' मंत्र का श्री विष्णु जी के सम्मुख जाप करें, विशेष धनलाभ होगा ।

कन्या राशि : लाजावर्त नग को चांदी में जड़वाकर लक्ष्मी के मंत्रों से अभिमंत्रित कर मिट्टी के हाथी को चढ़ाने से जातक धनवान बनता है ।

तुला राशि : चांदी या सोने के हाथी पर कमल का फूल चढ़ाएं । मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है व यश मिलता है ।

वृश्चिक राशि : मिट्टी के हाथी के समक्ष घी व सरसो तेल के दो बड़े दीपक जलाएं । किसी भी लक्ष्मी मंत्र की 21 माला जाप करें तो अक्षय धन की प्राप्ति होती है ।

धनु राशि : सुंदर पीले वस्त्र धारण कर मिट्टी के हाथी पर विविध अलंकार अर्पित करें । मां लक्ष्मी की कृपा चारों तरफ से बरसने लगेगी ।

मकर राशि : किसी भी सजीव हाथी को सवा दर्जन केले खिलाएं और मिट्टी के हाथी को वस्त्रालंकार अर्पित करें । आश्चर्यजनक रूप से हर बाधा दूर होगी और धन की समृद्धि बढ़ेगी ।

कुंभ राशि : चांदी का हाथी बनवाकर उसी की पूजा करें । साथ में मिट्टी का हाथी दीये जलाकर सजाएं और पूजन करें । चांदी के सिक्के चढ़ाएं । यश, सुख, समृद्धि, वैभव, ऐश्वर्य और सौभाग्य से जीवन चमक उठेगा ।

मीन राशि : 11 हल्दी की गांठों को पीले कपड़े में रख कर लक्ष्मी मंत्र की 11 माला जाप कर तिजोरी में रख दें । रोजाना वहां दीया जलाए तो व्यापार की प्रबल उन्नति होने लगती है ।

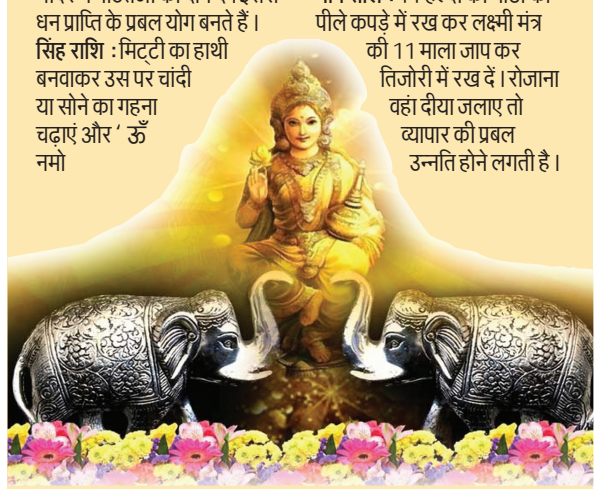

पितरों के समान हैं ये 3 वृक्ष, 3 पक्षी, 3 पशु और 3 जलचर

धर्मशास्त्रों अनुसार पितरों का पितृलोक चंद्रमा के उर्ध्वभाग में माना गया है । दूसरी ओर अग्निहोत्र कर्म से आकाश मंडल के समस्त पक्षी भी तृप्त होते हैं । पक्षियों के लोक को भी पितृलोक कहा जाता है । तीसरी ओर कुछ पितर हमारे वरुणदेव का आश्रय लेते हैं और वरुणदेव जल के देवता हैं । अत : पितरों की स्थिति जल में भी बताई गई है ।

तीन वृक्ष

- **पीपल का वृक्ष** : पीपल का वृक्ष बहुत पवित्र है । एक ओर इसमें जहां विष्णु का निवास है वहीं यह वृक्ष रूप में पितृदेव है । पितृ पक्ष में इसकी उपासना करना या इसे लगाना विशेष शुभ होता है ।
- **बरगद का वृक्ष** : बरगद के वृक्ष में साक्षात शिव निवास करते हैं । अगर ऐसा लगता है कि पितरों की मुक्ति नहीं हुई है तो बरगद के नीचे बैठकर शिव जी की पूजा करनी चाहिए ।
- **बेल का वृक्ष** : यदि पितृ पक्ष में शिवजी को अत्यंत प्रिय बेल का वृक्ष लगाया जाय तो अतृप्त आत्मा को शान्ति मिलती है । अमावस्या के दिन शिव जी को बेल पत्र और गंगाजल अर्पित करने से सभी पितरों को मुक्ति मिलती है ।इसके अलावा अशोक, तुलसी, शमी और केल के वृक्ष की भी पूजा करना चाहिए ।

तीन पक्षी

- **कौआ** : कौए को अतिथि-आगमन का सूचक और पितरों का आश्रम स्थल माना जाता है । श्राद्ध पक्ष में कौओं का बहुत महत्व माना गया है । इस पक्ष में कौओं को भोजन कराना अर्थात अपने पितरों को भोजन कराना माना गया है । शास्त्रों के अनुसार कोई भी क्षमतावान आत्मा कौए के शरीर में स्थित होकर विचरण कर सकती है ।
- **हंस** : पक्षियों में हंस एक ऐसा पक्षी है जहां देव आत्माएं आश्रय लेती हैं । यह उन आत्माओं का ठिकाना हैं जिन्होंने अपने जीवन में पुण्यकर्म किए हैं और जिन्होंने यम-नियम का पालन किया है । कुछ काल तक हंस योनि में रहकर आत्मा अच्छे समय का इंतजार कर पुन : मनुष्य योनि में लौट आती है या फिर वह देवलोक चली जाती है । हो सकता है कि आपके पितरों ने भी पुण्य कर्म किए हों ।
- **गरुड़** : भगवान गरुड़ विष्णु के वाहन हैं । भगवान गरुड़ के नाम पर ही गुरुढ़ पुराण है जिसमें श्राद्ध कर्म, स्वर्ग नरक, पितृलोक आदि का उल्लेख मिलता है । पक्षियों में गरुढ़ को बहुत ही पवित्र माना गया है । भगवान राम को मेघनाथ के नागपाश से मुक्ति दिलाने वाले गरूड़ का आश्रय लेते हैं पितर ।इसके अलावा क्रोंच या सारस का नाम भी लिया जाता है ।

तीन पशु

- **कुत्ता** : कुत्ते को यम का दूत माना जाता है । कहते हैं कि इसे ईधर माध्यम की वस्तुएं भी नजर आती है । दरअसल कुत्ता एक ऐसा प्राणी है, जो भविष्य में होने वाली घटनाओं और ईथर माध्यम (सूक्ष्म जगत) की आत्माओं को देखने की क्षमता रखता है । कुत्ते को हिन्दू देवता भैरव महाराज का सेवक माना जाता है । कुत्ते को भोजन देने से भैरव महाराज प्रसन्न होते हैं और हर तरह के आकस्मिक संकटों से वे भक्त की रक्षा करते हैं । कुत्ते को रोटी देते रहने से पितरों की कृपा बनी रहती है ।
- **गाय** : जिस तरह गया में सभी देवी और देवताओं का निवास है उसी तरह गाय में सभी देवी और देवताओं का निवास बताया गया है । दरअसल मान्यता के अनुसार 84 लाख योनियों का सफर करके आत्मा अंतिम योनि के रूप में गाय बनती है । गाय लाखों योनियों का वह पड़ाव है, जहां आत्मा विश्राम करके आगे की यात्रा शुरू करती है ।
- **हाथी** : हाथी को हिन्दू धर्म में भगवान गणेश का साक्षात रूप माना गया है । यह इंद्र का वाहन भी है । हाथी को पूर्वजों का प्रतीक भी माना गया है । जिस दिन किसी हाथी की मृत्यु हो जाती है उस दिन उसका कोई साथी भोजन नहीं करता है । हाथियों को अपने पूर्वजों की स्मृतियां रहती हैं । अश्विन मास की पूर्णिमा के दिन गजपूजा विधि व्रत रखा जाता है । सुख-समृद्धि की इच्छा रखने वाले उस दिन हाथी की पूजा करते हैं ।.इसके अलावा वराह, बैल और चींटियों का यहां उल्लेख किया जा सकता है । जो चींटी को आटा देते हैं और छोटी-छोटी चिड़ियों को चावल देते हैं, वे वैकुंठ जाते हैं ।

तीन जलचर जंतु

- **मछली** : भगवान विष्णु ने एक बार मत्स्य का अवतार लेकर मनुष्य जाती के अस्त्वि को जल प्रलय से बचाया था । जब श्राद्ध पक्ष में चावल के लड्डू बनाए जाते हैं तो उन्हें जल में विसर्जित कर दिया जाता है ।
- **कछुआ** : भगवान विष्णु ने कच्छप का अवतार लेकर ही देव और असुरों के लिए मदरांचल पर्वत को अपनी पीठ पर स्थापित किया था । हिन्दू धर्म में कछुआ बहुत ही पवित्र उभयचर जंतु है जो जल की सभी गतिविधियों को जानता है ।
- **नाग** : भारतीय संस्कृति में नाग की पूजा इसलिए की जाती है, क्योंकि यह एक रहस्यमय जंतु है । यह भी पितरों का प्रतीक माना गया है ।इसके अलावा मगरमच्छ भी माना जाता है ।

पितृ पक्ष की सर्वपितृ अमावस्या पर करें श्राद्ध

आश्विन माह की कृष्ण अमावस्या को सर्वपितृ मोक्ष श्राद्ध अमावस्या कहते हैं । यह दिन पितृपक्ष का आखिरी दिन होता है । अगर आप पितृपक्ष में श्राद्ध कर चुके हैं तो भी सर्वपितृ अमावस्या के दिन पितरों का तर्पण करना जरूरी होता । आओ जानते हैं इस संबंध में 10 खास बातें ।

- सर्वपितृ अमावस्या पितरों को विदा करने की अंतिम तिथि होती है । 15 दिन तक पितृ घर में विराजते हैं और हम उनकी सेवा करते हैं फिर उनकी विदाई का समय आता है । इसीलिए इसे 'पितृविसर्जनी अमावस्या', 'महालय समापन' या 'महालय विसर्जन' भी कहते हैं ।
- कहते हैं कि जो नहीं आ पाते हैं या जिन्हें हम नहीं जानते हैं उन भूले-बिसरे पितरों का भी इसी दिन श्राद्ध करते हैं । अत : इस दिन श्राद्ध जरूर करना चाहिए ।
- कहते हैं कि जो व्यक्ति अपने पितरों का उनकी तिथि के अनुसार या उनकी मृत स्थिति के अनुसार श्राद्ध नहीं करता है तो माना जाता है कि पितर उसके लिए सर्वपितृ अमावस्य पर पुन : नदी तट या उसके द्वार पर आते हैं और वे देखते हैं कि सभी के पितरों के वंशज आएं हैं परंतु हमारे नहीं तब वह निशार और रुष्ठ होकर चले जाते हैं जिसके चलते व्यक्ति के जीवन में बुरा होने लगता है ।
- अगर कोई श्राद्ध तिथि में किसी कारण से श्राद्ध न कर पाया हो या फिर श्राद्ध की तिथि मालूम न हो तो सर्वपितृ श्राद्ध अमावस्या पर श्राद्ध किया जा सकता है । मान्यता है कि इस दिन सभी पितर आपके द्वार पर उपस्थित हो जाते हैं ।
- इस श्राद्ध में गोबलि, श्वानबलि, काकबलि और देवादिबलि कर्म करें । अर्थात इन सभी के लिए विशेष मंत्र बोलते हुए भोजन सामग्री निकालकर उन्हें ग्रहण कराई जाती है । अंत में चींटियों के लिए भोजन सामग्री पत्ते पर निकालने के बाद ही भोजन के लिए थाली अथवा पत्ते पर ब्राह्मण हेतु भोजन परोसा जाता है । इस दिन सभी को अच्छे से पेटभर भोजन खिलाकर दक्षिणा दी जाती है ।
- सर्वपितृ अमावस्या के दिन पितरों की शांति के लिए और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए गीता के सातवें अध्याय का पाठ करने का विधान भी है ।
- सर्वपितृ अमावस्या पर पीपल की सेवा और पूजा करने से पितृ प्रसन्न होते हैं । स्टील के लोटे में, दूध, पानी, काले तिल, शहद और जौ मिला लें और पीपल की जड़ में अर्पित कर दें ।
- शास्त्र कहते हैं कि ''पुन्नामनरकात त्रायते इति पुत्र : '' जो नरक से त्राण (रक्षा) करता है वही पुत्र है । इस दिन किया गया श्राद्ध पुत्र को पितृदोषों से मुक्ति दिलाता है । अत : पूर्वजों के निमित्त शास्त्रोक्त कर्म करें जिससे उन मृत प्राणियों को परलोक अथवा अन्य लोक में भी सुख प्राप्त हो सके ।
- इस दिन शास्त्रों में मृत्यु के बाद और्ध्वदैहिक संस्कार, पिण्डदान, तर्पण, श्राद्ध, एकादशाह, सपिण्डीकरण, अशौचादि निर्णय, कर्म विपाक आदि के द्वारा पापों के विधान का प्रायश्चित कहा गया है ।
- मान्यता है कि जो व्यक्ति पितृपक्ष में श्राद्ध नहीं करता है और सर्वपितृ अमावस्य को भी श्राद्ध नहीं करता है उसे वर्षभर के लिए अपने पितारों का श्राप झेलने पड़ता है । ऐसे में पितृदोष दो प्रकार से प्रभावित होता है । पहला यह कि जो पितर अधोगति में गए हैं वे ज्यादा अपेक्षा रखकर ज्याता सताते हैं और जो उरध्वगति में गए हैं वे श्राप नहीं देते हैं तो आशीर्वाद भी नहीं देते हैं । उनका आशीर्वाद नहीं देना ही नुकसान दायक सिद्ध होता है ।

16 दिनों में न भूलें ये बाते

पितरों का करें सम्मान

श्राद्ध महालय पक्ष में पितरों के निमित्त घर में क्या कर्म करना चाहिए । यह जिज्ञासा सहजतावश अनेक व्यक्तियों में रहती है । यदि हम किसी भी तीर्थ स्थान, किसी भी पवित्र नदी, किसी भी पवित्र संगम पर नहीं जा पा रहे हैं तो निम्नांकित सरल एवं संक्षिप्त कर्म घर पर ही अवश्य कर लें :-

- प्रतिदिन खीर (अर्थात दूध में पकाए हुए चावल में शक्कर एवं सुगंधित द्रव्य जैसे इलायची, केसर मिलाकर तैयार की गई सामग्री को खीर कहते हैं) बनाकर तैयार कर लें ।
- गाय के गोबर के कंडे को जलाकर पूर्ण प्रज्वलित कर लें ।
- उक्त प्रज्वलित कंडे को शुद्ध स्थान में किसी बर्तन में रखकर, खीर से तीन आहुति दे दें ।
- इसके नजदीक (पास में ही) जल का भरा हुआ एक गिलास रख दें अथवा लोटा रख दें ।
- इस द्रव्य को अगले दिन किसी वृक्ष की जड़ में डाल दें ।
- भोजन में से सर्वप्रथम गाय, काले कुत्ते और कौए के लिए ग्रास अलग से निकालकर उन्हें खिला दें । इसके पश्चात ब्राह्मण को भोजन कराएं फिर स्वयं भोजन ग्रहण करें । पश्चात ब्राह्मणों को यथायोग्य दक्षिणा दें ।

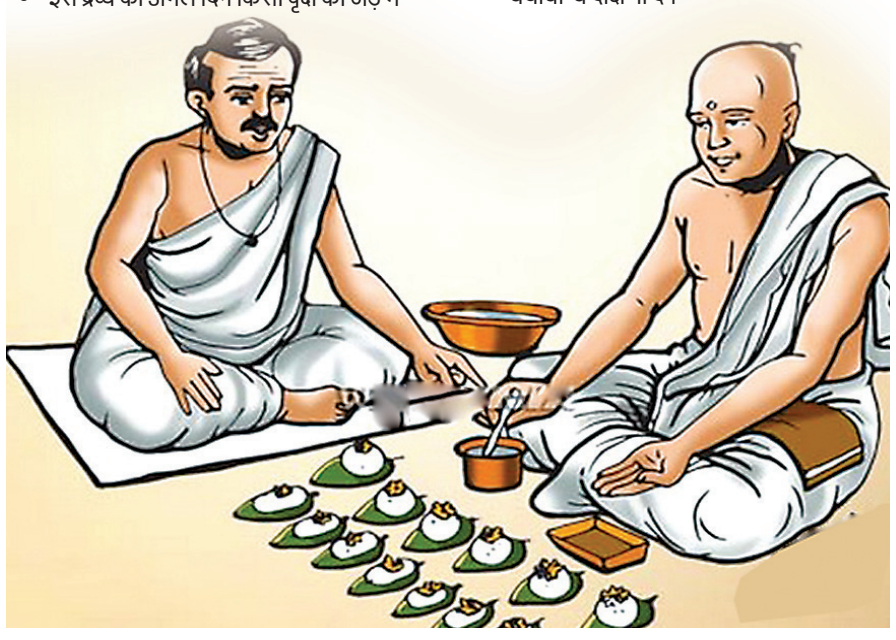

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गले में तख्ती डालकर थाने पहुंचा आरोपी... आज से हर लड़की को अपनी मां-बहन समझूंगा

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर में 11वीं कक्षा की छात्रा के साथ छेड़खानी और मारपीट का गंभीर मामला सामने आया है। कोचिंग जा रही छात्रा को आरोपी यश कुमार ने रोका और विरोध करने पर मारपीट की। आरोपी ने छात्रा को तीन थप्पड़ मारे और उसके चेहरे पर थूका। आरोपी ने बलपूर्वक छात्रा को जबरन अपनी गाड़ी में बैठाने की भी कोशिश की। छात्रा के साथियों के आने पर आरोपी धमकी देकर भाग गया। जब पीड़िता की मां ने थाने में शिकायत की और कार्रवाई नहीं हुई, तब वे संयुक्त पुलिस आयुक्त आशुतोष कुमार के पास गईं। उनके निर्देश पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की सख्ती देखकर आरोपी यश कुमार एक तख्ती गले में डालकर थाने पहुंचा, जिस पर लिखा था, मुझे माफ कर दीजिए, आज से हर लड़की को अपनी मां-बहन समझूंगा। पीड़िता की मां के अनुसार, आरोपी कई दिनों से उनकी बेटी का पीछा कर रहा था। घटना 8 सितंबर की है, जब आरोपी अपने 8-10 दोस्तों के साथ आया और छात्रा का रास्ता रोककर उसका हाथ पकड़ा। जब छात्रा ने विरोध किया तो उसे मारा-पीटा गया और उसके चेहरे पर थूका गया। छात्रा के साथियों ने जब बचाव करने की कोशिश की, तब उन्हें भी पीटा गया।

सपा विधायक इकबाल महमूद का दावा, आगामी 500 साल तक भारत का प्रधानमंत्री नहीं बन सकता कोई मुस्लिम

संभल (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ विधायक इकबाल महमूद ने दावा करते हुए कहा है, कि भारत में अगले 500 साल तक कोई मुस्लिम प्रधानमंत्री नहीं बन सकता है। उनके इस बयान को लेकर राजनीति गर्मा गई है और लोग इसे विवादित बयान बता रहे हैं। एक कार्यक्रम के दौरान सपा विधायक महमूद ने कहा, कि हमने गैर मुस्लिम को ही अपना नेता माना है। मुख्यमंत्री की बात करें तो जम्मू-कश्मीर को छोड़ दें तो सभी राज्यों में गैर मुस्लिम ही मुख्यमंत्री हैं। मुसलमानों को मालूम है कि वो क्या बन सकते हैं, इसलिए वे सोच-समझकर फैसला लेते हैं। इसी के साथ ही सपा विधायक महमूद ने कहा, कि मुसलमानों की प्राथमिकता अपने धर्म, मस्जिद और मदरसे की सुरक्षा है। जो भी पार्टी उनकी इन आवश्यकताओं की रक्षा करती है, मुसलमान उसका साथ देता है। उन्होंने दावा किया कि सपा, बसपा और कांग्रेस ने मुसलमानों के लिए काम किया है, इसलिए मुस्लिम समाज उन्हें वोट देता है। यहां विधायक मह्मूद ने भाजपा पर निशाना भी साधा और कहा कि बीजेपी मुसलमानों के लिए कुछ नहीं करती और वह केवल 80-20 के बंटवारे की राजनीति करती है। उनका इशारा हिंदू-मुस्लिम वोट बैंक की तरफ था। इस बयान के सामने आने के बाद राजनीतिक हलकों में नई बहस शुरू हो गई है। बीजेपी नेता इसे मुसलमानों की वोटबैंक राजनीति बताकर सपा पर हमला कर रहे हैं, जबकि विपक्ष का कहना है कि यह बयान भाजपा की ध्रुवीकरण की राजनीति का नतीजा है।

आज से तेजस्वी निकल रहे बिहार अधिकार यात्रा शुरू, जहानाबाद से शुरू होकर वैशाली में समाप्त होगी

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारी में बिहार अधिकार यात्रा शुरू की है। यह यात्रा 16 को जहानाबाद से शुरू होकर 20 सितंबर को वैशाली में समाप्त होगी, जिसमें पांच दिनों में 10 जिलों को कवर किया जाएगा। यात्रा का मुख्य उद्देश्य आगामी चुनाव से पहले मतदाताओं के साथ संवाद स्थापित करना है। यात्रा के दौरान, तेजस्वी यादव जनसंवाद के माध्यम से कई निर्वाचन क्षेत्रों में लोगों से सीधे जुड़ने वाले है। इस पहल को उनकी पिछली मतदाता अधिकार यात्रा के बाद शुरू किया गया है, जिसमें उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ मतदाता सूची संशोधन से संबंधित मुद्दों पर प्रचार किया था। राजद के प्रदेश प्रधान महासचिव रणविजय साहू ने यात्रा में पार्टी के सांसदों, विधायकों, जिला अध्यक्षों और नेताओं को शामिल होने का निर्देश दिया है। यात्रा का मार्ग जहानाबाद से नालंदा, पटना, बेगूसराय, खगड़िया, मधेपुरा, सहरसा, सुपौल, समस्तीपुर होकर वैशाली तक जाएगा। तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर, राज्य में अपराध और भ्रष्टाचार को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने दावा किया है कि राज्य में अपराध चरम पर है और भ्रष्टाचार व्यापक रूप से फैला हुआ है।

अहमदाबाद में मर्सिडीज कार की डिग्गी में मिली बिल्डर की लाश

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद में हत्या का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां बिल्डर की लाश विराटनगर ओवरब्रिज के नीचे पार्किंग में मर्सिडीज कार की डिग्गी में मिली है। हत्या की जानकारी मिलते ही पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी, मृतक हिम्मत रुड़ानी के फोन कॉल्स की डिटेल्स के माध्यम से जांच शुरू कर दी है। हालांकि अभी तक हत्यारों का पता नहीं चल सका है। जानकारी के अनुसार विराटनगर ओवरब्रिज के नीचे पार्क की गई सफेद रंग की मर्सिडीज कार में से दुर्गंध आ रही थी। जिसके बाद 13 सितंबर की रात लोगों के द्वारा पुलिस को कार में से दुर्गंध आने की जानकारी दी गई थी। मौके पर पहुंची पुलिस को जांच में पता चला कि डिग्गी में लाश है। पुलिस ने लाश की पहचान हिम्मत रुड़ानी की रुप में की, जो की एक बिल्डर थे। जानकारी के मुताबिक किसी अज्ञात शख्स ने बिल्डर हिम्मत रुड़ानी की हत्या करके उनकी लाश को कार की डिग्गी में छोड़कर फरार हुआ है। मृतक हिम्मत रुड़ानी के शरीर पर घाव के निशान मिले हैं, जो की किसी धारदार हथियार से किए गए हैं। मृतक की कॉल डिटेल्स और ब्रिज के आसपास के सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं। परिजनों से बातचीत की जा रही है। पुलिस सूत्रों के पास से मिल रही जानकारी के मुताबिक बिल्डर रुड़ानी की हत्या मामले में एक नाबालिग सहित तीन लोगों को राजस्थान के सिरोही से हिरासत में लिया गया है बताया जा रहा है कि हिम्मत रुड़ानी सुबह अपने घर से कंस्ट्रक्शन साइट पर जाने के लिए निकले थे, उसके बाद से उनका संपर्क नहीं हो पा रहा था।

इस साल भारी तबाही मचाने के बाद आज से शुरु होगी मानसून की वापसी

बारिश और बादल फटने की घटनाओं में सैकड़ों लोगों की गई जान

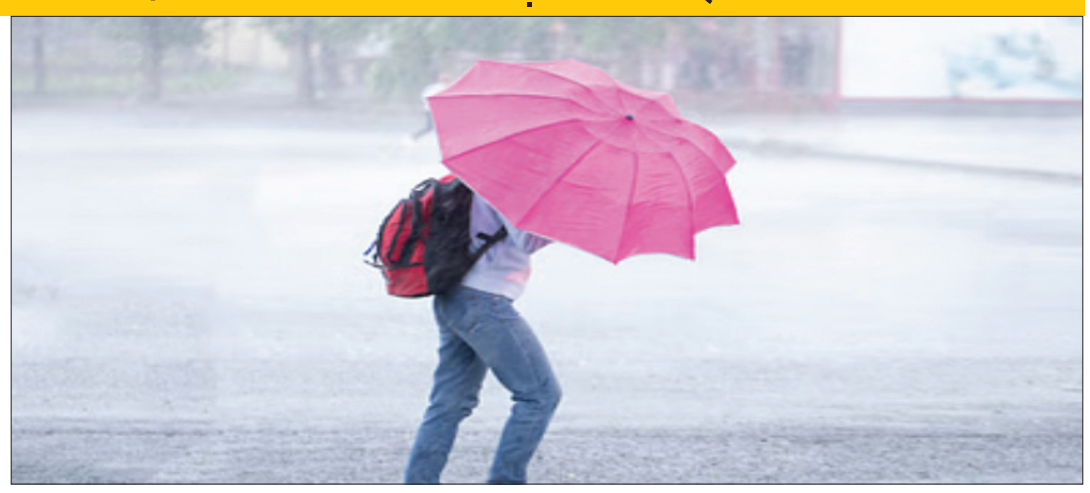

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल भारत के कई राज्यों में भारी बारिश ने जमकर तबाही मचाई। राजस्थान, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, बिहार, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश में भारी तबाही मची। खासकर पहाड़ी राज्यों हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भारी बारिश और बादल फटने की घटनाओं में 300 से ज्यादा लोगों की जान चली गई।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिकि दक्षिण-पश्चिम मानसून 15 सितंबर से उत्तर-पश्चिम भारत से वापसी शुरू कर सकता है। विभाग ने कहा है कि 17 सितंबर से मानसून पूरी तरह लौटना शुरू करेगा और 15 अक्टूबर तक यह देश से पूरी तरह चला जाएगा। राजस्थान में 15 सितंबर से मानसून की वापसी शुरू होगी, जबकि कर्नाटक के रास्ते यह 15 अक्टूबर तक पूरी तरह लौट जाएगा। इस साल मानसून 24 मई को केरल पहुंचा था, जो 2009 के बाद सबसे जल्दी आया। पूरे सीजन में देश में सामान्य 778.6 मिमी बारिश की तुलना में 836.2 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो 7 फीसदी ज्यादा है। उत्तर-पश्चिम भारत में सामान्य 538.1 मिमी की तुलना में 34 फीसदी ज्यादा यानी 720.4 मिमी बारिश हुई। मध्य भारत में 978.3 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो सामान्य 882 मिमी से 11 फीसदी ज्यादा है। दक्षिण भारत में भी सामान्य 611 मिमी से 7 फीसदी ज्यादा बारिश हुई। हालांकि, पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में बारिश सामान्य से कम रही, जहां 949.6 मिमी बारिश हुई, जो सामान्य 1192.6 मिमी से 20 फीसदी कम है। पंजाब में भारी बारिश के कारण दशकों बाद बाढ़ ने तबाही मचाई है। राज्य के सभी 23 जिले और 1900 से ज्यादा गांव जलमग्न हैं। लाखों हेक्टेयर फसलें बर्बाद हो गईं और हजारों लोग विस्थापित हो गए हैं। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में नदियों ने विकराल रूप धारण किया, जिसके चलते कई पुल बह गए। बादल फटने की घटनाओं ने इन राज्यों में और ज्यादा तबाही मचाई। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि मानसून की वापसी के दौरान भी कुछ क्षेत्रों में भारी बारिश की संभावना बनी रहेगी। प्रभावित राज्यों की सरकारें राहत और बचाव कार्यों में जुटी हैं, लेकिन बारिश से हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

सभी विधानमंडल अपनी कार्यवाही और चर्चा की गुणवत्ता सुनिश्चित करें : बिरला

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इस बात पर जोर दिया कि सभी विधानमंडल अपनी कार्यवाही और चर्चा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए मानक स्थापित करें। सदनों में नियोजित गतिरोध पर चिंता व्यक्त करते हुए ओम बिरला ने सभी राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों के साथ व्यापक संवाद की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने मीडिया से भी आग्रह किया कि सदन में तथ्यपरक, सारगर्भित चर्चा करने वाले जनप्रतिनिधियों के दृष्टिकोण को प्रमुखता से दिखाए, ताकि सदस्यों के बीच स्वस्थ संवाद के लिए प्रतिस्पर्धा हो। लोक सभा अध्यक्ष ने कर्नाटक विधानमंडल की मेज़बानी में आयोजित 11वें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए)-भारत क्षेत्र सम्मेलन के समापन समारोह में ये विचार व्यक्त किए। बिरला ने कहा कि इन सम्मेलनों के माध्यम से हमारा प्रयास है कि आने वाले समय में विधानमंडल नियोजित गतिरोध के बिना कार्य कर सकें। बेंगलुरू में चले इस तीन दिवसीय सम्मेलन का समापन कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत के भाषण के साथ हुआ। कर्नाटक विधान परिषद के सभापति, विधान सभा के अध्यक्ष ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए। जनता का विश्वास बढ़ाने के लिए सदनों के अंदर गतिरोध और व्यवधान को समाप्त किए जाने, संसद के सहयोग से राज्यों की विधायी संस्थाओं की अनुसंधान एवं सन्दर्भ शाखाओं को मजबूत करने, विधायी संस्थाओं में डिजिटल टेक्नोलॉजी का अधिक से अधिक उपयोग सुनिश्चित करने तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं में युवाओं और महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर सर्वसम्मति से संकल्प अंगीकृत किए गए। लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि जनप्रतिनिधियों का कर्तव्य है कि जनता यह महसूस करे कि विधानमण्डल उनकी आवाज़ का सशक्त मंच है, न कि केवल राजनीतिक टकराव का स्थान। वैचारिक या राजनैतिक मतभेदों के आधार पर सदन रोकने के स्थान पर हमारा संकल्प सदन चलाने का होना चाहिए।

देश की जनता बदलाव चाहती है, सत्ता परिवर्तन वोट के जरिये ही संभव

-सपा प्रमुख बोले- बीजेपी हटेगी तभी संविधान बचेगा, आरक्षण बचेगा

लखनऊ, (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी प्रमुखा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि देश में सत्ता परिवर्तन लोकतांत्रिक व्यवस्था में वोट के जरिए ही संभव है। उन्होंने कहा कि गैरबराबरी, महंगाई, भ्रष्टाचार से सभी त्रस्त हैं। आरक्षण को खत्म करने की साजिशें रची रही हैं। जनता बदलाव चाहती है। वह और इंतजार के मूड में नहीं है। 2027 के विधानसभा चुनावों में सपा की सरकार बनना तय है। बीजेपी को वोट के लोकतांत्रिक अधिकार के जरिए ही शांतिपूर्ण अहिंसक तरीके से अब सत्ता से उखाड़ फेंकने का समय आ गया है।

उन्होंने कहा कि बीजेपी हटेगी तभी संविधान बचेगा। आरक्षण बचेगा। सामाजिक आर्थिक गैरबराबरी मिटेगी और लोगों में खुशहाली आएगी। बीजेपी की हार के बाद सामाजिक न्याय का राज कायम होगा। पीडीए जीतेगा और जातीय जनगणना से समानुपातिक आधार पर सबको उनका हक और सम्मान मिलेगा। अखिलेश ने कहा कि बीजेपी ने लोकतंत्र और संविधान को बहुत नुकसान पहुंचाया है। इस सरकार में अन्याय और अत्याचार चरम पर है। किसी को न्याय नहीं मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार से हर वर्ग परेशान हो चुका है। बीजेपी सरकार में पीडीए के साथ लगातार अपमान और उपेक्षा हो रही है। पीडीए एकजुट हो रहा है। पीडीए सामाजिक-राजनीतिक विकल्प है। उन्होंने कहा कि बीजेपी लोकतंत्र को कमजोर कर रही है। धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद संविधान की प्रस्तावना में है बीजेपी इन्हीं पर हमले कर रही है। गरीबी-अमीरी के बीच खाई गहरी हो गई है जिसके कारण लोगों में बीजेपी सरकार से नाराजगी है। बीजेपी सरकार में विकास कार्य ठप हैं। उसका न कोई स्पष्ट विजन है और नहीं कार्य दिशा है।

फिलिस्तीन को एक स्वतंत्र राष्ट्र बनाने के पक्ष में भारत, यूएनजीए में दिया समर्थन

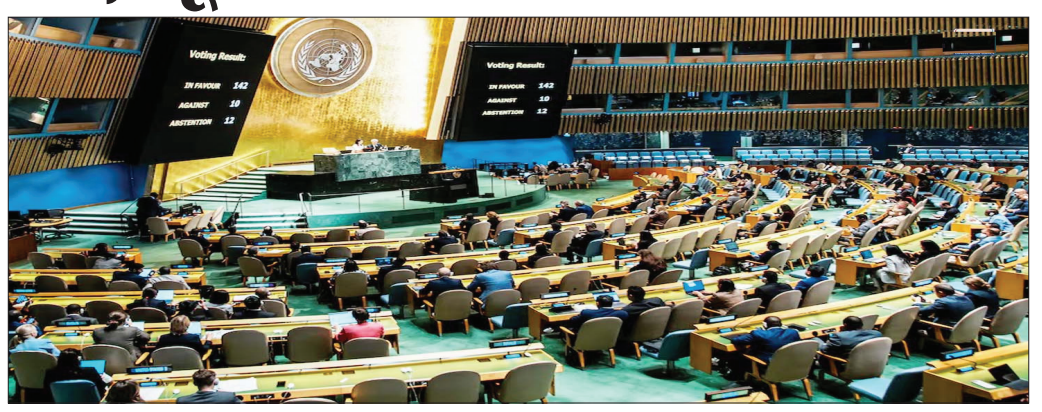

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम-एशिया में इजरायल और हमास के बीच लंबे वक्त से जारी भीषण संघर्ष के दौर में भारत, फिलिस्तीन को एक स्वतंत्र राष्ट्र बनाने के पक्ष में खड़ा हो गया है। साथ ही उसने मामले पर विश्व के सबसे बड़े निकाय संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में भी इस संबंध में बीते शुक्रवार देर रात आए एक प्रस्ताव के समर्थन में मतदान किया है। जिसे जानकार वर्तमान में गाजा को लेकर बने हुए भारत के रुख से इतर उसका एक बड़ा कदम बता रहे हैं।

पूर्व में करीब तीन वर्षों से भारत ने यूएन में मामले पर लाए गए प्रस्तावों पर मतदान से दूरी बनाता हुआ नजर आ रहा था। लेकिन दशकों से वह द्विराष्ट्र सिद्धांत के जरिए इस समस्या का समाधान निकालने का समर्थन करता रहा है। जिसमें यह स्पष्ट है कि इजरायल के साथ फिलिस्तीन को भी एक स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता दी जाएगी। महासभा में फ्रांस और सऊदी अरब द्वारा यह प्रस्ताव लाया गया था। जिसे भारत समेत दुनिया के कुल 142 देशों ने अपना समर्थन प्रदान किया। अमेरिका, इजरायल, अर्जेंटीना के साथ ही 10 देशों ने इसके विरोध में मतदान किया। जबकि दर्जनभर देशों ने मतदान से दूरी बनाई। इजरायल ने न्यूयॉर्क घोषणापत्र को अस्वीकार करते हुए महासभा की प्रासंगिकता पर ही सवालिया निशान लगा दिया है।

यहां बता दें कि बतौर स्वतंत्र देश के रूप में फिलिस्तीन को समर्थन देने वाले 142 देशों में खाड़ी के सभी अरब देश शामिल हैं। मतदान प्रक्रिया के तुरंत बाद महासभा ने प्रस्ताव को न्यूयॉर्क घोषणापत्र के रूप में स्वीकार किया। इसी साल जुलाई महीने में यूएन में हुई एक उच्च-स्तरीय बैठक में घोषणापत्र को फ्रांस और सऊदी अरब की सह-अध्यक्षता में वितरित किया गया था। जिसका उद्देश्य मामले के समाधान के लिए फिर से संवाद प्रक्रिया के सिलसिले की शुरुआत करना था। जिससे दशकों से लंबित पड़ा यह विवाद आखिरकार हल किया जा सके और इलाके में शांति स्थापित की जा सके।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि इस प्रस्ताव को महासभा के 142 देशों के समर्थन के जरिए फिलिस्तीन समस्या के निदान को लेकर हमने दो राष्ट्र सिद्धांत के पक्ष में अपना संकल्प जताया है। हम सभी देश एकजुटता से मध्य-पूर्व में शांति स्थापित करने के लिए एक पृथक मार्ग का निर्माण कर रहे हैं।

चुनाव आयोग ने दो टूक कहा- एसआईआर कब लागू करना है ये न्यायालय तय नहीं कर सकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। एसआईआर को लेकर पूरे देश में बहस छिड़ी हुई है। विवाद बढ़ा तो मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। 8 सितंबर को न्यायमूर्ति सूर्या कांत की पीठ ने आदेश दिया कि आधार कार्ड को मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए 12वें वैध दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया जाए। आयोग इस पर आरक्षण जता रहा था, लेकिन अदालत ने कहा कि भले ही आधार नागरिकता का प्रमाण नहीं है यह पहचान और निवास का वैध साक्ष्य है।

चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को दिए जवाब में यह स्पष्ट कर दिया है कि उसे किसी भी तय अंतराल पर विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) कराने के लिए अदालत बाध्य नहीं कर सकती है। आयोग का कहना है कि संविधान और कानून के अनुसार मतदाता सूची तैयार करने और संशोधित करने का अधिकार विशेष रूप से उसी के पास निहित है। आयोग ने दाखिल हलफनामे में कहा कि संविधान के अनुच्छेद 324, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम-1950 और मतदाता पंजीकरण नियम- 1960 के तहत मतदाता सूची तैयार करने व संशोधित करने का अधिकार केवल चुनाव आयोग को है।

अदालत द्वारा तय अंतराल पर संशोधन का आदेश देना आयोग की पूर्ण संवैधानिक शक्तियों में हस्तक्षेप होगा। कानून में किसी निश्चित समयावधि का प्रावधान नहीं है, आयोग परिस्थितियों के अनुसार सारांश, गहन या विशेष संशोधन करने के लिए स्वतंत्र है। यह हलफनामा अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय की जनहित याचिका के जवाब में दायर किया गया है। उपाध्याय ने मांग की है कि देशभर में विशेष संशोधन नियमित अंतराल पर हों, ताकि गैरकानूनी विदेशी घुसपैठिये चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित न कर सकें।

उनका आरोप है कि बांग्लादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और म्यांमार से आए अवैध प्रवासियों और जनसंख्या असंतुलन ने कई राज्यों की मतदाता सूचियों को विकृत किया है। उन्होंने दावा किया कि बिहार की हर विधानसभा सीट में 8,000-10,000 तक फर्जी या दोहराए गए नाम हो सकते हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले चल रही विशेष संशोधन प्रक्रिया पर विपक्षी इंडिया गठबंधन ने आरोप लगाया है कि यह मतदाता सूची को पक्षपातपूर्ण बनाने की कोशिश है। चुनाव आयोग ने पलटवार करते हुए कहा कि राजनीतिक दलों को प्रदर्शन करने के बजाय सही मतदाताओं की मदद करनी चाहिए। आयोग ने अदालत को बताया कि 1 जनवरी 2026 को पात्रता तिथि मानते हुए विशेष गहन संशोधन पहले ही तय कर लिया गया है। सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को पूर्व-तैयारी गतिविधियां शुरू करने के निर्देश दिए जा चुके हैं। 10 सितंबर को दिल्ली में सीईओ सम्मेलन आयोजित कर तैयारी की समीक्षा की गई।

भारत-पाक मैच को लेकर भड़के ओवैसी, सरकार को सुनाई खरी-खरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप में आज रात होने वाले भारत बनाम पाकिस्तान मुकाबले को लेकर राजनीतिक और सामाजिक विवाद गहराता जा रहा है। पाहलगाम आतंकी हमले में 26 निर्दोष नागरिकों की मौत और उसके बाद हुए ऑपरेशन सिंदूर के बीच इस मैच पर सवाल उठाते हुए विपक्ष और पीड़ित परिवारों ने बहिष्कार की मांग की है। वहीं एआईएमआईएम चीफ और लोकसभा सांसद असदुद्दीन ओवैसी और उनकी पार्टी ने न केवल सवाल उठाए बल्कि खरी-खरी सुना दी।

एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, क्या हमारे 26 नागरिकों की जान की कीमत कुछ हजार करोड़ रुपये से कम है? प्रधानमंत्री ने कहा था कि खून और पानी साथ नहीं बह सकते, बातचीत और आतंकवाद साथ नहीं चल सकते। फिर एक क्रिकेट मैच से बीसीसीआई को कितनी कमाई होगी, 2000 करोड़, 3000 करोड़? क्या पैसों की कीमत जान से ज्यादा है?' ओवैसी ने असम और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्रियों से भी सवाल किया कि क्या उनके पास यह ताकत नहीं है कि पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेलने से इनकार कर सकें?

वहीं भाजपा नेता दिलीप घोष ने कहा, कांग्रेस के शासन में भी मैच खेले जाते थे। हमने पाकिस्तान को जंग में हराया है, क्रिकेट में भी हराएंगे। मैदान छोड़ना सही नहीं। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि मैच और तनाव को अलग-अलग मुद्दे समझना चाहिए। उन्होंने कहा, खेल का भी महत्व है। खिलाड़ियों ने मेहनत की है। जो फैसला लिया गया है, सोच-समझकर लिया गया है।

शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने नागरिकों से मैच न देखने की अपील की। उन्होंने कहा, क्रिकेट पर आतंक को तरजीह न दें, पाहलगाम के 26 परिवारों के साथ खड़े हों। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भी प्रधानमंत्री मोदी पर हमला करते हुए कहा, युद्ध और क्रिकेट साथ-साथ कैसे हो सकते हैं? इन्होंने देशभक्ति को भी धंधा बना दिया है। कांग्रेस नेता अभिषेक दत्त ने मैच रद्द करने की मांग की और कहा कि सरकार के नो टॉक्स विद टेरर वाले रुख से यह निर्णय मेल नहीं खाता। आप नेताओं ने पाकिस्तान का पुतला जलाया। पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज ने क्लबों और रेस्टोरेंट्स का बहिष्कार करने की अपील की, जो मैच का लाइव प्रसारण करेंगे।

सीएम ममता ने दी हिंदी दिवस की शुभकामनाएं, छठ महापर्व पर किया छुट्टी का ऐलान

-आगामी विधानसभा चुनावों से पहले यह फैसला ममता की चुनावी रणनीति का हिस्सा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने रविवार को हिन्दी दिवस के अवसर पर एक बड़ा ऐलान किया है। इस दौरान उन्होंने बिहार और उत्तर भारत से जुड़े हिंदी भाषी समुदाय को साधने की कोशिश की है। उन्होंने हिन्दी भाषियों को शुभकामनाएं दीं, बल्कि छठ महापर्व के मौके पर दो दिन की सरकारी छुट्टी का भी ऐलान किया है। माना जा रहा है कि आने वाले विधानसभा चुनावों से पहले यह फैसला ममता की चुनावी रणनीति का हिस्सा है, जिससे वे राज्य में बसे बिहारी और हिंदी भाषी वोट बैंक को अपने पाले में लाना चाहती हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ममता बनर्जी ने एक्स पर लिखा- आज हिन्दी दिवस है। इस अवसर पर सभी हिन्दी भाषी भाई-बहनों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। हर साल हम श्रद्धा के साथ हिन्दी दिवस मनाते हैं। हम सभी भाषाओं के प्रति श्रद्धावान हैं। उन्होंने बताया कि 2011 के बाद से उनकी सरकार ने हिन्दी भाषी लोगों के लिए कई बड़े कदम उठाए हैं, जिन क्षेत्रों में 10 फीसदी से ज्यादा लोग हिन्दी बोलते हैं, वहां हिन्दी को सरकारी भाषा का दर्जा दिया गया है। साथ ही संथाली, उर्दू, नेपाली, पंजाबी, तेलुगु और उड़िया जैसी कई भाषाओं को भी मान्यता दी गई है।

सीएम ममता ने कहा कि हिन्दी के विकास के लिए हिन्दी अकादमी का गठन किया गया है। हावड़ा में हिन्दी विश्वविद्यालय की स्थापना की गई और नक्सलबाड़ी व बानारहाट में हिन्दी माध्यम डिग्री कॉलेज खोले गए हैं। उच्च माध्यमिक के प्रश्नपत्र अब हिन्दी में उपलब्ध हैं और कई कॉलेजों में हिन्दी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम भी शुरू किए गए हैं। इसके साथ ही सीएम ममता ने कहा कि 'हिन्दी भाषी समुदाय की भावनाओं का सम्मान करते हुए, राज्य सरकार ने छठ पूजा के उपलक्ष्य में दो दिन की सरकारी छुट्टी का ऐलान किया है। बंगाल में बड़ी संख्या में बिहारी और पूर्वी उत्तर प्रदेश से आए लोग रहते हैं और छठ पूजा उनकी आस्था का सबसे बड़ा पर्व है। ममता का यह कदम सीधा इस वर्ग को साधने वाला है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह फैसला बीजेपी के लिए मुश्किल खड़ी कर सकता है, क्योंकि बीजेपी भी बंगाल में हिंदी भाषी समुदाय को साधने का प्रयास करती है, लेकिन छठ पर्व पर सरकारी छुट्टी देकर ममता ने सीधे उस वर्ग की भावनाओं को छुआ है, जिससे बीजेपी खुलकर विरोध भी नहीं कर पाएगी। ममता ने चुनाव से पहले हिन्दी भाषी समुदाय को धार्मिक और सांस्कृतिक तोहफा देकर बड़ा मास्टरस्ट्रोक लगाया है। इसका फायदा आने वाले विधानसभा चुनाव में टीएमसी को मिल सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

जन्म से तीन गुना ज्यादा मौतें, लाखों का पलायन; जंग के बाद भी नहीं उबर पाएगी यूक्रेन की आबादी?

कीव, एजेंसी। यूक्रेन बीते तीन साल से भी अधिक समय से रूस के साथ जंग लड़ रहा है। 24 फरवरी 2022 को रूस ने जब यूक्रेन पर हमला किया, तब दोनों पक्षों ने भी नहीं सोचा था कि यह युद्ध सालों तक चलेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सहित कई वैश्विक नेताओं की कोशिशों के बावजूद अब तक युद्धविराम नहीं हो पाया है और जंग के निकट भविष्य में खत्म होने के आसार भी नजर नहीं आ रहे हैं। इस बीच एक रिपोर्ट में यूक्रेन की आबादी को लेकर कुछ हैरान करने वाले खुलासे हुए हैं। इसके मुताबिक जंग से त्रस्त यूक्रेन के सामने एक अन्य बड़ी चुनौती है, जिसका मुकाबला करना और भी मुश्किल होगा। ईयू ऑब्जर्वर की रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन की आबादी बड़े संकट से गुजर रही है। युद्ध, बड़ी संख्या में लोगों का पलायन और गिरती जन्म दर की वजह से यूक्रेन की आबादी ऐतिहासिक रूप से कम हो गई है। यूक्रेन में इस मामले से जुड़े एक्सपर्ट्स इसे गंभीर समस्या बता रहे हैं। यूक्रेन इंस्टीट्यूट फॉर डेमोग्राफी एंड सोशल स्टडीज के अर्थशास्त्री अलेक्सांद्र ग्लैडुन के मुताबिक देश की जनसंख्या, जो 1990 के दशक की शुरुआत से घट रही है, न केवल रूस के साथ संघर्ष की वजह से, बल्कि दशकों से चली आ रही नीतियों से भी प्रभावित है। ग्लैडुन ने कहा है कि यूक्रेन ऐसी चुनौतियों का सामना कर रहा है जिनका सामना किसी अन्य देश ने पहले कभी नहीं किया है। ग्लैडुन के मुताबिक देश के सामने आए इस संकट के पीछे की सबसे बड़ी वजह पलायन है। 2022 से अब एक लगभग 70 लाख लोग, जिनमें मुख्य रूप से महिलाएं और बच्चे हैं, देश छोड़ चुके हैं। एक अनुमान के मुताबिक 4.3 मिलियन यूक्रेनी ने यूरोपीय यूनियन में शरण ले ली हैं। वहीं रूस के साथ जंग में हजारों यूक्रेनी मारे गए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने फरवरी 2025 में एक इंटरव्यू में कहा था कि इस जंग में अब तक 46,000 से ज्यादा यूक्रेनी सैनिक मारे गए। इसके अलावा हजारों सैनिक अब भी लापता हैं या रूसी जेलों में कैद में हैं।

यूएन महासभा में हमास-मुक्त फिलिस्तीनी देश के पक्ष में 142 देशों ने वोट दिया

लंदन, एजेंसी। महासभा ने शुक्रवार को न्यूयॉर्क डिक्लेरेशन को अपनाया, जिसमें दो-राष्ट्र समाधान को फिर से जिंदा करने की पहल की गई है। इस प्रस्ताव के पक्ष में 142 देशों ने मतदान किया, जिनमें भारत भी शामिल रहा। अमेरिका सहित 10 देशों ने विरोध किया जबकि 12 ने मतदान से परहेज किया। इजराइल ने इस कदम को खारिज कर दिया। इजराइली विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ओरेन मार्मोरस्टीन ने शुक्रवार को एक्स पर लिखा, एक बार फिर, यह साबित हो गया है कि महासभा वास्तविकता से कितनी दूर एक राजनीतिक सर्कस है, इस प्रस्ताव में, एक बार भी इस बात का जिक्र नहीं है कि हमास एक आतंकवादी संगठन है। वही, फ्रांस और सऊदी अरब द्वारा पेश इस प्रस्ताव में 7 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा किए गए हमलों की निंदा की गई है और संगठन से हथियार डालने व सभी बंधकों को रिहा करने की मांग की गई है।

यूनुस के मंत्री ने कहा-दुर्गा पूजा मेलों में गांजा-शराब.. हिंदू संगठन बोले- यहआपत्तिजनक और भड़काऊ

ढाका , एजेंसी। दुर्गा पूजा शुरू होने से पहले ही बांग्लादेश में माहौल तनावपूर्ण हो गया है। प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस सरकार के गृह मामलों के सलाहकार जहांगीर आलम चौधरी ने ऐसा बयान दिया है, जिसने हिंदू समुदाय को गहराई से आहत कर दिया। चौधरी ने कहा कि पूजा मेलों में गांजा और शराब का अड्डा लगता है, इसलिए इस बार बड़े मेले नहीं होंगे। हिंदू संगठनों का कहना है कि यह बयान उनकी आस्था पर हमला है और सरकार का रवैया उन्हें असुरक्षित महसूस करा रहा है। हिंदू संगठनों ने चौधरी की टिप्पणी को आपत्तिजनक और भड़काऊ बताया। उन्होंने कहा किदुर्गा पूजा हमारी आस्था और संस्कृति का प्रतीक है, इसे नशे से जोड़ना अपमान है। विसर्जन का समय शाम 7 बजे तक तय करने को धार्मिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप बताया। हिंदू संगठनों ने विरोध दर्ज कराने की कोशिश की। लेकिन ढाका प्रेस क्लब ने उन्हें बुकिंग देने से इनकार कर दिया।

बेला चाव-चाव... चार्ली किर्क के हत्यारे ने

गोली के खोलों पर उकेरे रहस्यमयी संदेश

यूटा , एजेंसी।
अमेरिकी कंजर्वेटिव कार्यकर्ता और टर्निंग पॉइंट यूएसए के संस्थापक चार्ली किर्क की हत्या के मामले में 22 वर्षीय टायलर रॉबिन्सन को गिरफ्तार किया गया है। रॉबिन्सन कथित तौर पर किर्क के विचारों से गहरी नाराजगी रखता था और हाल के वर्षों में वह अधिक राजनीतिक रूप से सक्रिय हो गया था। हत्या के 33 घंटे बाद एजेंसियों ने उसे पकड़ लिया। इस मैनहंट के दौरान उसके परिवार ने ही उसे सरेंडर कराने में मदद की। जांचकर्ताओं को गोली के खोलों पर उकेरे गए संदेशों से उसके दिमाग की झलक मिली है, जो एंटी-फासीवादी नारों से लेकर मीम रेफरेंस तक फैले हुए हैं।

चार्ली किर्क की हत्या 11 सितंबर को यूटा वैली यूनिवर्सिटी (युवीयू) के एक कार्यक्रम के दौरान हुई, जहां वह कंजर्वेटिव विचारों पर बोल रहे थे। काफी दूर एक छत से चलाई गई गोली ने किर्क को सीधे निशाना बनाया। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। उन्हें स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। यूटा गवर्नर स्पेंसर कॉक्स ने बताया कि यह एक सुनियोजित हत्या थी और रॉबिन्सन ने अकेले ही यह वारदात को अंजाम दिया।

जांच के दौरान राइफल के चैंबर में

मिले तीन अनफायर खोलों और एक फायर खोले पर विभिन्न संदेश उकेरे मिले, जो रॉबिन्सन के राजनीतिक और सांस्कृतिक झुकाव को दर्शाते हैं। यूटा गवर्नर स्पेंसर कॉक्स ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में इन संदेशों का खुलासा किया। ओह बेला चाव, बेला चाव, बेला चाव चाव चाव। यह द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान इटली के एंटी-फासीवादी प्रतिरोध गीत का संदर्भ है। यह गीत मुसोलिनी शासन और नाजी कब्जे के खिलाफ पार्टिसन्स द्वारा गाया जाता था। इसका शाब्दिक अर्थ है अलविदा, सुंदर, लेकिन आज यह विद्रोह का वैश्विक प्रतीक बन चुका है। अगर आप यह पढ़ रहे हैं, तो आप गे हैं , जो एक व्यंग्यात्मक मीम-स्टाइल संदेश है।

नोटिसेस, बल्जेस, ओडब्ल्यूओ, व्हाट्स दिस? यह संदेश फर्री और रोलप्ले कम्युनिटीज से जुड़ा है, जो ऑनलाइन फ्लर्टिंग या अजीबोगरीब व्यवहार का वर्णन करता है। तीन नीचे की तीरें के साथ ऊपर और दाईं तीर का संयोजन गेम हेलडाइवर्स 2 के स्ट्रेटेजम इनपुट की ओर इशारा करता है, जो ईगल 500 किलो बम बुलाने के लिए इस्तेमाल होता है। यह एंटीफा के प्रतीक से असंबंधित है। इन संदेशों से पता चलता है कि रॉबिन्सन राजनीतिक असहिष्णुता के साथ-साथ इंटरनेट कल्चर और गेमिंग से प्रभावित था। बता दें कि एंटीफा का पूरा नाम एंटी-फासिस्ट है, जो एक ढीला-ढाला, गैर-केंद्रित आंदोलन है, जिसमें विभिन्न समूह और व्यक्ति शामिल हैं जो फासीवाद, नस्लवाद, श्वेत वर्चस्ववाद और अन्य दक्षिणपंथी चरमपंथी विचारधाराओं का विरोध करते हैं। यह कोई औपचारिक संगठन नहीं है, बल्कि एक विचारधारा और कार्यप्रणाली है, जो आमतौर पर बाएं-झुकाव वाली राजनीति से जुड़ी है। टायलर रॉबिन्सन यूटा के वाशिंगटन शहर का निवासी है, जो राज्य के दक्षिण-पश्चिमी कोने में स्थित है। उसके माता-पिता एंबर जोन्स रॉबिन्सन और मैट रॉबिन्सन हैं, जो लंबे समय से इस क्षेत्र के निवासी हैं। परिवार के पास उपनगरीय इलाके में एक छह बेडरूम वाला घर है, जिसकी कीमत लगभग 6,34,400 डॉलर है। मैट रॉबिन्सन वाशिंगटन काउंटी शेरिफ डिपार्टमेंट के 27 वर्षीय वेटरन हैं। रॉबिन्सन के दो भाई हैं। उसने अपने पिता और एक पादरी के सामने कथित तौर पर किर्क की हत्या की बात कबूली। शुरू में उसने कहा कि वह आत्महत्या करना पसंद करेगा बजाय सरेंडर के, लेकिन उसके माता-पिता ने उसे मनाया। पिता मैट ने खुद अधिकारियों से संपर्क किया और बेटे को सुरक्षित रूप से ओरेम ले जाकर सरेंडर कराया।

ऑपरेशन बीच में ही छोड़कर भागा पाकिस्तानी डॉक्टर

नर्स के साथ करने लगा सेक्स

लंदन , एजेंसी।
ब्रिटेन के टेमसाइड जनरल हॉस्पिटल (ग्रेटर मैनचेस्टर) में कार्यरत एक पाकिस्तानी मूल के एनेस्थेटिस्ट पर बेहद गंभीर आरोप लगे हैं। डॉ. सुहैल अंजुम ने एक मरीज की गॉल ब्लैडर सर्जरी के बीच ऑपरेशन थिएटर छोड़ दिया और पास के दूसरे ऑपरेशन थिएटर में नर्स के साथ शारीरिक संबंध बनाते हुए पाए गए। यह मामला सितंबर 2023 का है, लेकिन अब मैनचेस्टर मेडिकल ट्रिब्यूनल में इसकी सुनवाई के दौरान पूरी घटना सामने आई।

रिपोर्ट के मुताबिक, डॉ. अंजुम उस सुबह पांच सर्जरी में शामिल हुए थे। तीसरी सर्जरी के दौरान उन्होंने साथी कर्मियों से कहा कि वे एक कम्फर्ट ब्रेक ले रहे हैं। उनकी जगह एक एनेस्थेटिक नर्स को मरीज की देखरेख के लिए छोड़ दिया गया। इसी दौरान वे पास के एक ऑपरेशन रूम में गए, जहां वे एक नर्स के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पाए गए।

एक दूसरी नर्स जब ऑपरेशन के लिए जरूर उपकरण लेने के लिए उस रूम में पहुंची और उन्हें आपत्तिजनक हालत में देख लिया। रिपोर्ट के अनुसार, डॉ. अंजुम अपनी पैंट संभाल रहे थे जबकि नर्स की स्कर्ट घुटनों तक गिरी हुई थी।

पूछताछ में डॉ. अंजुम ने स्वीकार किया कि उन्होंने सर्जरी के दौरान मरीज को छोड़कर नर्स के साथ शारीरिक संबंध बनाए। उन्होंने ट्रिब्यूनल में कहा, यह मेरी जिंदगी का बेहद कठिन समय था। मेरी पत्नी ने हमारे सबसे छोटे बच्चे के समयपूर्व जन्म के बाद गंभीर आघात झेला था। उसी तनाव में यह गलती हुई। मैं बेहद शर्मिंदा हूं और इस हरकत की गंभीरता को पूरी तरह समझता हूं। इस घटना के बाद डॉ. अंजुम ने 2024 में ह्यूस्ट्रस्ट से इस्तीफा दे दिया। वह अब ब्रिटेन छोड़कर पाकिस्तान लौट चुके हैं।

पोर्न स्टार ने पोस्ट कीं न्यूड तस्वीरें

इंस्टाग्राम अकाउंट बंद करने पर मेटा पर भड़का कोर्ट

कोलंबिया , एजेंसी। एक पोर्न स्टार की न्यूड तस्वीरों के मामले में सुनवाई करते हुए कोलंबिया की एक अदालत ने मेटा से कहा है कि उसे अपनी प्रिवेसी पॉलिसी बदलनी होगी। कोलंबिया की जानी-मानी अडल्ट ऐक्ट्रेस एस्परांजा गोमेज ने अपनी कुछ तस्वीरें पोस्ट की थीं। इन तस्वीरों में उन्होंने अंडर गारमेंट्स पहन रखे थे। गोमेज का दावा है कि अपने काम के तहत उन्होंने तस्वीरें पोस्ट की थीं। वहीं मेटा ने उनका इंस्टाग्राम अकाउंट बंद कर दिया। गोमेज के इंस्टाग्राम पर 50 लाख से ज्यादा फॉलोअर हैं। कोर्ट ने कहा कि मेटा ने बिना स्पष्ट कारण बताए ही गोमेज का अकाउंट बंद कर दिया। इससे उनका काम प्रभावित हुआ है। वहीं मेटा का कहना है कि गोमेज ने न्यूडिटी रूल्स का उल्लंघन किया था। कोर्ट ने कहा कि मेटा ने गोमेज की अभिव्यक्ति के अधिकार का उल्लंघन किया है। कोर्ट ने कहा कि गोमेज जिस तरह की सामग्री पोस्ट करती थीं, उसी तरह की तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करने वाले और भी अकाउंट हैं जो कि ऐक्टिवेट हैं। ऐसे में गोमेज के खिलाफ की गई मेटा की कार्रवाई उचित नहीं है और उसके नियम भी स्पष्ट नहीं हैं। कोर्ट ने मेटा को आदे दिया है कि वह अनपे नियमों की समीक्षा करे और फिर बदलाव करे। इसके अलावा वह स्पष्ट रूप से यूजर्स को बताए कि उसके क्या नियम हैं। कोर्ट के इस फैसले पर मेटा की अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। बता दें कि दक्षिण अमेरिकी कोर्ट पहले भी मेटा को इस तरह के आदेश दे चुके हैं। किसी सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर अवैध सामग्री, हेट स्पीच या फिर भड़काऊ कॉन्टेंट के लिए प्लैटफॉर्म खुद जिम्मेदार है।

6 घंटे की सर्जरी और एक चमत्कार ! सीधी हुई टेढ़ी रीढ़, वायरल हुई शख्स की एक्स-रे तस्वीरें

बीजिंग, एजेंसी।
सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वायरल पर इन दिनों एक युवा की पोस्ट ने हज़ारों दिलों को छू लिया है। 20 वर्षीय ओलिवर मंडेला ने अपनी रीढ़ की हड्डी की सर्जरी से पहले और बाद की ड्रामेटिक एक्स-रे तस्वीरें साझा कीं, जो कुछ ही घंटों में वायरल हो गईं। पोस्ट का शीर्षक था- 11 मार्च को हुई 6 घंटे की सर्जरी के बाद मैं स्कोलियोसिस से ठीक हो गया। अब तक यह प्रेरणादायक कहानी 21,000 से अधिक अपवोट्स हासिल कर चुकी है और दुनियाभर से लोगों की दुआएं और शुभकामनाएं ओलिवर को मिल रही हैं।

क्या है स्कोलियोसिस?: स्कोलियोसिस एक रीढ़ की हड्डी की स्थिति है, जिसमें हड्डी स्या ष्ट के आकार में मुड़ जाती है। यह स्थिति न केवल शरीर की बनावट को प्रभावित करती है, बल्कि इससे सांस लेने में दिक्कत, मांसपेशियों में तनाव और स्थायी दर्द भी हो सकता है। यह एक ऐसा शारीरिक विकार है जो शरीर के पोश्चर को असामान्य बना देता है। इसमें पीठ में कूबड़ सा उभर आता है और चलने-फिरने में परेशानी होने लगती है। नेशनल

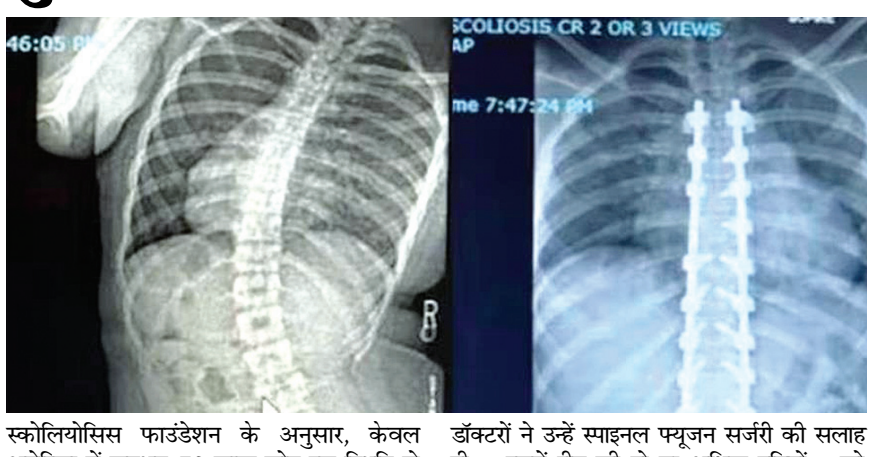

स्कोलियोसिस फाउंडेशन के अनुसार, केवल अमेरिका में लगभग 70 लाख लोग इस स्थिति से जूझ रहे हैं – जिनमें अधिकांश किशोर लड़कियां होती हैं। ओलिवर की स्थिति बेहद गंभीर थी। उन्होंने बताया कि सर्जरी से पहले उन्हें- सांस लेने में दिक्कत होती थी, लगातार दर्द बना रहता था, और पैरों में कमजोरी के कारण लंगड़ाकर चलना पड़ता था। डॉक्टरों ने उन्हें स्पाइनल फ्यूजन सर्जरी की सलाह दी – इसमें रीढ़ की दो या अधिक हड्डियों को स्थायी रूप से जोड़ दिया जाता है ताकि हड्डी सीधी रहे और मुड़ना बंद हो जाए। सर्जरी सफल रही, और आज ओलिवर का कहना है- अब मुझे दर्द नहीं होता, सांस लेना आसान हो गया है, और शरीर में ऊर्जा पहले से कहीं ज्यादा है।

ज्ञान मत दो, तुमने भी माली-सीरिया में खूब बम बरसाए

इजरायल ने फ्रांस और ब्रिटेन को रगड़ दिया

बीजिंग, एजेंसी। कतर की राजधानी दोहा में हवाई हमलों को लेकर कई मित्र देश ही इजरायल की आलोचना कर रहे हैं। लेकिन इजरायल पीछे हटने को तैयार नहीं है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में इजरायल के स्थायी प्रतिनिधि डैनी डैनन ने शुक्रवार को पश्चिमी सहयोगी देशों- खासकर फ्रांस और ब्रिटेन की कड़ी आलोचना की। उन्होंने दोहा में हमास के वरिष्ठ नेताओं पर की गई हवाई कार्रवाई को उचित ठहराते हुए कहा कि ये देश खुद आतंकवाद के खिलाफ विदेशी धरती पर सैन्य कार्रवाइयां करते रहे हैं, लेकिन इजरायल के कदमों पर सवाल उठा रहे हैं। दरअसल जब गाजा में युद्ध विराम के अमेरिकी प्रस्ताव पर विचार करने के लिए हमास नेता दोहा में एकत्र हुए थे तभी इसी दौरान इजराल ने हमला कर दिया जिसमें कम से कम छह लोग मारे गए। इस कदम को सही ठहराने के लिए डैनन ने अमेरिका के उस ऑपरेशन का

हवाला दिया जिसमें ओसामा बिन लादेन को पाकिस्तान में मारा गया था। इतना ही नहीं, दोहा में हवाई हमले के खिलाफ ज्ञान दे रहे फ्रांस और ब्रिटेन को भी इजरायली दूत ने खूब लताड़ लगाई। यूएनएससी की बैठक में डैनन ने अपने भाषण में कहा, जब पाकिस्तान में बिन लादेन को खत्म किया गया, तब किसी ने भी सवाल यह नहीं पूछा कि विदेशी धरती पर आतंकवादी को क्यों निशाना बनाया गया। आज भी ऐसा ही होना चाहिए। जब बिन लादेन के लिए कोई छूट नहीं थी तो हमास के लिए भी कोई छूट नहीं हो सकती। उन्होंने जोर देकर कहा कि इजरायल का ऑपरेशन आत्मरक्षा में किया गया और इसका उद्देश्य केवल हमास के आतंकियों को निशाना बनाना था, न कि कतर को। डैनन ने फ्रांस और ब्रिटेन को सीधे निशाने पर लेते हुए कहा, फ्रांस ने माली, चाड, बुर्किना फासो और मॉरिटानिया में आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई की और उन्होंने विदेशी धरती पर बमबारी की। हवाई हमले किए। क्या तब दुनिया ने उनकी निंदा की? नहीं। लेकिन जब इजरायल आतंकवाद के खिलाफ कदम उठाता है, तो ये सहयोगी देश यूएन में हमें सबक सिखाने लगते हैं। उन्होंने इन देशों पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया और कहा कि पश्चिमी दुनिया को हमास को आतंकवादी संगठन घोषित करने और बंधकों की रिहाई की मांग करनी चाहिए।

रूस के कामचटका में 7.4 तीव्रता का भूकंप

मॉस्को , एजेंसी। रूस के कामचटका में शनिवार को 7.4 तीव्रता का भूकंप आया है। भूकंप के बाद यहां सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। यह भूकंप 39.5 किलोमीटर की गहराई पर आया।

स्वस ने पहले भूकंप की तीव्रता 7.5 बताई थी, लेकिन बाद में इसे 7.4 कर दिया। पैसिफिक सुनामी चेतावनी केंद्र ने कहा कि भूकंप के केंद्र से 300 किलोमीटर के दायरे में रूस के तटों पर खतरनाक लहरें उठ सकती हैं।

अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। इससे पहले 30 जुलाई को यहां 8.8 तीव्रता का भूकंप आया था, जो दुनिया का छठा सबसे बड़ा भूकंप आया था। कामचटका में बीते तीन महिनों में 7 तीव्रता से ज्यादा के 3 भूकंप दर्ज किए गए हैं।

रूस के कामचटका में जो प्रशांत रिंग ऑफ फायर का हिस्सा है, इस साल भूकंपीय गतिविधियों का केंद्र रहा। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे के आंकड़ों के अनुसार, इस साल यहां कुल 1,200 से अधिक भूकंप दर्ज किए गए हैं। इनमें से अधिकांश छोटे-मोटे (मैग्निट्यूड 2.0 से 4.0 के बीच) थे, लेकिन 4.0 या इससे ऊपर के 150 से ज्यादा भूकंप हुए। इस क्षेत्र में आज आए भूकंप समेत 3 बड़े भूकंप 7.0 या उससे अधिक तीव्रता के दर्ज किए गए हैं। साल 2025 का सबसे विनाशकारी भूकंप 30 जुलाई को रूस के कामचटका में पर आया, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 8.8 मापी गई। यह पिछले 10 वर्षों का सबसे बड़ा झटका था।

रूसी तेल खरीदने के लिए भारत पर टैरिफ लगाना आसान काम नहीं

वाशिंगटन, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि रूसी तेल खरीदने के लिए भारत पर टैरिफ लगाना कोई आसान काम नहीं है और इससे भारत के साथ मतभेद पैदा होते हैं। शुक्रवार को फॉक्स एंड फ्रेंड्स को दिए एक इंटरव्यू में जब ट्रंप से पूछा गया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर शिकंजा कसने का क्या मतलब है, तो उन्होंने कहा, देखिए, भारत उनका सबसे बड़ा ग्राहक था। मैंने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया क्योंकि वे रूस से तेल खरीद रहे हैं। यह कोई आसान काम नहीं है। यह एक बड़ी बात है और इससे भारत के साथ मतभेद पैदा होते हैं।ट्रंप ने कहा, लेकिन मैं यह पहले ही कर चुका हूं। मैंने बहुत कुछ किया है। ट्रंप ने आगे कहा, और याद रखें कि यह हमारी समस्या से कहीं ज्यादा यूरोप की समस्या है। साक्षात्कार में, ट्रंप ने अपने इस दावे को भी दोहराया कि राष्ट्रपति के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल में उन्होंने अब तक सात संघर्षों को सुलझाया है। उन्होंने कहा, मैंने सात युद्ध सुलझाए। पाकिस्तान और भारत भी शामिल हैं, लेकिन बड़े युद्ध, जिनमें से कुछ अनसुलझे थे, जैसे कांगो और रवांडा। मैंने उन्हें सुलझाया। यह 31 सालों से चल रहा था, लाखों लोग मारे गए। मैंने ऐसे युद्ध सुलझाए जो अनसुलझे थे। हालांकि, भारत हमेशा से ट्रंप के युद्धविराम करवाने के दावे को खारिज करता रहा है। भारत ने साफ किया है कि दोनों देशों के बीच सीजफायर डीजीएमओ स्तर की बातचीत के बाद ही हुआ। इसमें कोई भी तीसरा देश शामिल नहीं था। वहीं, रूस से कच्चे तेल की खरीद का बचाव करते हुए, भारत यह कहता रहा है कि उसकी ऊर्जा खरीद राष्ट्रीय हित और बाजार की गतिशीलता से प्रेरित है।

जेन जेड ने कर दिया 25 अरब का नुकसान

काठमांडु एजेंसी।
नेपाल में बीते दिनों युवाओं के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान देश को जान माल की बड़ी हानि हुई है। अधिकारियों के मुताबिक प्रदर्शन से जुड़ी घटनाओं में कम से कम 51 लोगों की मौत हो गई। वहीं युवाओं ने देश के संसद भवन और सुप्रीम कोर्ट सहित कई बड़े मंत्रियों के घरों को आग के हवाले कर दिया, जिससे उबरने में देश को महीने लग सकते हैं। इस बीच अब नेपाल के होटल उद्योग से जुड़े लोगों ने बताया है कि हिंसा के दौरान इंडस्ट्री को करीब 25 अरब नेपाली रुपए का नुकसान हुआ है।

बता दें कि नेपाल की अर्थव्यवस्था बड़े पैमाने पर टूरिज्म पर निर्भर करती है और होटल उद्योग इसका एक प्रमुख हिस्सा है। जानकारी के मुताबिक बीते दिनों सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान देश भर के लगभग दो दर्जन होटलों में तोड़फोड़, लूटपाट या आगजनी की घटनाओं के बाद 25 अरब नेपाली रुपये से अधिक का

नुकसान हुआ है।

माई रिपब्लिका ने होटल एसोसिएशन नेपाल द्वारा जारी एक बयान के हवाले से बताया कि सबसे ज्यादा प्रभावित होटलों में काठमांडू का हिल्टन होटल शामिल है, जिसे अकेले 8 अरब रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। काठमांडू घाटी, पोखरा, बुटवल, भैरहवा, झापा, विराटनगर, धनगढ़ी, महोत्तरी और डांग-तुलसीपुर के अन्य प्रमुख घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड होटलों को भी हिंसा की वजह से भारी नुकसान हुआ है।

होटल एसोशिएशन ने कहा है कि कई प्रभावित होटल मरम्मत के बिना फिर से काम शुरू नहीं कर पाएंगे, जिससे 2,000 से लोगों की नौकरियां भी प्रभावित होंगी। वहीं यह चिंता भी जताई है कि इस बर्बादी की वजह से होटलों के लिए बैंकों को पैसा चुकाना भी मुश्किल होगा। लोगों ने घटनाओं की जांच के लिए एक न्यायिक समिति बनाने और दोषियों को सजा देने की मांग की है। वहीं प्रभावित व्यवसायों के लिए मुआवजे की मांग भी की गई है। इस बीच नेपाल की पूर्व सीजेआइ सुशीला कार्की ने अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभाल लिया है। सुशीला कार्की को शुक्रवार रात नेपाल के राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलवाई। शपथ लेते ही अंतरिम सरकार का पहली जिम्मेदारी मौजूदा हालातों को सामान्य बनाकर देश में नए सिरे से चुनाव कराने की होगी। 73 वर्षीय सुशीला कार्की ने कहा है कि वह छह महीने या एक साल के भीतर चुनाव संपन्न करवाने की कोशिश करेंगी।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत के सचीन पुलिस स्टेशन क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की धज्जियां उड़ाने वाली घटना

कुख्यात गुजसीटोक आरोपी आशीष उर्फ़ चीकना पांडे की जेल से रिहाई के बाद फिल्मी अंदाज में स्वागत काले कारों के काफिले के साथ निकाला रोड शो

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

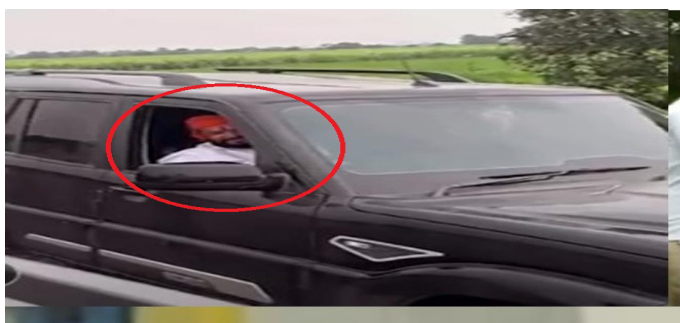

सूरत में कानून और व्यवस्था की धज्जियां उड़ाने वाली एक घटना सामने आई है। कुख्यात गुजसीटोक आरोपी आशीष उर्फ़ चीकना पांडे की जेल से रिहाई के बाद उसका फिल्मी अंदाज में स्वागत किया गया। उसे लेने के लिए जेल के बाहर समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ी और हैरानी की बात यह रही कि एक जेल कर्मचारी ने भी उससे हाथ मिलाया। इसके बाद ब्लैक कारों के बड़े काफिले के साथ रोड शो निकाला गया, जिसका वीडियो वायरल होते ही पूरे शहर में चर्चा का विषय बन गया।

आशीष उर्फ़ 'चीकना' पांडे, जो लालू जालिम गैंग का सक्रिय गुंडा है और दो बार पासा के तहत जेल जा चुका है, हाल ही में गुजसीटोक कानून के तहत जेल से रिहा हुआ है। आम तौर पर ऐसे कानून से अपराधियों में डर पैदा होता है, लेकिन चीकना पांडे की रिहाई के समय के दृश्य देखकर ऐसा लगा जैसे किसी समाजसेवी का सम्मान हो रहा हो।

जेल से बाहर निकलते ही उसके करीब 40-50 समर्थक पैर छूने लगे। जेल के मुख्य गेट के बाहर पार्किंग क्षेत्र में ये लोग जमा हुए थे।

वीडियो का सबसे चौंकाने वाला हिस्सा यह था कि एक जेल कर्मचारी भी चीकना पांडे से हाथ मिलाता नजर आया। इस दृश्य ने कानून के रक्षकों की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए।

26 से अधिक मामले और गुजसीटोक का कवच

चीकना पर हत्या, हत्या की कोशिश, अपहरण, लूट, खंडणी, धमकी, आतंक और आर्म्स एक्ट जैसे 26 से ज्यादा गंभीर अपराध दर्ज हैं। चार साल पहले उसे उत्तर प्रदेश के महुली गांव से पकड़ा गया था। उसकी गैंग अमरोली, कतारगाम, डीसीबी, वराछा, ओलपाड और सोंगढ में सक्रिय थी।

काले कारों के काफिले के साथ रोड शो

चीकना को लेने 7-8 काली कारों का काफिला आया। इनमें से एक काले शीशों वाली स्कॉर्पियो कार में आशीष (चीकना) बैठा था। कार में बैठकर उसने विक्ट्री का साइन दिखाया। वीडियो बनाकर इसे इंस्टाग्राम पर 'रील' के रूप में डाला गया, जो तेजी से वायरल हो गया। यह संदेश दिया गया कि **कानून चाहे कितना भी सख्त हो, हमें कोई फर्क नहीं पड़ता।**

पुलिस के लिए चुनौती

गुजसीटोक कानून असामाजिक तत्वों पर काबू पाने के लिए बनाया गया था, लेकिन सूरत की यह घटना इस कानून की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े करती है। अब देखना यह है कि पुलिस तंत्र ऐसे गुंडों पर कड़ी कार्रवाई करता है या वे कानून को खुलेआम चुनौती देते रहेंगे।

जेल प्रशासन का बयान

सूरत सब-जेल के डीवाईएसपी डी.पी. भट्ट ने बताया कि घटना जेल परिसर के बाहर जनरल पार्किंग में हुई। हमारे कर्मचारियों ने लोगों को हटा दिया था। जांच जारी है।

सूरत के जहांगिराबाद में पार्क पेवेलियन होटल में हाई-प्रोफाइल सेक्स रैकेट

थाईलैंड की 13 महिलाएं गिरफ्तार ग्राहक 3500 से 5 हजार वसूले

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के जहांगिरपुरा इलाके में स्थित पार्क पेवेलियन नामक होटल में चल रहे हाई-प्रोफाइल सेक्स रैकेट का पर्दाफाश हुआ है। पुलिस ने सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 13 विदेशी महिलाओं को गिरफ्तार किया है। 9 पुरुषों समेत कुल 22 लोगों की गिरफ्तारी हुई है। अन्य वांछित आरोपियों की तलाश जारी है। ग्राहकों से 3500 से 5 हजार रुपए लिए जाते थे और थाईलैंड की महिलाओं को 1500 रुपए दिए जाते थे। यह रैकेट व्हाट्सऐप के जरिए संचालित हो रहा था।

पुलिस को जहांगिराबाद कैनाल रोड पर वासु पूज्य इंफ्रा बिल्डिंग की चौथी मंजिल पर स्थित इस पार्क पेवेलियन होटल में अवैध देह व्यापार चलने की खबर मिली थी। रेड के लिए पहुंची पुलिस टीम जब चौथी मंजिल पर पहुंची तो लकड़ी का दरवाजा बंद था। पुलिस ने दरवाजा खटखटाया लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं आया। इसके बाद पुलिस ने ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया।

अंदर पहुंचने पर पुलिस को पहले एक हॉल मिला, जहां काउंटर टेबल और कुर्सियां रखी थीं। वहां से आगे बढ़ते हुए रूम नंबर 403 में 7 लोग मौजूद मिले। पुलिस ने जब पूछताछ की तो एक व्यक्ति ने अपना नाम रूपेश उर्फ मैक्सी रमेश मिश्रा बताया, जो मैनेजर के रूप में काम करता था। उसने कबूल किया कि वह ग्राहकों से पैसे लेकर उन्हें महिलाओं के साथ भेजता था। उसके साथ संजय हिंगड़े और राहुल सोलंकी हाउसकीपिंग का काम करते थे, जबकि बिपिन उर्फ बंटी बाबरिया भी मैनेजर था।

पूछताछ में रूपेश मिश्रा ने बताया कि इस रैकेट का मुख्य सरगना विजय मोहन कस्तुरे है, जो होटल का खर्चा और कर्मचारियों का वेतन संभालता था। यह रैकेट व्हाट्सऐप के जरिए चलता था और ग्राहकों से ऑनलाइन भुगतान योगेश दिलीपभाई तालेकर के बैंक खाते में लिया जाता था। इसके अलावा अशोकमामा नाम का ड्राइवर महिलाओं को लाने-ले जाने का काम करता था।

रूपेश मिश्रा ने पुलिस को बताया कि एक बार संबंध बनाने के लिए ग्राहकों से 3500 रुपए लिए जाते थे। इसमें से 2000 रुपए विजय कस्तुरे कमीशन के तौर पर रखता था और महिलाओं को 1500 रुपए दिए जाते थे। रेड के दौरान रूम नंबर 407 से 9 विदेशी महिलाएं मिलीं, जिससे कुल 13 महिलाओं की गिरफ्तारी हुई।

पुलिस ने इस मामले में इमोरल ट्रैफिक प्रिवेंशन एक्ट 1956 की धारा 3, 4, 5, 7 और भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 144(2) और 54 के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस ने होटल के संचालकों और ग्राहकों सहित कुल 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है और 13 विदेशी महिलाओं को आगे की पूछताछ के लिए जहांगिरपुरा पुलिस स्टेशन भेज दिया है।

एबीवीपी कार्यकर्ताओं और कॉलेज के एक क्लर्क समेत कुल 9 लोगों के खिलाफ केस दर्ज

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की मशहूर एम.टी.बी. आर्ट्स कॉलेज में 3 महीने पहले हुए एक गंभीर मामले में उमरा पुलिस ने आखिरकार कार्रवाई की है। कॉलेज के इंचार्ज प्रिंसिपल डॉ. रुद्रेश व्यास को 8 घंटे तक बंधक बनाकर धमकी देने और अपमान करने के मामले में एबीवीपी कार्यकर्ताओं और कॉलेज के एक क्लर्क समेत कुल 9 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। शिकायत में कहा गया है कि यह साजिश उनकी छवि खराब करने और उन्हें पद से हटाने के लिए रची गई थी।

घटना के बाद प्रिंसिपल रुद्रेश व्यास मीडिया के सामने आए और इसे शिक्षकों का अपमान बताया। उन्होंने कहा कि छात्रों के नाम पर गुंडागर्दी करने वालों को सख्त सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने एबीवीपी के कार्यकर्ताओं को सीधे शब्दों में गुंडे कहा और कहा कि कोई भी शिक्षक इस तरह का बर्ताव बर्दाश्त नहीं करेगा।

आरोपियों के नाम

* कॉलेज के एडहॉक क्लर्क सागर राणा
* दीप किरणभाई धोधारी
* रवि मंगरोलिया
* Punit आचार्य
* योगीनाथ लक्ष्मण भलीमुलनाथ
* मल्हार गोस्वामी
* गणेश पवार
* जानवी पवार
* दानीलभाई बर्डे

क्या था पूरा मामला?

17 जून 2025 को डॉ. व्यास को इंचार्ज प्रिंसिपल बनाया गया।

8 जुलाई को उन्होंने क्लर्क सागर राणा को मौखिक आदेश दिया कि बची हुई सीटों से 4-5 गुना छात्रों को ऑफर लेटर भेजे। लेकिन राणा ने बिना जानकारी दिए लगभग 8,000 छात्रों को कॉल लेटर भेज दिया। 9 जुलाई को भारी अव्यवस्था फैली। इसी का फायदा उठाकर एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने कॉलेज में मोर्चा निकाला और हंगामा किया। कार्यकर्ताओं ने व्यास को ऑफिस में घुसकर धमकाया कि 400 छात्रों को तुरंत एडमिशन दो, नहीं तो तुम्हें पद से हटा देंगे।

आरोपी ऑफिस में नारेबाजी, गाली-गलौज और सरकारी काम

सर्कस थीम पर हुआ म्यूजिक हाउजी का आयोजन अग्रवाल विकास ट्रस्ट जयंती महोत्सव

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल विकास ट्रस्ट द्वारा महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में मेघा म्यूजिक हाउजी का आयोजन दो भाग में शनिवार एवं रविवार को किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रमोद पोद्दार ने बताया की इस मौके पर सिटी-लाइट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस के द्वारका हॉल को सर्कस की थीम को सजाया गया। शाम छः बजे से आयोजित कार्यक्रम में होस्ट आर जे मीत के अलावा चार सिंगर और लाइव बैंड की प्रस्तुति के साथ हाउजी खिलाई गयी। आयोजन में भाग लेने वाले 1000 से ज्यादा प्रतियोगी सर्कस की थीम पर तरह के परिधान (ड्रेसप) में आये और प्रत्येक गाने के दौरान डांस भी किया। हाउजी दो पार्ट में खेला गया एवं प्रत्येक पार्ट के विजेताओं को विभिन्न केटेगरी में ईनाम ट्रस्ट द्धारा दिए गए। आयोजन में ट्रस्ट द्धारा बेस्ट ड्रेस के ईनाम भी अलग-अलग रुप के हिसाब से दिए गए एवं इसके अलावा बेस्ट डांस, सहित अनेको पुरस्कार दिए गए। इस दौरान सभी के लिए ट्रस्ट द्धारा अल्पाहार और खाने की व्यवस्था की गयी। अग्रवाल विकास ट्रस्ट द्वारा जयंती महोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम में ट्रस्ट के अनिल शोरेवाला, प्रमोद कंसल, शशिभूषण जैन, दिनेश बंसल, रमेश अग्रवाल, युवा शाखा अध्यक्ष अंकित झुनझुनवाला, महिला शाखा अध्यक्षा रुचिका रुंगटा सहित ट्रस्ट के अनेकों सदस्य, युवा एवं महिला शाखा के अनेकों सदस्य उपस्थित रहें।

ड्राइंग कॉम्पीटिशन का आयोजन - जयंती महोत्सव में रविवार सुबह ट्रस्ट के महिला शाखा द्वारा चित्रों की कहानी , कला की जुबानी ड्राइंग कॉम्पीटिशन का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में अलग-अलग आयु वर्ग के 350 बच्चों ने कुल्हड़ पेंटिंग , थंब पेंटिंग , पिछवाई आर्ट, रामायण थीम पर पेंटिंग आदि में अपने हुनर का प्रदर्शन किया।

पुलिस से बचने के लिए हत्या के आरोपी ने 17 साल शादी ही नहीं की,बाद गिरफ्तार

सूरत शहर की पीसीबी ने मोरबी से गिरफ्तार हत्या मामले में पिछले 17 साल से फरार और 10,000 रुपये के इनामी आरोपी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत ग्रामीण के कामरेज थाने के एक हत्या मामले में पिछले 17 साल से फरार और 10,000 रुपये के इनामी आरोपी को सूरत शहर की पीसीबी ने मोरबी से गिरफ्तार किया है। आरोपी का किस्सा इतना अनोखा है कि उसने सिर्फ पुलिस के डर से शादी भी नहीं की।

आरोपी की पहचान राजेश उर्फ राजू दाह्याभाई अमृतिया (उम्र 53) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से राजकोट जिले के गोंडल तालुका के अनीडा गांव का निवासी है। पुलिस ने उसे मोरबी जिले के हलवद तालुका के कडियाणा गांव स्थित हरिओम थ्रेशर फैक्ट्री से पकड़ा।

राजेश अमृतिया ने पुलिस को बताया कि वह पिछले 35 साल से अपने गांव भी नहीं गया। पुलिस के डर से उसने अपने परिवार से कोई संबंध नहीं रखा। पूछताछ में उसने खुलासा किया कि उसे डर था कि अगर वह शादी करेगा तो पुलिस उसकी पत्नी के पते से उसे पकड़ लेगी। इसी डर की वजह से उसने कभी शादी नहीं की और अकेलेपन भरा जीवन जीता।

साल 2008 में राजेश छोटा-मोटा ड्राइविंग करता था। उसकी दोस्ती एक अन्य ड्राइवर विपुलभाई लालजीभाई सोलंकी से हुई। एक दिन विपुलभाई जेठपुर से करजन और सूरत के लिए लहसुन और गेहूं का माल लेकर टेंपो में निकले थे। रास्ते में टेंपो बार-बार पंचर हो रहा था, तो उन्होंने राजेश को मदद के लिए बुलाया।

करजन में लहसुन का माल उतारने के बाद राजेश को लगा कि विपुलभाई के पास व्यापारी के पैसे हैं। लालच में उसने विपुलभाई के पेट और सीने पर जानलेवा हमला कर दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। हालांकि हत्या के बाद भी राजेश को पैसे नहीं मिले। वह टेंपो को सड़क पर छोड़कर फरार हो गया।

पुलिस से बचने के लिए उसने अलग-अलग जगहों पर मजदूरी कर जीवन गुजारा। करीब 5 साल छोटा उदेपुर के क्वांट में क्वारी पर मजदूरी, फिर 5 साल मोरबी के देवलिया गांव में और पिछले 7-8 साल से कडियाणा गांव के थ्रेशर कारखाने में मजदूरी कर रहा था।

लंबे समय तक पुलिस को राजेश का कोई सुराग नहीं मिला। उसके माता-पिता ने भी बताया था कि वह पिछले 18 साल से घर नहीं आया। इसलिए पुलिस ने इस केस को वर्ग-अ पेंडिंग समरी में दर्ज कर दिया। सूरत ग्रामीण पुलिस अधीक्षक ने उसे पकड़ने पर 10,000 रुपये का इनाम घोषित किया था।

आखिरकार, पीसीबी को सूचना मिली कि राजेश मोरबी के हलवद तालुका में छुपा है। सूचना के आधार पर छापा मारकर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

युवक की हाथ-पैर बंधी हालत में हत्या की लाश मिली

हजीरा में मौत के घाट, मृतक हाउसकीपिंग एजेंसी में करता था काम

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के हजीरा इलाके में 24 वर्षीय युवक की बेरहमी से हत्या का मामला सामने आया है। अज्ञात हमलावरों ने युवक के हाथ-पैर बांधकर किसी भारी वस्तु से हमला कर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को झाड़ियों में फेंककर आरोपी फरार हो गए।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान 24 वर्षीय रणजीत पासवान के रूप में हुई है। एसीपी दीप वकील ने बताया कि रणजीत पासवान मूल रूप से झारखंड का रहने वाला था और हजीरा स्थित अडाणी इंडस्ट्रीज में हाउसकीपिंग का काम करता था। आज सुबह स्थानीय लोगों ने झाड़ियों में शव पड़े होने की सूचना पुलिस को दी।

सूचना मिलते ही हजीरा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच की तो पाया कि युवक के हाथ-पैर बंधे हुए थे और उसके शरीर पर भारी वस्तु से वार के निशान थे, जो साफ दर्शाते हैं कि उसकी बेरहमी से हत्या की गई है।

फिलहाल पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और रणजीत पासवान के संपर्क में कौन-कौन लोग थे, इसकी भी पड़ताल कर रही है। पुलिस को उम्मीद है कि जल्द ही हत्यारों को पकड़ लिया जाएगा।

खेल महोत्सव एवं "एपीटी का खजाना" कार्यक्रम का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल प्रगति ट्रस्ट द्वारा जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में रविवार को ट्रस्ट को युवा शाखा द्वारा खेल महोत्सव एवं महिला शाखा द्वारा एपीटी का खजाना ट्रेजर हंट का आयोजन किया गया। वेसु स्थित अग्रवाल विद्या विहार स्कूल में आदि खेलों में 500 प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया।

आयोजन में महिला शाखा द्वारा दोपहर तीन बजे से आयोजित ट्रेजर हंट एपीटी का खजाना में प्रतियोगितों ने ग्रुप में टास्क करते हुए टीम वर्क का परिचय दिया। दोनों प्रतियोगिताओं में विजेताओं का सम्मान ट्रस्ट द्वारा किया गया।

आयोजन मे ट्रस्ट के ब्रजमोहन अग्रवाल, सुरेंद्र अग्रवाल, वसंत अग्रवाल, जयंती संचालक नंदकिशोर तोला, श्यामसुंदर सिहोटीया, सीए नितेश अग्रवाल, सुनील अग्रवाल ,मुकेश लडिया, जीवनराम अग्रवाल ,विनोद अग्रवाल ,यूवा इकाई के मैंटर पुखराज अग्रवाल, महिला शाखा की मनीषा कजारिया, किरण चोकडिका, इंदिरा अग्रवाल, युवा शाखा के देवन अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, रौनक अग्रवाल सहित अनेकों सदस्य उपस्थित रहें।